THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 113 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण कृ.9 2082 शनिवार, 19 जुलाई-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

सीमा पार से आए ड्रोन को बीएसएफ ने गिराया

छह ड्रोन और दो किलो से अधिक हेरोइन बरामद

अमृतसर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। अमृतसर में वीरवार देर रात को सीमा के उस पर से पाकिस्तानी तस्करों की ओर से ड्रोन के जरिए हेरोइन भेजी गई। सीमा पर हलचल होने के तुरंत बाद बीएसएफ के जवान सक्रिय हो गए और ड्रोन को निष्क्रिय कर दिया। सर्च अभियान के दौरान बीएसएफ की ओर से खेतों से कुल 6 ड्रोन और 2 किलो 340 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है।

बीएसएफ के अधिकारी ने बताया कि वीरवार रात को गांव और धोने कलां और पुल मोरा में कंटीली तारों के पास कुछ ड्रोन जैसी मूवमेंट होती देखी गई। जिसके बाद जवान तुरंत अलर्ट हो गए और कार्रवाई करते हुए ड्रोन को मार गिराया। इसके बाद शुक्रवार सुबह खेतों में सर्च की गई तो वहां से 6 ड्रोन और हेरोइन बरामद की गई।

पश्चिम महाराष्ट्र के सांगली का 'इस्लामपुर'

अब कहा जाएगा 'ईश्वरपुर', फडणवीस सरकार ने किया एलान

मुंबई, 18 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार ने शुक्रवार को घोषणा की कि सांगली जिले के इस्लामपुर का नाम बदलकर ईश्वरपुर कर दिया गया है। यह घोषणा राज्य विधानसभा में मानसून सत्र के अंतिम दिन की गई। यह कदम हिंदूवादी संगठन शिव प्रतिष्ठान की ओर से सांगली कलेक्टरेट को एक ज्ञापन भेजकर इस्लामपुर का नाम बदलकर ईश्वरपुर करने की मांग के बाद उठाया गया। शिव प्रतिष्ठान के अध्यक्ष संभाजी भिड़े हैं, जिनके समर्थकों ने कहा है कि जब तक यह मांग पूरी नहीं हो जाती, वे चैन से नहीं बैठेंगे। इस्लामपुर के एक शिवसेना नेता ने कहा कि नाम बदलने की मांग 1986 से चली आ रही है।

तीन दिन भारी बारिश का अलर्ट

मानसून में अब तक 110 लोगों की मौत

शिमला, 18 जुलाई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के कई भागों में बारिश का दौर लगातार जारी है। बीते 24 घंटों के दौरान जोगिंद्रनगर में 40.0, सराहन 38.0, जटौन बैराज 28.6, कोठी 28.4, शिलारू 26.4, मुरारी देवी 25.0, नारकंडा 23.0 व जोत में 23.0 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। प्रदेश की राजधानी शिमला में भी बीती रात स रुक-रुककर बारिश जारी है। राज्य में जगह-जगह भूस्खलन से शुक्रवार सुबह 10:00 बजे तक 250 सड़कें बाधित रहीं। इसके अतिरिक्त 81 बिजली ट्रांसफार्मर व 61 जल आपूर्ति योजनाएं प्रभावित हैं। आपदा प्रभावित मंडी जिले में सबसे अधिक 182 सड़कें व 50 जल आपूर्ति योजनाएं ठप हैं।

इस मानसून सीजन में 20 जून से 17 जुलाई तक 110 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। 199 लोग घायल हुए हैं। 35 लोग अभी भी लापता हैं। इस दौरान 45 लोगों की सड़क हादसों में मौत हुई है। बादल फटने, भूस्खलन, बाढ़ से अब तक 1356 कच्चे-पक्के घरों, दुकानों को क्षति हुई है। 915 गोशालाएं भी क्षतिग्रस्त हुई हैं। 1272 पालतु पशुओं की मौत हुई है।

तेंदुए का आतंक, अलीराजपुर-झाबुआ में दो ग्रामीण घायल

धार, 18 जुलाई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के आदिवासी अंचलों में तेंदुए का आतंक एक बार फिर से लौट आया है। अलीराजपुर जिले के ग्राम बेसवानी और झाबुआ जिले के ग्राम भूतखेड़ी में तेंदुए ने दो अलग-अलग हमलों में ग्रामीणों को घायल कर दिया। लगातार हो रहे इन हमलों से ग्रामीणों में भय और वन्यजीव सुरक्षा को लेकर चिंता का माहौल है। ग्राम बेसवानी के पटेल फलिया क्षेत्र में तेंदुए ने पहले बच्चू चौहान के घर में घुसकर बकरा उठाया और बाद में एक अन्य बकरा भी उठा ले गया। इसी दिन जंगल में मवेशी चरा रहे ग्रामीण वीरेंद्र और केसल सिंह पर तेंदुए ने हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद गुजरात के बोडेली अस्पताल रेफर किया गया है।

ड्रग्स की अवैध बिक्री पर ईडी की बड़ी कार्रवाई, पंजाब-मुंबई में छापेमारी

जालंधर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पंजाब और मुंबई में 22 निजी नशा मुक्ति केंद्रों पर छापेमारी की है। इन केंद्रों में बीएनएक्स दवा की अवैध बिक्री का खुलासा हुआ है, जो नशे की लत छुड़ाने के लिए इस्तेमाल होती है। डॉ। अमित बंसल और ड्रग इंस्पेक्टर रूपिंदर कौर पर गलत तरीके से दवा बेचने और झूठी रिपोर्ट बनाने के आरोप हैं। रुसन फार्मा लिमिटेड के दफ्तर पर भी छापा पड़ा है। यह कार्रवाई पंजाब पुलिस की कई एफआईआर के आधार पर की गई है। ईडी की जालंधर जोन टीम ने पंजाब और मुंबई के कुल 4 ठिकानों पर छापेमारी की है। ये कार्रवाई चंडीगढ़, लुधियाना, बरनाला और मुंबई में हो रही है। यह पूरा मामला पंजाब में चल रहे 22 प्राइवेट नशा मुक्ति केंद्रों से जुड़े ड्रग्स की अवैध बिक्री से जुड़ा है। इन नशा मुक्ति केंद्रों में इलाज के लिए मरीजों को बीएनएक्स (ब्यूप्रेनॉर्फिन/नालॉक्सोन) नाम की दवा दी जाती है। ये दवा असल में नशे के आदी लोगों की लत छुड़ाने के लिए इस्तेमाल होती है, लेकिन जांच में पता चला है कि इन दवाओं को जरूरत से ज्यादा मात्रा में बेचकर एक नए तरह की लत के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। ईडी ने ये जांच पंजाब पुलिस की ओर से दर्ज कई एफआईआर के आधार पर शुरू की है। एफआईआर में डॉ। अमित बंसल और अन्य लोगों के खिलाफ आरोप लगाए गए हैं। डॉ। बंसल पंजाब में 22 निजी नशा मुक्ति केंद्र चलाते आ रहे हैं। जांच में सामने आया है कि डॉ। अमित बंसल ने अपने नशा मुक्ति केंद्रों के जरिए इन दवाओं का गलत इस्तेमाल किया और इन्हें गैरकानूनी तरीके से बेचा है। इसके साथ ही ड्रग इंस्पेक्टर रूपिंदर कौर ने भी उनकी मदद की। बताया गया है कि रूपिंदर कौर ने दवाओं की चोरी और गड़बड़ी से जुड़ी झूठी रिपोर्ट तैयार की थी ताकि सब कुछ ठीक-ठाक दिखाया जा सके। इस केस में बीएनएक्स दवा बनाने वाली फार्मा कंपनी रुसन फार्मा लिमिटेड के दफ्तर पर भी छापा मारा गया है। कंपनी की भूमिका की भी जांच की जा रही है। इस पूरे मामले में कई अहम खुलासे हो सकते हैं और आने वाले दिनों में बड़ी गिरफ्तारियां भी हो सकती हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने निमिषा प्रिया मामले पर सुनवाई टाली

सरकार बोली- हरसंभव मदद कर रहे

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। यमन में फांसी की सजा पाई भारतीय नर्स निमिषा प्रिया मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई 14 अगस्त तक टाल दी है। शुक्रवार को इस मामले पर हुई सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने कहा कि वे निमिषा प्रिया मामले में हरसंभव मदद कर रहे हैं। यमन में एक व्यक्ति की हत्या के आरोप में निमिषा को मौत की सजा सुनाई गई है। निमिषा को 16 जुलाई को मौत की सजा मिलनी थी। हालांकि सरकार के प्रयासों और केरल के एक मुस्लिम धर्मगुरु की मदद से निमिषा प्रिया की फांसी की सजा फिलहाल टाल दी गई है। सुप्रीम कोर्ट को शुक्रवार को सूचित किया गया कि यमन में हत्या के आरोप में मौत की सजा का सामना कर रही भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की फांसी पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। केंद्र की ओर से पेश अटॉर्नी जनरल आर। वेंकटरमण ने जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ को बताया कि इस मामले में नर्स को बचाने की कोशिश जारी है।

उन्होंने कहा कि सरकार चाहती है कि प्रिया सुरक्षित वापस आ जाए। पीठ ने भी इसे स्वीकार किया। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने कहा कि निमिषा को पहले मृतक महदी के परिजनों से क्षमादान प्राप्त करना होगा और फिर उसके बाद ब्लड मनी का मुद्दा आएगा। याचिकाकर्ता ने अदालत को सूचित किया कि फांसी स्थगित कर दी गई है। इसके बाद पीठ ने मामले की सुनवाई 14 अगस्त तक के लिए टाल दी।

याचिका में केंद्र सरकार को निर्देश देने की मांग की गई है कि सरकार हरसंभव राजनयिक माध्यमों से 38 वर्षीय भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को बचाए। साथ ही सरकार से मांग की गई है कि एक समिति गठित की जाए, जो निमिषा प्रिया को बचाने के लिए यमन की सरकार से बात करे। केरल के पलक्कड़ ज़िले की निवासी निमिषा प्रिया को 2017 में अपने यमन के निवासी बिजनेस पार्टनर की हत्या का दोषी ठहराया गया था। उसे 2020 में मौत की सजा सुनाई गई और उसकी अंतिम अपील 2023 में खारिज हो गई। निमिषा फिलहाल यमन की राजधानी सना की जेल में कैद है।

पति से शारीरिक संबंध बनाने से इनकार और लव अफेयर का शक भी तालाक का आधार: एचसी

मुंबई, 18 जुलाई (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक महिला की याचिका खारिज कर दी, जिसमें उसने पारिवारिक न्यायालय के तलाक के आदेश को चुनौती दी थी। कोर्ट ने कहा कि पत्नी का अपने पति के साथ शारीरिक संबंध से इनकार करना और लव अफेयर का शक करना क्रूरता है। हाई कोर्ट ने कहा कि पत्नी के व्यवहार से पति को मानसिक पीड़ा पहुंची है और इस शादी के सुधरने की कोई संभावना नहीं है।

देशभर में तलाक के कई ऐसे मामले सामने आ रहे हैं, जिनको लेकर तरह-तरह के तर्क दिए जाते हैं। बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने पत्नी याचिका को खारिज कर दिया है।

तलाक के आदेश को बरकरार रखते हुए, अदालत ने महिला की 1 लाख रुपये मासिक भरण-पोषण की मांग को भी खारिज कर दिया है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने माना कि शादी के बाद पति का शारी संबंध बनाने के लिए इनकार करना गलत नहीं है। हालांकि इसके लिए उस पर लव अफेयर का शक करना क्रूरता ही है। जस्टिस रेवती मोहिते डेरे और नीला गोखले की खंडपीठ ने गुरुवार को कहा कि महिला के आचरण को उसके पति के प्रति "क्रूरता" माना जा सकता है। अदालत ने महिला की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें उसने पारिवारिक न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें पति की तलाक की याचिका को स्वीकार किया गया था।

महिला ने अपने पति को 1 लाख रुपये मासिक गुजारा भत्ता देने का निर्देश देने की भी मांग की थी।

तलाकशुदा पत्नी की हत्या मामले में पति समेत तीन आरोपी हाईकोर्ट से बरी

निचली अदालत ने सुनाई थी सजा-ए-मौत

कोलकाता, 18 जुलाई (एजेंसियां)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने एक बड़ी टिप्पणी करते हुए 2014 में अपनी पत्नी की हत्या के आरोप में मौत की सजा पाए एक व्यक्ति और दो अन्य को बरी कर दिया है। न्यायमूर्ति देबांग्शु बसाक और न्यायमूर्ति मोहम्मद शब्बर राशिदी की खंडपीठ ने फैसला सुनाते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष आरोप साबित करने में पूरी तरह विफल रहा है। कोर्ट ने तीनों को तुरंत रिहा करने का आदेश दिया। यह मामला सुरोजित देब, उसकी दोस्त लिपिका पोद्दार और संजय बिस्वास के खिलाफ था। इन पर आरोप था कि सुरोजित ने अपनी पत्नी जयंती देब की हत्या की, लिपिका ने मदद की और संजय ने शव के टुकड़े ठिकाने लगाने में सहयोग किया। लेकिन कोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष कोई ठोस सबूत पेश नहीं कर सका जिससे यह साबित हो सके कि हत्या तीनों ने ही की थी। 20 मई 2014 को कोलकाता के सियालदह रेलवे स्टेशन की पार्किंग में एक बिस्तर में शव के कटे हुए टुकड़े मिले थे। बाद में डीएनए परीक्षण और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुष्टि हुई कि यह शव जयंती देब का था। उस समय पुलिस ने सुरोजित और उसकी महिला मित्र लिपिका पर हत्या का शक जताया था और उन्हें गिरफ्तार किया गया था। कोर्ट में बचाव पक्ष ने तर्क दिया कि अभियुक्त उस जगह पर मौजूद ही नहीं थे, जहां से शव के टुकड़े मिले थे। उन्होंने कहा कि अभियोजन पक्ष यह भी साबित नहीं कर पाया कि शव पार्किंग में किसने छोड़ा था। ऐसे में यह तय करना मुश्किल है कि हत्या आरोपियों ने ही की है। कोर्ट ने इन तर्कों को स्वीकार करते हुए दोषसिद्धि को पूरी तरह खारिज कर दिया। इससे पहले 20 जुलाई 2019 को सियालदह सेशन कोर्ट ने तीनों को हत्या का दोषी ठहराया था और दो दिन बाद मौत की सजा सुनाई थी। लेकिन हाईकोर्ट ने इसे न केवल गलत ठहराया बल्कि साक्ष्यों के अभाव में तीनों को बरी कर दिया। कोर्ट ने साफ किया कि अभियोजन की तरफ से पेश सबूत आरोपियों के खिलाफ दोष साबित करने के लिए पर्याप्त नहीं थे। राज्य सरकार की ओर से दलील दी गई कि सेशन कोर्ट का फैसला सही था और उसे बरकरार रखा जाना चाहिए। लेकिन हाईकोर्ट की पीठ ने यह मानने से इनकार कर दिया। उन्होंने अपने फैसले में कहा कि अपीलकर्ताओं के खिलाफ कोई पुख्ता सबूत मौजूद नहीं है और उन्हें दोषी ठहराना न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ होगा।

उर्दू को लेकर कैट के फैसले पर भड़कीं इल्तिजा मुफ्ती

जम्मू, 18 जुलाई (एजेंसियां)। कश्मीर केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (सीएटी) की ओर से जम्मू-कश्मीर राजस्व (अधीनस्थ) सेवा भर्ती नियम 2009 के प्रासंगिक प्रावधानों के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी गई है, जिसमें नायब तहसीलदार के पद के लिए न्यूनतम योग्यता के रूप में उर्दू के ज्ञान के साथ स्नातक होना अनिवार्य है। इसके बाद कैट के आदेश का हवाला देते हुए जम्मू-कश्मीर सेवा चयन बोर्ड (जेकेएसएसबी) ने मंगलवार को राजस्व विभाग में नायब तहसीलदार पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया स्थगित कर दी। इस मामले पर पीडीपी की नेता इल्तिजा मुफ्ती की प्रतिक्रिया आई है। इल्तिजा मुफ्ती ने कहा है कि उर्दू को हटाने का कैट का हालिया फैसला न केवल हमारी पहचान पर हमला है, बल्कि हमारी भावनाओं को भी ठेस पहुंचाता है। उन्होंने कहा कि ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह है कि यह जम्मू-कश्मीर में पहले से ही बेरोजगारी से जूझ रहे हमारे बेचैन युवाओं के भविष्य को खतरे में डालता है। उन्होंने कहा, हाल ही में उर्दू को लेकर कैट का फैसला मायूस करने वाला है। हर एक चीज को मजहब के नजरिए से देखना हमारी पहचान पर हमला है और इसके साथ ही युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है।

जस्टिस वर्मा ने जांच रिपोर्ट को एससी में दी चुनौती

महाभियोग प्रक्रिया की सिफारिश को भी किया चैलेंज

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। जस्टिस यशवंत वर्मा के घर से भारी नकदी मिलने के मामले ने नया टर्न ले लिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित तीन सदस्यीय जांच समिति की इन हाउस इन्क्वायरी रिपोर्ट को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। तत्कालीन सीजेआई संजीव खन्ना के द्वारा रिपोर्ट को प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति को भेजकर महाभियोग प्रक्रिया शुरू करने की सिफारिश को भी चुनौती दी है। जस्टिस यशवंत ने जांच समिति की रिपोर्ट को अमान्य घोषित करने की मांग उठाई है। जस्टिस यशवंत वर्मा की तरफ से तीन सदस्यीय जांच पैनल पर आरोप लगाया गया है कि उनको निष्पक्ष सुनवाई का कोई मौका नहीं दिया गया है, और निष्कर्ष निकाल दिया गया। जस्टिस वर्मा का दिल्ली हाईकोर्ट से इलाहाबाद हाईकोर्ट इसी कैश कांड के बाद ट्रांसफर किया गया था।

14 मार्च 2025 की रात को जस्टिस वर्मा के घर में आग लगने के बाद अग्निशमन विभाग के फायर फाइटर्स ने बड़ी तातद में जलते हुए नोट देखकर वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया था। जिसपर जस्टिस यशवंत वर्मा ने कहा था कि यह उनके खिलाफ कोई साजिश है। पुलिस अधिकारियों ने दिल्ली के मुख्य न्यायाधीश और मुख्य न्यायाधीश ने भारत के मुख्य न्यायाधीश को सूचित किया था। पुलिस ने इस घटना को हाईकोर्ट के जज का मामला होने के चलते दर्ज नहीं किया था। घटना के दिन जस्टिस वर्मा और उनकी पत्नी दिल्ली से बाहर थे। सीजेआई ने बाद में तीन जजों की समिति गठित कर जांच करवाई और समिति ने कैश कांड की पुष्टी की। साथ ही जस्टिस वर्मा की ओर से दी गई सफाई को नकार दिया था।

संसद के मानसून सत्र के आने से पहले जस्टिस वर्मा ने अपनी याचिका दायर की है। उनके खिलाफ इसी सत्र में महाभियोग लाने की तैयारी की जा रही है। सरकार इस कोशिश में है कि इस मामले पर सभी दलों को एकजुट कर सहमति बनाई जा सके।

आतिशी का दावा, 'आप की बढ़ती लोकप्रियता ने बीजेपी की नींद उड़ा दी है

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आप) की नेता और दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने बीजेपी पर केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। उन्होंने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दावा किया कि गुजरात में आम आदमी पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता ने बीजेपी की नींद उड़ा दी है। बौखलाहट में आप नेताओं पर झूठे मुकदमे लगा रहे हैं। हाल में हुए गुजरात की विसाबदर विधानसभा उप-चुनाव में आप उम्मीदवार गोपाल इटालिया की जीत हुई है। इसके बाद से पार्टी लगातार गुजरात में कैंपेन कर रही है।

उसका फोकस 2027 का विधानसभा चुनाव पर है। आतिशी ने कहा, "बीजेपी ने अपनी केंद्रीय जांच एजेंसियों का गलत इस्तेमाल फिर से शुरू कर दिया है। फर्जी मुकदमों का सिलसिला एक बार फिर शुरू कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने बीजेपी और ईडी पर टिप्पणी की थी कि दुर्भावना से काम किया जा रहा है।"आतिशी ने ये हमला ऐसे समय में बोला है जब सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आप सरकार के वक्त हुए तीन अलग-अलग मामलों में मनी लॉन्ड्रिंग के तहत केस दर्ज किए हैं। अस्पताल निर्माण, सीसीटीवी और शेल्टर होम मामले में ईसीआईआर दर्ज की गई है। इस मामले में आप नेताओं को समन भेजा जा सकता है। उन्होंने कहा, "आखिरी ईडी के केस की शुरुआत फिर से क्यों हो रही है।

इसका जवाब गुजरात के विसाबदर में हुए विधानसभा उप-चुनाव रिजल्ट में छिपा हुआ है। बीजेपी ने हर संभव कोशिश की कि आप को विसाबदर के चुनाव में हराया जाए। बेइंतहा पैसा खर्च किया। शराब बांटे गए, आप के कार्यकर्ताओं को डराया गया। कार्यकर्ताओं से सेटिंग की कोशिश की गई। पार्टी के सभी बड़े नेताओं को इस सीट पर लगा दिया गया।"दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने कहा, "गोपाल इटालिया की जीत के बाद आप का ग्राफ गुजरात में तेजी से बढ़ रहा है। क्योंकि एक तरफ लोग देख रहे हैं कि पिछले 30 साल से बीजेपी ने गुजरात का बुरा हाल कर दिया है।

पुणे एयरपोर्ट पर तेंदुए ने बनाया डेरा

3 महीने में कई बार आया सामने, इस बार रनवे तक पहुंचा

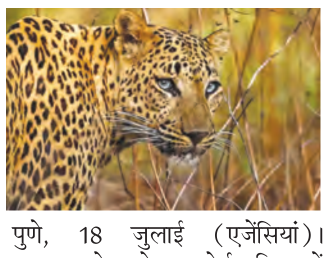

पुणे, 18 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे एयरपोर्ट परिसर में तेंदुए की मूवमेंट देखी गई है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने यह बात कंफर्म की है कि सीसीटीवी फुटेज में तेंदुए को एयरपोर्ट के रनवे पर देखा गया है। मुरलीधर मोहोल ने बताया कि तेंदुए को पकड़ने के लिए जाल और पिंजरे लगा दिए गए हैं। जानवर की लोकेशन और उसके छुपने के ठिकानों का भी पता लगाया जा रहा है। खाने की तलाश में जिन जगहों से वह एयरपोर्ट परिसर के अंदर आ सकता है, वो सारे एंट्री पॉइंट बंद कर दिए गए हैं। जल्द ही तेंदुए को पकड़ कर उसे जांच के बाद जंगल में छोड़ा जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, अभी तक की जांच में सामने आया है कि पहली बार तेंदुआ 28 अप्रैल को एयरपोर्ट की सीमा से करीब 800 मीटर दूर दिखा था। जंगली जानवर के दिखते ही हड़कंप मच गया और वाइल्डलाइफ की टीम एक्टिव हो गई। अप्रैल में ही पिंजरे और जाल के साथ सर्च ऑपरेशन शुरू हुआ। इसके बाद मई में मुर्गी को शिकार बनाकर वन विभाग ने तेंदुए के लिए जाल बिछाया। हैरानी की बात यह रही कि तेंदुआ पिंजरे के अंदर तो आया, मुर्गी को भी पकड़ लिया लेकिन वापस चला गया। अब जुलाई में सीसीटीवी फुटेज के जरिए एक बार फिर से तेंदुए की मौजूदगी दिखी है।

'आपराधिक पृष्ठभूमि के लोगों को भाजपा में शामिल किया जा रहा'

विधानभवन में झड़प पर राउत का तंज

मुंबई, 18 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानभवन में भाजपा और एनसीपी (शरद पवार गुट) के नेताओं के समर्थकों के बीच हुई झड़प के बाद राज्य की राजनीति में उबाल आ गया है। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने इसे 'गैंगवार' बताया है और दावा किया कि भाजपा में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों को जगह दी जा रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से इस्तीफा देने और राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग की है। संजय राउत ने कहा कि जो कुछ भी महाराष्ट्र विधानभवन में हुआ, वह किसी लोकतांत्रिक राज्य की नहीं बल्कि एक 'गैंगवार' की तस्वीर थी।

उन्होंने आरोप लगाया कि जिस तरह से हत्या, डकैती और मकोका जैसे गंभीर अपराधों में शामिल लोग वहां मौजूद थे, वह राज्य की छवि को धूमिल करता है। राउत ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियोज का हवाला देते हुए कहा कि यह दृश्य चौंकाने वाले और शर्मनाक हैं। राउत ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों को लगातार शामिल किया जा रहा है।

दरबार साहिब को धमकी का मामला

सॉफ्टवेयर इंजीनियर गिरफ्तार, कई बड़ी कंपनियों में कर चुका है काम

अमृतसर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। अमृतसर पुलिस ने श्री हरमंदिर साहिब को उड़ाने की धमकी देने के मामले में शुभम दुबे नाम के एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर को गिरफ्तार किया है। आरोपी फरीदाबाद का रहने वाला है और कई बड़ी कंपनियों में काम कर चुका है। आरोपी को तमिलनाडु से पकड़ा गया है। सोमवार को एक अज्ञात व्यक्ति ने धमकी भरा ईमेल लिखकर श्री हरिमंदिर साहिब को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी दी थी। इस संबंध में पुलिस को शिकायत दे दी गई थी। वहीं सुरक्षा को लेकर एसजीपीसी के पदाधिकारियों ने टास्क फोर्स की सहायता से अंदरूनी सुरक्षा बढ़ा दी थी।

इसके बाद मंगलवार को दूसरी धमकी भरी ईमेल एसजीपीसी के पास आई। ईमेल में लिखा गया है कि श्री हरिमंदिर साहिब के आसपास की पाइपों में आरडीएक्स भर दिया गया है। इससे अंदर धमाके किए जाएंगे। इसके बाद पुलिस और चौकन्नी हो गई। सिविल ड्रेस में पुलिस कर्मचारी परिसर में तैनात कर दिए गए हैं। श्री हरिमंदिर साहिब के आसपास सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है।

बांद्रा में सिलेंडर ब्लास्ट के बाद तीन मंजिला चॉल ढही

कई लोग मलबे में फंसे 12 को बचाया गया

मुंबई, 18 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई के पश्चिमी उपनगर बांद्रा में शुक्रवार तड़के एक तीन मंजिला चॉल ढह गई। इसकी वजह सिलेंडर ब्लास्ट बताई जा रही है। मलबे में कई लोगों के फंसे होने की आशंका जताई गई। नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि अब तक मलबे से 10 से ज्यादा लोगों को निकाला जा चुका है। उन्हें नगर निगम की ओर से संचालित भाभा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, बांद्रा पूर्व के भारत नगर इलाके में चॉल संख्या 37 सुबह करीब 5।56 बजे ढह गई। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि मुंबई पुलिस और बृहन्मुंबई नगर निगम की स्थानीय वार्ड मशीनरी के साथ आठ दमकल गाड़ियां मौके पर मौजूद हैं। उन्होंने कहा, 'राहत और बचाव अभियान जारी है। आगे की जानकारी का इंतजार है।'

मुंबई पुलिस के मुताबिक, अब तक मलबे से निकाले गए 12 लोगों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनका इलाज चल रहा है। यह घटना आज सुबह 7:50 बजे हुई। शुरुआती जांच में पता चला है कि इमारत में एक सिलेंडर ब्लास्ट हुआ, जिसके बाद इमारत के कुछ हिस्से अचानक ढह गए। अग्निशमन विभाग, मुंबई पुलिस और बीएमसी द्वारा मौके पर राहत एवं बचाव कार्य जारी है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 113 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण कृ.9 2082 शनिवार, 19 जुलाई-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

भारत में रूसी महिला बच्चे के साथ लापता-सुप्रीम कोर्ट का केंद्र को लुकआउट नोटिस जारी करने का आदेश

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को बच्चे की कस्टडी से जुड़े एक अनोखे केस में एक रूसी महिला के लिए लुकआउट नोटिस जारी करने का निर्देश दिया है। महिला 7 मई से बच्चे को लेकर गायब है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और दिल्ली सरकार से दोनों को ढूंढने का आदेश दिया है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा कि रूसी महिला विक्टोरिया देश छोड़कर नहीं जानी चाहिए। कोर्ट ने मां और बच्चे को ढूंढकर, बच्चे को उसके भारतीय पिता सैकत बसु को सौंपने का आदेश दिया।

दुर्गापुर भारत की जनशक्ति का केंद्र : पीएम

> बंगाल में पीएम ने करोड़ों की परियोजनाओं का किया शिलान्यास

> दुर्गापुर और रघुनाथपुर की फैक्ट्रियों को नई तकनीक

> गैस आधारित कनेक्टिविटी को बढ़ावा

> बंगाल के युवा पलायन को मजबूर

दुर्गापुर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में 5,400 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि दुर्गापुर न केवल इस्पात नगरी है, बल्कि भारत की श्रमशक्ति का भी एक बड़ा केंद्र है। साथ ही पीएम ने बताया कि इन परियोजनाओं से क्षेत्र की कनेक्टिविटी बढ़ेगी और गैस आधारित परिवहन को भी मजबूती मिलेगी। जनसभा में पीएम मोदी ने कहा कि ये पहल भारत को विकसित बनाने की दिशा में अहम कदम हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने बताया आज पूरा देश एक ही लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहा है। इस दौरान उन्होंने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए तीन मूल मंत्र भी दिए और कहा कि इसका रास्ता सिर्फ विकास से सशक्तिकरण, रोजगार से आत्मनिर्भरता और संवेदनशीलता से सुशासन है। इन तीन मूलमंत्रों पर काम करते हुए सरकार देश के प्रत्येक कोने तक विकास पहुंचा रही है। पीएम मोदी ने बताया कि दुर्गापुर और रघुनाथपुर की फैक्ट्रियों में नई तकनीक के साथ काम हो रहा है। 1,500 करोड़ रुपये का निवेश इन इकाइयों को अपग्रेड करने में किया गया है। उन्होंने कहा कि इससे उत्पादन में बढ़ोतरी होगी और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी बनेंगे। साथ ही पश्चिम बंगाल की जनता को उन्होंने इस विकास के लिए बधाई दी। इस दौरान पीएम ने ये भी कहा कि आज बंगाल अपने बुरे दौर से गुजर रहा है।

एक समय था जब लोग यहां देशभर से रोजगार के लिए आते थे, लेकिन आज स्थिति पूरी तरह उलट गई है। पश्चिम बंगाल का नौजवान पलायन के लिए मजबूर है।

'पुणे की तरह पटना, मुंबई जैसा मोतिहारी होगा'

मोतिहारी, 18 जुलाई (एजेंसियां)। पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को मोतिहारी में जनसभा की। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा– दुनिया में जैसे पूर्वी देशों का दबदबा बढ़ रहा है वैसे ही भारत में ये दौर हमारे पूर्वी राज्यों का है। हमारा संकल्प है। आने वाले समय में जैसे पश्चिमी भारत में मुंबई है, वैसे ही पूर्व में मोतिहारी का नाम होगा। जैसे अवसर गुरुग्राम में हैं वैसे ही अवसर गयाजी में बने। पुणे की तरह पटना होगा। अपने 33 मिनट के भाषण में प्रधानमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र किया। साथ ही आरजेडी-कांग्रेस पर निशाना साधा। पीएम बोले– अब बिहार में विकास करने वाली सरकार है। जब केंद्र में कांग्रेस और आरजेडी की सरकार थी तो यूपीए के 10 साल में बिहार को करीब 2 लाख करोड़ के आसपास मिले थे। यानी नीतीश जी की सरकार से ये लोग बदला ले रहे थे। बिहार से बदला ले रहे थे। 2014 में केंद्र में मुझे सेवा करने का मौका मिला।

भूपेश बघेल के बेटे को ईडी ने किया गिरफ्तार

सुबह से छत्तीसगढ़ शराब घोटाले में चल रही छापेमारी

रायपुर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कांग्रेस नेता और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को ईडी ने अरेस्ट कर लिया है। उन्हें भिलाई स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया गया है।

चैतन्य बघेल की यह गिरफ्तारी ऐसे समय पर हुई है, जब आज सुबह ईडी ने भूपेश बघेल के घर पर छापेमारी की। चैतन्य बघेल की यह गिरफ्तारी कथित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हुई है। चैतन्य का आज जन्मदिन भी है। बताया जा रहा है कि इस मामले में नए साक्ष्य मिलने के बाद ईडी ने पीएमएलए के तहत चैतन्य को गिरफ्तार किया है। ईडी ने शुक्रवार सुबह-सुबह भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य के भिलाई घर पर छापेमारी की थी। ईडी की टीम तीन गाड़ियों में सुबह करीब 6:30 बजे मौके पर पहुंची और सीआरपीएफ के सुरक्षा घेरे में घर की तलाशी शुरू की गई। यह कार्रवाई ऐसे समय पर हुई है, जब आज छत्तीसगढ़ विधानसभा का अंतिम दिन है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज विधानसभा में रायगढ़ जिले में हो रही पेड़ कटाई का मुद्दा उठाने वाले थे।

7 जुलाई को आर्थिक अपराध अनुसंधान शाखा (ईओडब्ल्यू) ने शराब घोटाले में चौथी सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की, जिसमें घोटाले की अनुमानित राशि को 2,161 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 3,200 करोड़ रुपये बताया गया। यह चार्जशीट 30 जून को दाखिल की गई थी। इस केस में अब तक कुल पांच चार्जशीट दायर की जा चुकी हैं, जिनमें से तीन पहले दाखिल की जा चुकी थीं।

इस घोटाले में 29 आबकारी अधिकारियों (जिला अधिकारी, सहायक आयुक्त, उप आयुक्त) को आरोपी बनाया गया है, जिनमें कुछ सेवानिवृत्त अधिकारी भी शामिल हैं। ईडी की छत्तीसगढ़ में शराब घोटाले की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है।

'महिलाओं को पिछड़ी परंपराओं से मुक्त करना जरूरी'

पुणे, 18 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि किसी भी देश की प्रगति के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण बेहद जरूरी है और उन्हें पुरानी व पिछड़ी सोच वाली परंपराओं से मुक्त किया जाना चाहिए। वे महाराष्ट्र के सोलापुर में उद्योगवर्धिनी नाम के एक गैर-सरकारी संगठन की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। मोहन भागवत ने कहा, महिलाएं किसी भी समाज का सबसे अहम हिस्सा होती हैं। पुरुष जीवनभर काम करता है, महिला भी जीवनभर काम करती है, लेकिन उससे आगे जाकर वह आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देती है। बच्चों के मन और संस्कार मां के स्नेह में ही विकसित होते हैं। उन्होंने आगे कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल समाज के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे देश के विकास के लिए अनिवार्य है। मोहन भागवत ने कहा, ईश्वर ने महिलाओं को एक अतिरिक्त विशेषता दी है, जिससे वे वह सब कर सकती हैं जो पुरुष नहीं कर पाते। साथ ही, उन्हें पुरुषों के जैसे सभी गुण भी दिए हैं। इसलिए वे पुरुषों के बराबर हर काम कर सकती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पुरुषों को यह सोचना कि वे महिलाओं को ऊपर उठाएंगे, यह एक अहंकार की बात है। ऐसा सोचने की कोई जरूरत नहीं है। महिलाओं को बस स्वतंत्र छोड़ देना चाहिए, उन्हें पिछड़ी परंपराओं से मुक्त करना चाहिए।

'एनआईए के मामलों की सुनवाई के लिए स्पेशल कोर्ट बने'

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कि अगर एनआईए (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) के मामलों की तेज सुनवाई के लिए स्पेशल कोर्ट और अलग इन्फ्रास्ट्रक्चर जरूरी है। जल्द नहीं बनाया गया, तो अदालतें आरोपियों को जमानत देने पर मजबूर होंगी। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने शुक्रवार को कहा, अगर केंद्र और राज्य सरकारें टाइम से सुनवाई के लिए स्पेशल कोर्ट नहीं बनातीं, तो अदालतों के पास अंडरट्रायल आरोपियों को जमानत देने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचेगा।

केंद्र और महाराष्ट्र सरकार को फटकार

> नई अदालतों का निर्माण न होने से सुप्रीम कोर्ट नाराज

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मौजूदा अदालतों को विशेष अदालतें घोषित करने पर केंद्र और महाराष्ट्र सरकार की खिंचाई की और विशेष मामलों की सुनवाई के लिए नई अदालतें नहीं खोलने पर नाराजगी जाहिर की। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने केंद्र और महाराष्ट्र सरकार की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल राजकुमार भास्कर ठाकरे से कहा कि अगर मौजूदा अदालतों में ए न आ ई ए अधिनियम के तहत विशेष मुकदमों के लिए सुनवाई होगी तो वर्षों तक जेल में बंद विचाराधीन कैदियों और हाशिए पर पड़े लोगों, वैवाहिक विवादों के मामलों पर सुनवाई अटकी रहेगी। शीर्ष अदालत ने कहा कि ये समय की मांग है कि अधिक बुनियादी ढांचे का निर्माण किया जाए, न्यायाधीशों और कर्मचारियों की नियुक्ति की जाए और सरकार द्वारा पदों को मंजूरी दी जाए। पीठ ने कहा, अगर अतिरिक्त अदालतें नहीं बनाई गईं, तो अदालतें विशेष कानूनों के तहत दर्ज अभियुक्तों को जमानत देने के लिए मजबूर होंगी क्योंकि मुकदमों के जल्दी निपटारे के लिए कोई प्रभावी तंत्र नहीं है। सर्वोच्च अदालत ने केंद्र और महाराष्ट्र सरकार को एनआईए, मकोका और यूएपीए जैसे विशेष कानूनों के तहत विशेष अदालतों की स्थापना के लिए एक उचित प्रस्ताव तैयार करने का आखिरी मौका दिया है। केंद्र और महाराष्ट्र सरकार को चार हफ्तों बाद इस मामले में अपना जवाब दाखिल करना है।

'आरएसएस और माकपा लोगों के बारे में नहीं सोचती, यही मेरी सबसे बड़ी शिकायत'

कोट्टायम, 18 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और माकपा लोगों के बारे में नहीं सोचते हैं। उन्होंने कहा कि अगर कोई जनता के बारे में नहीं सोचता और उनसे नहीं जुड़ पाता तो वह नेता नहीं बन सकता। शुक्रवार को राहुल गांधी केरल के कोट्टायम में राज्य के पूर्व सीएम ओमान चांडी की दूसरी पुण्यतिथि के कार्यक्रम में शामिल हुए। राहुल गांधी ने कहा कि मेरी संघ और माकपा से वैचारिक लड़ाई है, लेकिन मेरी सबसे बड़ी शिकायत ये है कि ये लोगों के बारे में नहीं सोचते। उनके मन में जनता के लिए कोई भावना नहीं है। राहुल गांधी ने कहा कि मेरी यही सबसे बड़ी शिकायत है कि अगर आप राजनीति में हैं तो लोग क्या सोचते हैं, उसे महसूस करें। उनकी बात सुनें और उन तक पहुंचने की कोशिश करें। लेकिन भारतीय राजनीति की त्रासदी है कि आज बहुत कम लोग हैं, जो असल में दूसरों की भावनाओं का ख्याल रखते हैं।

मेरे बहनोई को 10 साल से परेशान कर रही सरकार

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को केंद्र सरकार पर अपने बहनोई रॉबर्ट वाड्रा को परेशान करने का आरोप लगाया। दरअसल, प्रवर्तन निदेशालय ने हरियाणा के शिकोहपुर में एक जमीन सौदे में कथित अनियमितताओं से जुड़े धन शोधन के एक मामले में रॉबर्ट के खिलाफ आरोप-पत्र दायर किया है। इसे लेकर ही राहुल ने सरकार पर निशाना साधा है। राहुल ने कहा कि अंत में सच्चाई की जीत होगी। उनकी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा और उनका परिवार किसी भी तरह के उत्पीड़न का सामना करेगा। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मेरे बहनोई को पिछले 10 साल से यह सरकार परेशान कर रही है। यह हालिया आरोप-पत्र उसी प्रताड़ना अभियान का एक और हिस्सा है। उन्होंने आगे कहा, मैं रॉबर्ट, प्रियंका और उनके बच्चों के साथ खड़ा हूं, क्योंकि उन्हें दुर्भावनापूर्ण, राजनीतिक रूप से प्रेरित एक और हमला झेलना पड़ रहा है।

'ममता बनर्जी को सिर्फ बंगाली भाषी मुसलमानों की चिंता'

असम सीएम हिमंता बिस्व सरमा का बड़ा आरोप

गुवाहाटी, 18 जुलाई (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने आरोप लगाया है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को सिर्फ बंगाली भाषी मुसलमानों की चिंता है। उन्होंने आगाह किया कि अगर वे मुस्लिम-बंगालियों के लिए असम आती हैं, तो असमिया और हिंदू-बंगाली उन्हें नहीं बख्शेंगे।

गौरतलब है कि बंगाल सीएम ममता बनर्जी ने केंद्र और भाजपा शासित राज्यों की सरकारों पर बंगाली भाषी प्रवासियों को 'अवैध बांग्लादेशी' या 'रोहिंग्या' बताकर निशाना बनाने का आरोप लगाया है।

असमिया और हिंदू बंगाली नहीं बख्शेंगे

तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने भाजपा पर राजनीतिक फायदे के लिए भाषाई पहचान को हथियार बनाने का भी आरोप लगाया है। इन आरोपों पर असम के मुख्यमंत्री और भाजपा नेता हिमंता बिस्व सरमा ने कहा, सवाल यह है कि क्या ममता बनर्जी बंगालियों को पसंद करती हैं या सिर्फ बंगाली भाषी मुसलमानों को। मेरा जवाब सिर्फ बंगाली मुसलमान है। अगर वे बंगाली मुसलमानों के लिए असम आती हैं, तो असमिया और हिंदू-बंगाली उन्हें नहीं बख्शेंगे। सरमा ने सवाल किया कि अगर ममता बनर्जी बंगाली भाषी लोगों की सुरक्षा में रुचि रखती हैं, तो उन्होंने अपने राज्य में नागरिकता (संशोधन) अधिनियम या सीएए क्यों लागू नहीं किया? नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 में, 31 दिसंबर, 2014 से पहले पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफ़गानिस्तान से भारत आए गैर-मुस्लिम प्रवासियों (हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई) को भारतीय नागरिकता देने का प्रावधान है। असम सीएम ने कहा कि बंगाली भाषी हिंदू असमिया समाज में मिलजुलकर रहते हैं और उनकी भाषा, संस्कृति, धर्म आदि की रक्षा की जाती है। उन्होंने कहा, ममता बनर्जी को यह समझना चाहिए कि असम में बंगाली-हिंदुओं की न केवल रक्षा की जाती है, बल्कि उन्हें असमिया समाज में समाहित भी किया गया है।

अमेरिका ने पाक समर्थित टीआरएफ को आतंकी संगठन घोषित किया

> इसने पहलगाम हमले की जिम्मेदारी ली थी

वॉशिंगटन, 18 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका ने पाकिस्तान समर्थित द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) को विदेशी आतंकवादी संगठन (एफटीओ) और विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी (एसडीजीटी) की लिस्ट में डाल दिया है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शुक्रवार को बयान जारी कर इसकी जानकारी दी।

मार्को रुबियो ने बयान में लिखा, लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का एक मुखौटा और प्रॉक्सी, टीआरएफ ने 22 अप्रैल, 2025 को भारत के पहलगाम में हुए हमले की जिम्मेदारी ली थी, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। यह 2008 में मुंबई हमलों के बाद लश्कर का भारत में नागरिकों पर किया गया सबसे घातक हमला था।

टीआरएफ ने भारतीय सुरक्षा बलों पर कई हमलों की जिम्मेदारी भी ली है, जिनमें 2024 का हमला भी शामिल है। अमेरिकी सरकार का यह फैसला राष्ट्रपति ट्रम्प की तरफ से पहलगाम हमले के लिए न्याय दिलाने की कोशिश है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शनिवार, 19 जुलाई, 2025 4

सुविचार: किसी के लिए खुली किताब मत बनो, टाइमपास का दौड़ है, पढ़कर फेंक दिये जाओगे..!

केसीआर ने पलामुरु के साथ आंध्र प्रदेश से भी ज़्यादा अन्याय किया : रेवंत रेड्डी

सीएम ने यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूल की आधारशिला रखी

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने आज आलोचना की कि केसीआर के मुख्यमंत्री बनने के बाद कोल्लापुर और तेलंगाना राज्य में परियोजनाओं के साथ संयुक्त राज्य आंध्र प्रदेश से भी ज़्यादा अन्याय हुआ है। उन्होंने कहा कि अगर पलामुरु के लोगों ने उन्हें स्वीकार किया और उन्हें सांसद बनाया, तो उन्होंने इस क्षेत्र के साथ विश्वासघात किया है। मुख्यमंत्री ने नागर कर्नूल जिले के कोल्लापुर मंडल के जटाप्रोलू में यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूल की आधारशिला रखी। इस अवसर पर रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार सबसे पिछड़े कोल्लापुर क्षेत्र का समर्थन करेगी। रेवंत ने पूछा कि भारत राष्ट्र समिति ने अपने दस साल के शासन में पलामुरु-रंगा रेड्डी लिफ्ट सिंचाई परियोजना को पूरा क्यों नहीं किया और कलवाकुर्थी, नेट्टेमपाडु, बीमा, कोइलसागर, जुराला परियोजनाओं का क्या हुआ? अकेले कालेश्वरम पर 1 लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए। अगर यह 2019 में बना होता, तो 2023 में ही ढह जाता। एक छोटी सी झोपड़ी बनाने वाला भी उसे इस तरह बनाएगा कि वह दस साल तक टिके। संयुक्त ज़िले में सभी सिंचाई परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण पर चाहे कितने भी करोड़ों खर्च किए जाएं, हम विस्थापित लोगों को मुआवज़ा देंगे और इस साल 9 दिसंबर तक ज़मीन का अधिग्रहण कर लेंगे। हमने अगले दो वर्षों में उन परियोजनाओं को पूरा करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने सत्ता में आने के पहले वर्ष में 60 हज़ार से ज़्यादा नौकरियां दीं और कहा कि सत्ता में आने के ढाई साल पूरे होने के उपलक्ष्य में वे कुछ ही महीनों में 40 हज़ार और नौकरियां भरने के लिए अधिसूचनाएं जारी करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के लोगों के साथ न्याय करने के इरादे से उन्होंने थोड़ी देरी की है और कहा कि उन्होंने वादा किया था कि वे अनुसूचित जाति वर्गीकरण के बाद ही नौकरियां देंगे, जबकि उन्होंने अपने वादे के अनुसार अनुसूचित जाति वर्गीकरण लागू किया है। उन्होंने कहा कि बीआरएस शासन के दौरान राज्य को दस साल तक लूटा गया।

उन्हें इस बात पर गुस्सा है कि किसानों, महिलाओं, बेरोज़गारों और छात्रों के साथ धोखा हुआ। लेकिन जैसे ही हम सत्ता में आए, हमने महिलाओं को आरटीसी बसों में मुफ़्त यात्रा दी, 500 रुपये में गैस सिलेंडर दिए, किसानों को किसान आश्वासन लाभ दिया, बेरोज़गारों को 60 हज़ार नौकरियाँ दीं, हमने लोगों के लिए बहुत कुछ किया है।

हम एक करोड़ महिलाओं को करोड़पति बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। सीएम ने कोल्लापुर निर्वाचन क्षेत्र में 2,671 स्वयं सहायता समूहों को 6 करोड़ 33 लाख रुपये के ब्याज मुक्त ऋण चेक वितरित किए। सीएम ने कोल्लापुर निर्वाचन क्षेत्र में 570 स्वयं सहायता समूहों को 41 करोड़ 61 लाख रुपये के बैंक ऋण चेक सौंपे। सीएम ने एक स्वयं सहायता समूह की महिला सदस्य को 20 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा चेक भी सौंपा। सीएम ने एक स्वयं सहायता समूह की महिला सदस्य को 9 लाख 35 हजार 443 रुपये का ऋण बीमा भुगतान चेक सौंपा।

ओआरआर पर सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार सुबह आदिबटला में आउटर रिंग रोड पर एक कार के पीछे से एक ट्रक से टकरा जाने से तीन लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति घायल हो गया। यह दुखद सड़क दुर्घटना पेद्दाअंबरपेट और बोंगुलुरु के बीच, बोंगुलुरु निकास द्वार के पास, पिलर संख्या 108 के पास हुई। पुलिस रिपोर्टों के अनुसार, यह घटना लगभग 3:26 बजे हुई, जब पेद्दाअंबरपेट से बोंगुलुरु की ओर जा रही एक लाल रंग की मारुति बलेनो कार (पंजीकरण संख्या टीएस07एचडब्ल्यू5858) एक लॉरी के पिछले हिस्से से टकरा गई। टक्कर बहुत तेज़ थी, जिससे कार को भारी नुकसान पहुंचा। चार में से तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चौथा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल व्यक्ति को तुरंत इलाज के लिए बीएन रेड्डी नगर के नीलाद्रि अस्पताल ले जाया गया पुलिस ने पुष्टि की है कि मृतक क्षतिग्रस्त वाहन के अंदर फंसे हुए थे। इस बीच, ट्रक घटनास्थल से फरार हो गया और वाहन व उसके चालक की तलाश जारी है। घटनास्थल पर आदिबटला पुलिस स्टेशन के एसएचओ और कर्मचारी, एनडीआरओ और एसीपी इब्राहिमपट्टनम मौजूद थे। घटना की जांच अभी जारी है।

जेडचेरला नगरपालिका अध्यक्ष कांग्रेस में शामिल

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के शुक्रवार को नागर कर्नूल ज़िले के निर्धारित दौरे से पहले एक महत्वपूर्ण घटना घटी। बीआरएस की सदस्य और जडचेरला नगरपालिका अध्यक्ष कोनेटी पुष्पलता सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गईं। पुष्पलता, पार्षद चावा नागराजू, ललिता (भाजपा से) और गुंडा उमादेवी (बीआरएस से) के साथ जुबली हिल्स स्थित मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित एक समारोह में कांग्रेस में शामिल हुईं। रेवंत रेड्डी ने नए सदस्यों को पार्टी का दुपट्टा पहनाकर उनका औपचारिक स्वागत किया। इस कार्यक्रम में जडचेरला विधायक अनिरुद्ध रेड्डी भी शामिल हुए।

राज्यपाल ने पिछड़ा वर्ग आरक्षण अध्यादेश पर कानूनी सलाह मांगी

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने कथित तौर पर पिछड़ा वर्ग आरक्षण अध्यादेश पर कानूनी सलाह मांगी है। पिछड़ा वर्ग आरक्षण विधेयक, जो स्थानीय निकायों में पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण को वर्तमान 29 प्रतिशत से बढ़ाकर 42 प्रतिशत करने का प्रावधान करता है, को 17 मार्च को विधानसभा ने मंजूरी दे दी थी। इसके बाद, इसे अधिनियमन के लिए संसद में भेज दिया गया, हालांकि इस प्रक्रिया में देरी हो सकती है। फिर भी, तेलंगाना उच्च न्यायालय द्वारा 30 सितंबर तक स्थानीय चुनाव कराने के आदेश के बाद, राज्य सरकार इन आरक्षणों से संबंधित एक अध्यादेश लाने के लिए तैयार है। हालांकि पिछड़ा वर्ग आरक्षण विधेयक राज्यपाल को पहले ही सौंप दिया गया है, लेकिन उन्होंने अभी तक अपनी मंजूरी नहीं दी है और वर्तमान में इस मामले पर कानूनी सलाह ले रहे हैं। इस स्थिति को देखते हुए, यह संभव है कि अध्यादेश की मंजूरी में और देरी हो सकती है। प्रस्तावित विधेयक राज्य में कुल आरक्षण को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित 50 प्रतिशत की सीमा से बढ़ाकर 67 प्रतिशत कर देगा। इस आवंटन में पिछड़े वर्गों (बीसी) के लिए 42 प्रतिशत, अनुसूचित जातियों (एससी) के लिए 18 प्रतिशत और अनुसूचित जनजातियों (एसटी) के लिए 10 प्रतिशत शामिल हैं। राज्यपाल वर्तमान में 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा को पार करने के कानूनी निहितार्थों की समीक्षा कर रहे हैं। हालांकि, सर्वोच्च न्यायालय के पिछले फैसले, जिसमें राज्यपालों को एक महीने के भीतर विधेयकों को मंजूरी देने या उन्हें विधानसभा में वापस भेजने का निर्देश दिया गया था, के मद्देनजर राज्यपाल को जल्द ही कोई निर्णय लेना होगा। यदि यह विधेयक राष्ट्रपति के पास भेजा जाता है, तो यह तेलंगाना का तीसरा विधेयक होगा जो राष्ट्रपति भवन में लंबित है। यदि यह विधेयक पारित हो जाता है, तो स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़े वर्गों के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण लागू हो जाएगा।

क्रेन ऑपरेटर की 24वीं मंजिल से गिरकर मौत

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कुकटपल्ली में शुक्रवार को एक बहुमंजिला इमारत के निर्माण स्थल की 24वीं मंजिल से दुर्घटनावश गिरने से एक टावर क्रेन ऑपरेटर की मौत हो गई। पीड़ित की पहचान उत्तर प्रदेश निवासी युवराज पटेल (22) के रूप में हुई है, जो शहर में एक निर्माण कंपनी में क्रेन ऑपरेटर के रूप में काम करता था। जानकारी के अनुसार, यह घटना दोपहर में हुई, जब युवराज अन्य श्रमिकों के साथ इमारत की 24वीं मंजिल पर काम में व्यस्त थे।

निर्माण सामग्री इकट्ठा करते समय, वह अचानक फिसलकर ज़मीन पर गिर पड़ा। उसे गंभीर चोटें आईं और खून बहने लगा, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। कुकटपल्ली पुलिस जांच कर रही है।

रेलमंत्री काचीगुड़ा-जोधपुर नई एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी शनिवार को शाम 5.30 बजे काचीगुड़ा रेलवे स्टेशन से नई एक्सप्रेस ट्रेन हैदराबाद (काचीगुड़ा)-जोधपुर (भगत की कोठी) एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाएंगे। संजय कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। हैदराबाद (काचीगुड़ा)-जोधपुर (भगत की कोठी)-हैदराबाद (काचीगुड़ा) के बीच नई दैनिक ट्रेन सेवा शुरू होने से तेलंगाना, खासकर हैदराबाद शहर में रहने वाले राजस्थानी लोगों के एक बड़े समूह को बहुत लाभ होगा, क्योंकि लंबे समय से एक दैनिक ट्रेन सेवा की मांग की जा रही थी। यह ट्रेन तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और राजस्थान के महत्वपूर्ण स्टेशनों के बीच तेज़, सुरक्षित और आरामदायक ट्रेन यात्रा प्रदान करती है। यह ट्रेन महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और राजस्थान के अन्य प्रमुख शहरों जैसे नांदेड़, वाशिम, उज्जैन, रतलाम, नीमच, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, अजमेर, पाली मारवाड़ आदि के लिए सुविधाजनक यात्रा विकल्प भी प्रदान करती है, जिससे रेल उपयोगकर्ताओं को अपनी यात्रा योजना बनाने का अवसर मिलता है। यह नई दैनिक ट्रेन आरक्षित और अनारक्षित दोनों वर्गों के लोगों की ज़रूरतों को पूरा करती है और हैदराबाद तथा आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले मध्य और उत्तर-पश्चिमी राज्यों के लोगों को अपने गृह नगरों की यात्रा करने में काफ़ी मदद करेगी। यह व्यापारियों, छात्रों, नियमित यात्रा और छुट्टियों में विशेष पर्यटन पर जाने वाले कर्मचारियों के लिए भी फायदेमंद होगी और व्यापार और वाणिज्य के अवसरों को बढ़ाने के अलावा पर्यटन और तीर्थयात्रा को भी बढ़ावा देगी।

घेराबंदी और तलाशी के दौरान तीन संदिग्ध, दो उपद्रवी गिरफ्तार

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। डुंडीगल पुलिस ने गुरुवार रात गंडीमैसम्मा और आसपास के इलाकों में घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया और तीन संदिग्धों और दो बदमाशों को हिरासत में लिया। डीसीपी से लेकर होमगार्ड रैंक के लगभग 230 पुलिसकर्मियों (जिनमें महिला पुलिसकर्मी भी शामिल थीं) ने लगभग 500 घरों की तलाशी ली और 1,985 लोगों की जांच की। जिन लोगों की जांच की गई, उनमें से 1,939 लोग दूसरे राज्यों के थे। तलाशी के दौरान, बिना वैध दस्तावेजों वाले तीन तिपहिया वाहन और दो कारें सत्यापन हेतु ज़ब्त की गईं। नशीले पदार्थों का सेवन करते पाए गए दो व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया। इसके अलावा, 155 शराब की बोतलें ज़ब्त की गईं, यातायात उल्लंघन के 42 मामले दर्ज किए गए और 1 लाख रुपये के लंबित यातायात चालान निपटाए गए। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने निवासियों से बातचीत की और उनकी जरूरतों के बारे में जानकारी ली तथा भारी बारिश के मद्देनजर उन्हें सतर्क किया।

रक्षा राज्य मंत्री ने डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम मिसाइल परिसर का दौरा किया

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने हैदराबाद स्थित डीआरडीओ के डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम मिसाइल परिसर का दौरा किया। आज यहां जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि उन्होंने रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल), अनुसंधान केंद्र इमारत (आरसीआई) और मिसाइल क्लस्टर प्रयोगशालाओं की उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एएसएल) द्वारा संचालित मिसाइल एवं हथियार प्रणाली कार्यक्रम की समीक्षा की। रक्षा राज्य मंत्री ने डीआरडीएल के विभिन्न कार्य केंद्रों- अस्त्र मार्क I और II, ऊर्ध्वाधर रूप से प्रक्षेपित कम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल और स्क्रैमजेट इंजन सुविधाओं का दौरा किया और उन्हें विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (मिसाइल एवं सामरिक प्रणाली) यू राजा बाबू और डीआरडीएल के निदेशक जी ए श्रीनिवास मूर्ति द्वारा परियोजनाओं की स्थिति के बारे में जानकारी दी गई। संजय सेठ ने आरसीआई के विभिन्न महत्वपूर्ण कार्य केंद्रों का भी दौरा किया, जहां आरसीआई के निदेशक अनिंद्य विश्वास ने उन्हें स्वदेशी नेविगेशन/विमानन प्रणालियों, ऑनबोर्ड कंप्यूटर प्रभाग और इमेजिंग इन्फ्रा-रेड सीकर सुविधाओं की प्रगति से अवगत कराया। रक्षा राज्य मंत्री ने अत्याधुनिक हथियार प्रणालियों के निर्माण के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए डीआरडीओ के वैज्ञानिकों की सराहना की। उन्होंने वैज्ञानिक समुदाय से वर्तमान परिदृश्य में किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए सशस्त्र बलों को मजबूत बनाने का आह्वान किया।

बलात्कार और धोखाधड़ी के आरोप में केस

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एक महिला ने मधुरानगर पुलिस से संपर्क कर आरोप लगाया कि एक व्यक्ति ने उससे शादी का वादा करके उसके साथ धोखा किया और बलात्कार किया। पुलिस के अनुसार, सूर्यपेट जिले की 26 वर्षीय महिला (जो नौकरी की तलाश में शहर आई थी) इंस्टाग्राम पर यूसुफगुडा निवासी संदिग्ध श्रीधर कुमार (27) से दोस्ती हो गई।

इसके बाद, उसने उसके सामने शादी का प्रस्ताव रखा, जिसे उसने स्वीकार कर लिया। उसके बाद से, वे कई बार मिले। उसने आरोप लगाया कि उसने शादी का वादा करके कई बार उसका यौन शोषण किया। हाल ही में जब उसने उससे शादी के लिए कहा, तो वह टालमटोल करने लगा और शादी से इनकार कर दिया। श्रीधर ने धमकी दी कि अगर उसने इस बारे में किसी को बताया तो वह उनकी निजी तस्वीरें और वीडियो सार्वजनिक कर देगा। गुरुवार को महिला की शिकायत के आधार पर मधुरानगर पुलिस ने बलात्कार और धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है और संदिग्ध को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

बिहार के बाहर रहने वाले कर सकते हैं मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने का आनलाइन आवेदन

25 जुलाई तक गणना प्रपत्र और आवश्यक दस्तावेज जमा करें

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के अंतर्गत, बिहार के कुल 7,89,69,844 मतदाताओं में से 6,99,92,926 मतदाताओं (88.65 प्रतिशत) के गणना प्रपत्र 24 जून, 2025 तक प्राप्त हो चुके हैं। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 16 जुलाई को जारी प्रेस नोट के अनुसार, इस विशेष गणना पुनरीक्षण में अब तक केवल 6.85 प्रतिशत (54,07,483) मतदाता ही छूटे हैं। उन्हें अपने गणना प्रपत्र जमा करने के लिए 25 जुलाई 2025 तक का समय दिया जाएगा। इनमें से कई मतदाता अस्थायी रूप से बिहार राज्य से बाहर रह रहे हैं। वे अपने गणना प्रपत्र ऑनलाइन या अपने परिवार के सदस्यों (जिनके पास इंटरनेट सुविधा है) की मदद से जमा कर सकते हैं। अब तक 6,47,24,300 (81.96 प्रतिशत) प्रपत्र डिजिटल रूप से भी जमा किए जा चुके हैं। अपडेट की गई मतदाता सूची 1 अगस्त 2025 को जारी की जाएगी। आपत्तियों के निवारण की अंतिम तिथि 1 अगस्त 2025 से 1 सितंबर 2025 तक होगी। बिहार से बाहर अस्थायी रूप से रह रहे मतदाता अपने मोबाइल फोन, वेबसाइट https://voters.eci.gov.in या ईसीआईएनईटी ऐप के माध्यम से अपने प्रपत्र ऑनलाइन जमा कर सकते हैं।

वैकल्पिक रूप से, वे प्रपत्र डाउनलोड कर सकते हैं और हस्ताक्षरित प्रति व्हाट्सएप, ईमेल या अन्य माध्यमों से बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) को भेज सकते हैं या अपने परिवार के सदस्यों के माध्यम से जमा कर सकते हैं। आवास जुड़े केंद्र/राज्य सरकार के कर्मचारियों या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के कर्मचारियों को जारी पहचान पत्र या पीपीओ 1-07-1987 से पहले भारत में सरकारी/स्थानीय निकायों/बैंकों/एलआईसी/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा जारी पहचान पत्र, आधिकारिक रूप से प्रमाणित जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट, किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालय द्वारा जारी शैक्षिक प्रमाण पत्र, आधिकारिक निवास प्रमाण पत्र, वन अधिकार प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, उच्चतर राष्ट्रीय पहचान पत्र, स्थानीय अधिकारियों द्वारा जारी परिवार पहचान पत्र, सरकार द्वारा जारी भूमि या आवास आवंटन प्रमाण पत्र से किसी एक दस्तावेज़ को संलग्न करने से मतदाता का नाम मतदाता सूची में शामिल करने की प्रक्रिया आसान हो जाएगी। यदि दस्तावेज़ अभी उपलब्ध नहीं हैं, तो उन्हें 25 जुलाई 2025 तक या आपत्तियों की अंतिम तिथि (01 अगस्त - 01 सितंबर 2025) के बीच जमा किया जा सकता है।

कार ने महिला पैदल यात्री को कुचला

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। निजामपेट के प्रगति नगर में शुक्रवार दोपहर एक लापरवाही से चलाई जा रही कार ने एक महिला पैदल यात्री को कुचल दिया।

पीड़िता की पहचान मेदक जिले के रामायमपेट निवासी रेणुका (43) के रूप में हुई है। वह दुर्घटना के समय बोनालू मनाने के लिए अपनी बेटी के घर जा रही थी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, रेणुका वीएनआर विज्ञान ज्योति इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के पास व्यस्त सड़क पार कर रही थीं, तभी पहले उन्हें एक मोटरसाइकिल ने टक्कर मारी और फिर एक तेज रफ्तार कार ने उन्हें कुचल दिया।

उसे कई गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बाचुपल्ली पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

वंचितों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए मौका दें : राव

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एन रामचंदर राव ने आज लोगों से अपील की कि वे गरीबों और वंचितों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध पार्टी को एक मौका दें। मेदक में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं की एक बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा प्रमुख ने कहा कि लोगों ने बीआरएस और कांग्रेस पार्टी के शासन का स्वाद चखा है और दोनों के छलपूर्ण व्यवहार के कड़वे अनुभव हैं।

खोखले वादों से लोगों को धोखा देने वाली सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी को सबक सिखाने के लिए आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा का पूरे जोश से समर्थन करने का आग्रह करते हुए, रामचंदर राव ने कहा कि भाजपा पार्टी लोगों से किए गए अपने वादों को कभी नहीं भूलती और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करती है। राव ने कहा कि पार्टी ने शहरी से लेकर ग्रामीण स्तर तक सफलतापूर्वक अपना प्रभाव फैलाया है और राज्य में अपना आधार और मजबूत किया है।

उन्होंने आगे कहा कि पार्टी ने 40 लाख सदस्यों को अपने कार्यकर्ताओं के रूप में नामांकित किया है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि तेलंगाना के लोगों को भाजपा पर पूरा भरोसा है और उम्मीद जताई कि अगले विधानसभा चुनावों में वे पार्टी को जनता की सेवा करने का मौका देंगे। रेवंत रेड्डी सरकार के कामकाज की आलोचना करते हुए राव ने कहा कि विकास कार्य ठप हो गए हैं और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी सिर्फ़ दिल्ली के दौरे तक ही सीमित हैं क्योंकि कांग्रेस पार्टी ने किसानों और छात्रों सहित लोगों के कल्याण की अनदेखी की है और अपनी छह गारंटियों और 420 वादों के साथ सत्ता हथिया ली है, जिन्हें अब तक पूरा नहीं किया गया है। यह आरोप लगाते हुए कि राज्य की कांग्रेस सरकार एक बार फिर पिछड़ी जातियों को 42 प्रतिशत आरक्षण देने के अपने वादे से लोगों को धोखा देने की कोशिश कर रही है, राव ने कहा कि भाजपा ने हमेशा धर्म आधारित आरक्षण का विरोध किया है। हमारी पार्टी आरक्षण के खिलाफ नहीं है, लेकिन पिछड़ी जातियों को आरक्षण देने के नाम पर मुसलमानों को 10 प्रतिशत आरक्षण देना पार्टी को स्वीकार्य नहीं है और इस तरह के फैसले से असली पिछड़ी जाति प्रभावित होगी। एक उदाहरण देते हुए नए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि जीएचएमसी काउंसलर की 50 सीटों में से 35 सीटें मुसलमानों को दे दी गईं, जिससे यादव और गौड़ जैसे असली पिछड़ी जातियों के अधिकारों का हनन हुआ।

उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के साथ-साथ विधानसभा चुनावों में पार्टी की जीत के लिए एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया ताकि पार्टी जनता की सेवा करते हुए सत्ता हासिल कर सके।

मेदक के सांसद रघुनंद राव ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की ताकत हैं और उम्मीद जताई कि अगली बैठक पार्टी अध्यक्ष की अध्यक्षता में मेदक में ही होगी, जिसमें प्रत्येक मंडल से 10 सरपंच और 10 एमपीटीसी सदस्य और मेदक जिला परिषद अध्यक्ष जीत के बाद बैठक में शामिल होंगे। एक दर्जन से अधिक जिला नेताओं ने आगामी चुनावों में भाजपा की जीत के लिए कड़ी मेहनत करने का संकल्प लिया।

अपने कैबिनेट सहयोगियों के फोन कॉल पर कान लगाए बैठे हैं सीएम रेवंत रेड्डी : केटीआर

खम्मम, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर अपने ही कैबिनेट सहयोगियों के फोन टैप करने का आरोप लगाया है और आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री अपने पद को बचाए रखने को लेकर असुरक्षित हैं। उन्होंने रेवंत को चुनौती दी है कि वे अपनी बात साबित करने के लिए लाई डिटेक्टर टेस्ट करवाएं। शुक्रवार को यहां मीडिया को संबोधित करते हुए रामाराव ने दावा किया कि उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी और सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी सहित हजारों अन्य लोगों के फोन मुख्यमंत्री के इशारे पर टैप किए जा रहे हैं।

उन्होंने दिल्ली में जल बंटवारे पर हाल ही में हुई अंतर-राज्यीय बैठक पर रेवंत रेड्डी के बयानों में विसंगतियों की ओर भी इशारा किया। रामाराव ने कहा, रेवंत ने शुरूआत में मीडिया से कहा था कि वह जल शक्ति मंत्रालय की बैठक में शामिल नहीं होंगे, लेकिन वह तुरंत दिल्ली पहुंच गए और उसमें शामिल हुए। बीआरएस नेता ने आरोप लगाया कि रेवंत ने झूठ बोला कि बनकाचेरला परियोजना पर चर्चा नहीं हुई, जबकि आंध्र प्रदेश के जल संसाधन मंत्री निम्माला राम नायुडू ने पुष्टि की कि यह एजेंडा का पहला मुद्दा था।

रामाराव ने रेवंत रेड्डी पर तेलंगाना के हितों से समझौता करने के लिए आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायुडू के साथ एक गुप्त समझौता करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा, चूंकि यह बात सार्वजनिक रूप से उजागर हो गई है, इसलिए रेवंत बीआरएस नेताओं पर निराधार आरोप लगा रहे हैं। बनकाचेरला परियोजना पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार को तेलंगाना के 968 टीएमसी जल का उचित हिस्सा और गोदावरी से 1950 टीएमसी अतिरिक्त जल सुरक्षित करना चाहिए। उन्होंने मांग की कि आंध्र प्रदेश सीताराम, सीताम्मा सागर, कालेश्वरम और सम्मक्का बैराज परियोजनाओं पर अपनी आपत्तियां वापस ले।

पूर्वोत्तर रेलवे
शुद्धि पत्र
Website-www.ner.indianrailways.gov.in
Date: 17-07-2025
निविदा सूचना सं०-34 दिनांक 15-07-2025 के अन्तर्गत मद सं० 2 में निम्न संशोधन जारी किया जाता है:-
मद सं० 2, मद विवरण: निविदा खुलने की तिथि एवं समय, वर्तमान प्रविष्टि: 09-09-2025, 11:30 am., अब पढ़ा जाय: 07-08-2025, 11:30 am.
अन्य सभी नियम एवं शर्तें यथावत रहेंगी।
नोट: उपरोक्त निविदा सूचना को पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाइट www.ner.indianrailways.gov.in एवं भारत सरकार की वेबसाइट www.tenders.gov.in. पर देखा जा सकता है।
प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक, गोरखपुर
मुजाधि / एस-30
गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

लालू प्रसाद यादव को सुप्रीम कोर्ट से झटका

लैंड फॉर जॉब मामले में ट्रायल पर रोक लगाने से इनकार

पटना/नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) प्रमुख लालू प्रसाद यादव को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। लैंड फॉर जॉब मामले में लालू यादव की आरे से दायर याचिका को सुनने से सुप्रीम कोर्ट ने मना कर दिया है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस एन कोटेश्वर सिंह की बेंच ने यह अहम फैसला सुनाया। लालू यादव ने दिल्ली हाई कोर्ट के उस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी, जिसमें हाई कोर्ट ने ट्रायल पर रोक लगाने से मना कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा, 'हम रोक नहीं लगाएंगे। हम अपील खारिज कर देंगे और कहेंगे कि मुख्य मामले का फैसला होने दें। हम इस छोटे मामले को क्यों रखें?' कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि जब हाई कोर्ट पहले से ही इस मामले पर सुनवाई कर रहा है, तो सुप्रीम कोर्ट को इसमें हस्तक्षेप करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

व्यक्तिगत पेशी से छूट, पर ट्रायल जारी रहेगा

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने लालू यादव को थोड़ी राहत देते हुए यह भी कहा कि उन्हें ट्रायल के दौरान व्यक्तिगत रूप से मौजूद रहने की ज़रूरत नहीं है। इसके साथ ही, कोर्ट ने दिल्ली हाई कोर्ट से यह भी कहा कि वह लालू यादव की उस याचिका पर जल्द सुनवाई करे, जिसमें ट्रायल कोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई है। लालू प्रसाद यादव की तरफ से सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने पैरवी की, जबकि सीबीआई की ओर से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू पेश हुए।

'धारा 17ए' पर बहसः अनुमति का पेच

लालू यादव ने ट्रायल पर रोक लगाने की मांग करते हुए दलील दी थी कि सीबीआई ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए के तहत ज़रूरी अनुमति नहीं ली थी। इस धारा के अनुसार, किसी भी सरकारी कर्मचारी के खिलाफ जांच शुरू करने से पहले सरकार से अनुमति लेना अनिवार्य होता है। दिल्ली हाई कोर्ट ने ट्रायल पर रोक लगाने से इनकार करते हुए कहा था कि इस मुद्दे को आरोप तय करते समय उठाया जा सकता है। सुनवाई के दौरान, एएसजी राजू ने तर्क दिया कि इस मामले में धारा 17ए के तहत अनुमति की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि यह मामला 2018 में हुए संशोधन से पहले का है। इस पर सिब्बल ने जोरदार पलटवार करते हुए कहा, 'उनकी उत्सुकता बता रही है। वह 2005 से 2009 तक मंत्री थे। एफआईआर 2021 में दर्ज हुई। बिना अनुमति के जांच शुरू नहीं हो सकती। बाकी सभी सरकारी कर्मचारियों के लिए उन्होंने अनुमति ली है, सिर्फ इनके लिए नहीं।' बेंच ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कहा कि वह इस स्तर पर मामले की गहराई में नहीं जाएगी।

'जमीन के बदले नौकरी' घोटाला?

लालू प्रसाद यादव पर आरोप है कि जब वे केंद्र में रेल मंत्री थे, तब उन्होंने लोगों को रेलवे में नौकरी देने के बदले में उनसे कथित तौर पर जमीन ली थी। सीबीआई इस पूरे मामले की जांच कर रही है। लालू यादव का मुख्य बचाव यही रहा है कि सीबीआई ने उनके खिलाफ जांच शुरू करने से पहले सक्षम प्राधिकारी से कानूनी रूप से आवश्यक अनुमति नहीं ली थी।

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का सीधा मतलब यह है कि लालू प्रसाद यादव को अब इस घोटाले से जुड़े ट्रायल का सामना करना पड़ेगा। यह उनके राजनीतिक और कानूनी करियर के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। अगर वे इस मामले में दोषी पाए जाते हैं, तो उन्हें जेल भी हो सकती है। अब सभी की निगाहें दिल्ली हाई कोर्ट पर टिकी होंगी कि वह लालू यादव की याचिका पर कितनी जल्द सुनवाई करता है और इस मामले का भविष्य क्या मोड़ लेता है।

स्कूली वैन हादसे का शिकार, एक की मौत

15 बच्चों समेत 3 टीचर्स की हालत गंभीर

अमरोहा, 18 जुलाई (एजेंसियां)। जिले के हसनपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया। गजरौला-हसनपुर मार्ग पर स्थित मनौटा गांव के पास एक तेज रफ्तार स्कूल वैन की सामने से आ रही पिकअप गाड़ी से भिड़ंत हो गई, जिसमें एक छात्र की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में 15 छात्र और तीन महिला शिक्षिकाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे के वक्त वैन बच्चों को स्कूल लेकर जा रही थी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वैन के परखच्चे उड़ गए और मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

राहगीरों और स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से वैन में फंसे बच्चों को काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला और हसनपुर सीएचसी पहुंचाया,जहां से घायलों को बेहतर इलाज के लिए अमरोहा हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया 50 हजार का इनामी, दुष्कर्म के बाद कर दी थी बच्ची की हत्या

फर्रुखाबाद, 18 जुलाई (एजेंसियां)। दुष्कर्म के बाद बालिका की हत्या किए जाने के मामले में 50 हजार का इनामी अधेड़ पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। पुलिस उसकी कई दिनों से तलाश में थी। कायमगंज कोतवाली क्षेत्र की बालिका रिश्तेदारी में मोहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र में गई थी। वहां से बालिका को 27 जून की सुबह अगवा कर लिया गया था। उसकी दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई थी। 28 जून की सुबह बालिका का शव जनपद मैनपुरी के भोगांव कोतवाली क्षेत्र के गांव देवीपुर के पास मिला था। इस घटना में गांव पखना निवासी 55 वर्षीय अधेड़ मनू को आरोपित बनाया गया है। पुलिस अधीक्षक आरती सिंह द्वारा मनू पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। उसके बाद पुलिस उप महानिरीक्षक हरीश चंदर द्वारा आरोपित पर घोषित 25 हजार रुपये इनाम को दो गुना कर दिया गया है।

कोल्ड ड्रिंक पीने के बाद एक परिवार के चार बच्चों की हालत बिगड़ी, एक की मौत

पीलीभीत, 18 जुलाई (एजेंसियां)। पीलीभीत में कोल्ड ड्रिंक पीने के कुछ देर बाद जहानाबाद क्षेत्र के गांव निसरा में एक ही परिवार के चार बच्चों की हालत बिगड़ गई। आनन फानन परिजन सभी बच्चों को शहर के निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां कुछ देर बाद एक बच्चे की मौत हो गई, जबकि अन्य का उपचार जारी है।

मामला रात का है। बताया जाता है कि जहानाबाद क्षेत्र के निसरा गांव निवासी गुड्डु और जुम्मा के परिवार के बच्चे गांव की एक दुकान से कोल्ड ड्रिंक खरीदकर लाए थे। कोल्ड ड्रिंक को परिवार की जोया (आठ वर्ष), हसन (नौ वर्ष), अलशिफा (पांच वर्ष) व एक अन्य बच्चे ने पीया था। कुछ ही देर बाद बच्चों के पेट में दर्द शुरू होने के साथ उल्टी होने लगी। इससे परिजन घबरा गए। तुरंत बच्चों को शहर के एक निजी अस्पताल में लाकर भर्ती कराया गया। जहां मासूम जोया की उपचार के दौरान मौत हो गई।

सीएम योगी का तंजः बोले

कांवड़ियों को उपद्रवी कहना गलत

आतंकवादी बोलकर श्रद्धालुओं को किया जाता है अपमानित

वाराणसी, 18 जुलाई (एजेंसियां)। वाराणसी में सीएम योगी ने कहा कि सावन के पावन अवसर पर कांवड़ यात्री भक्ति भावना से चलते हैं। लेकिन यहां दूसरे समुदाय के लोगों द्वारा कांवड़ियों को आतंकवादी बोला जाता है। कांवड़ियों को अपमानित किया जाता है। ऐसा करके विरासत को अपमानित किया जाता है। साथ ही सनातन धर्म की आस्था को अपमानित किया जा रहा है। कांवड़ियों को उपद्रवी कहना गलत है। बिरसा मुंडा की विरासत आदिवासी सशक्तीकरण और राष्ट्रीय आंदोलन के लिए उत्प्रेरक विषय पर केंद्रित एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन वसंत महिला महाविद्यालय में आयोजित किया गया।

संगोष्ठी का उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। दो दिवसीय आयोजन 18-19 जुलाई को वसंत महिला महाविद्यालय एवं भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित हो रहा है। 100 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए जाने हैं। मुख्य वक्ता पद्मश्री अशोक भगत हैं।

आय से अधिक संपत्ति मामले में

जल संसाधन विभाग के कार्यपालक अभियंता को मिली एक वर्ष की जेल

पटना, 18 जुलाई (एजेंसियां)। आय से अधिक संपत्ति के मामले में निगरानी के विशेष न्यायाधीश मोहम्मद रुस्तम की अदालत ने जल संसाधन विभाग के पूर्व कार्यपालक अभियंता को एक वर्ष की सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने उसपर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माने की राशि अदा नहीं करने पर उसे एक माह अतिरिक्त जेल में रहना होगा। सजा पाया दोषी जल संसाधन विभाग के मधुबनी जिला स्थित खुटौना मंडल कार्यालय का पूर्व कार्यपालक अभियंता कामेश्वरनाथ सिंह है।

अदालत ने उसे भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम की धारा 13 के तहत दोषी पाया था। मामले के विशेष लोक अभियोजक कृष्ण मुरारी प्रसाद ने बताया कि 20 फरवरी 2009 को गुप्त सूचना के आधार पर निगरानी टीम ने कार्यपालक अभियंता के वाहन को पटना के न्यू बाईपास रोड पर रोककर तलाशी ली थी। उस दौरान वाहन से आठ लाख 20 हजार रुपये नकद बरामद किए गए थे।

इसके अलावा उनके आवास की तलाशी में भी नकदी एवं अन्य सामान बरामद किए गए थे। जांच में आठ लाख 20 हजार रुपये उनकी आय के सभी ज्ञात स्रोतों से अधिक पाए गए थे। इस मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से दस लोगों ने गवाही दी है।

'हैलो कौन' वाले रितेश पांडेय जन सुराज से जुड़े पूर्व एडीजी जेपी सिंह ने भी थामा पीके का दामन

पटना, 18 जुलाई (एजेंसियां)। भोजपुरी के सुपरस्टार एक्टर और सिंगर रितेश पांडेय शुक्रवार को प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज में शामिल हो गए। हैलो कौन गाने से उन्होंने खूब नाम कमाया था। रितेश पांडेय के साथ हिमाचल प्रदेश के पूर्व एडीजी जय प्रकाश सिंह ने भी वीआरएस लेकर पीके का दामन थामा। इस मौके पर रितेश पांडेय ने कहा कि बिहार के लोगों को मजदूरी करने के लिए मजबूर कर दिया गया है। सिस्टम को बदलने के लिए जो प्रशांत किशोर निकले हैं, हम उनके साथ हैं। इस दौरान रितेश पांडेय ने गाना गाया, हम नया बिहार चाहते हैं... बिहार में ही रोजी रोजगार चाहते हैं... जनता का जन सुराज हो ये चाहते हैं।

दूसरी ओर वीआरएस लेकर जन सुराज से जुड़ने वाले पूर्व आईपीएस अधिकारी जय प्रकाश ने कहा, जिस तरह देश में बदलाव के लिए गांधी जी पैदल चले ठीक उसी तरह प्रशांत किशोर चले, जिससे मैं काफी प्रभावित हुआ। जेपी सिंह ने कहा कि वो प्रशांत किशोर से बहुत पहले जुड़ चुके थे। उन्होंने बिहार की स्थिति के बारे में कहते हुए पीड़ा व्यक्त की। जेपी सिंह ने कहा कि वे देश में महत्वपूर्ण पदों पर रहे। अब लगा कि उन्हें प्रशांत किशोर की इस मुहिम में शामिल होना चाहिए, इसलिए इस्तीफा देकर वे प्रशांत किशोर के साथ आ गए। उन्होंने कहा कि पार्टी जो भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देगी उसे वो पूरी मेहनत और लगन से पूरा करेंगे।

चुनाव आयोग ने तेजस्वी यादव के दावों को किया खारिज

कहा- 'दरभंगा का वीडियो भ्रामक'

पटना, 18 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने दरभंगा में बीजेपी की एक महिला नेत्री पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया गया था। उसे लेकर चुनाव आयोग ने स्पष्टीकरण जारी किया है। आयोग ने वीडियो में लगाए गए सभी आरोपों को निराधार और भ्रामक बताया है। तेजस्वी यादव ने हाल ही में एक वीडियो शेयर करते हुए आरोप लगाया था कि दरभंगा में बीजेपी की महिला जिला अध्यक्ष कविता कुमारी उर्फ सपना भारती एक मतदान केंद्र पर एसआईआर प्रक्रिया को प्रभावित कर रही थीं। उन्होंने दावा किया कि बीएलओ मतदाताओं के घर नहीं जा रहे, बल्कि लोगों को निर्धारित केंद्रों पर बुलाया जा रहा है। इस पूरे मामले को लेकर तेजस्वी यादव ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल खड़े किए।

वीडियो में एक स्थानीय राजनीतिक कार्यकर्ता जमाल हसन को यह कहते सुना गया कि बीजेपी नेता कविता कुमारी मतदाता सूची में हेरफेर करा रही हैं और आम वोटरों को परेशान कर रही हैं। उन्होंने आयोग की भूमिका को संदिग्ध बताया और जांच की मांग की। इस वीडियो और आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए निर्वाचन आयोग ने कहा कि यह वीडियो सच को तोड़-मरोड़कर पेश करने का प्रयास है। बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी की ओर से कराई गई जांच में यह बात सामने आई कि बीजेपी नेत्री कविता कुमारी उस केंद्र पर केवल अपने और अपने परिवार के दस्तावेज जमा कराने गई थीं। उन्होंने नियमानुसार फॉर्म-6 भरा था, जो कि एक वैध प्रक्रिया है।

चुनाव आयोग ने कहा कि कविता कुमारी के खिलाफ किसी भी तरह की अनियमितता या हस्तक्षेप के कोई प्रमाण नहीं मिले हैं। वहीं, बीएलओ पर लगाए गए लापरवाही के आरोप भी गलत पाए गए। आयोग के अनुसार, बीएलओ द्वारा मतदाताओं से संपर्क करने की प्रक्रिया विधिवत चल रही है। जांच रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि वीडियो बनाने वाले जमाल हसन और कविता कुमारी के बीच पहले से राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता है। आयोग का मानना है कि इसी वजह यह वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया गया ताकि माहौल को भ्रामक बनाया जा सके।

आयोग ने सभी राजनीतिक दलों और कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे बिना तथ्यों की पुष्टि किए ऐसे भ्रामक वीडियो न फैलाएं। इससे न केवल चुनावी प्रक्रिया पर अविश्वास फैलता है, बल्कि मतदाताओं में भ्रम की स्थिति भी उत्पन्न होती है।

फेसबुक पर देखा विज्ञापन क्लिक करते ही खाते से उड़े दो लाख रुपये

मेरठ, 18 जुलाई (एजेंसियां)। फेसबुक पर विज्ञापन देख बैंक का एप डाउनलोड करने के दौरान बुजुर्ग फिशिंग हमले का शिकार हो गए। साइबर अपराधियों ने उनके खाते से दो लाख रुपये निकाल लिए। पीड़ित ने साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। नौचंदी थाना क्षेत्र के गढ़ रोड सम्राट पैलेस निवासी 75 वर्षीय ब्रजमोहन का पंजाब नेशनल बैंक में खाता है। 11 जुलाई की रात करीब 12 बजे फेसबुक पर उन्होंने एक विज्ञापन देखा। विज्ञापन पर क्लिक करके उन्होंने पंजाब नेशनल बैंक का एप डाउनलोड किया। इस दौरान साइबर अपराधियों ने उनका मोबाइल हैक कर लिया।

जब वह कुछ समझ पाते साइबर अपराधियों ने उनके बैंक खाते से दो लाख रुपये निकाल लिए। पीड़ित ने पुलिस ने अपनी रकम वापस दिलाने की मांग की है। एसपी क्राइम अवनीश कुमार ने बताया कि आरोपियों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। जिन बैंक खातों में रकम ट्रांसफर हुई है, उनकी जानकारी जुटाई जा रही है।

बिहार पुलिस हाईटेक तरीके से देगी अपराधियों को जवाब

एके-47 के साथ अब ये हथियार हो रहे शामिल

पटना, 18 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में लगातार हो रहे आपराधिक घटनाओं के बीच अब बिहार पुलिस हाईटेक हो रही है। अपराधियों को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए अब बिहार पुलिस की ओर से अत्याधुनिक हथियारों का इस्तेमाल किया जाएगा। जिसके बाद अब बिहार पुलिस के हथियारों में से थ्री-नॉट-थ्री राइफल गायब होने वाले हैं और एके-47 समेत कई अन्य अत्याधुनिक राइफल मौजूद रहेंगे।

जानकारी के मुताबिक, थ्री-नॉट-थ्री राइफल की जगह पहले ही एसएलआर 7.62 एमएम राइफल का इस्तेमाल शुरू हो गया था। तो वहीं, अब छोटे अत्याधुनिक पिस्टल और अन्य ऑटोमैटिक हथियारों को शामिल किया जा रहा है। यानी कि, थ्री-नॉट-थ्री राइफल अब इस्तेमाल से गायब होने वाला है। इसे लेकर अपर पुलिस महानिदेशक (प्रोविजनिंग) अजिताभ कुमार ने जानकारी दी।

जानकारी के मुताबिक, बिहार पुलिस को अब काफी संख्या में ऑटोमैटिक हथियार दिए जा रहे हैं। उन हथियारों में एके-47, 7.62 एमएम असाल्ट राइफल, ब्लॉक पिस्टल, 7.62 एसएलआर राइफल, 5.66 एमएम इंसास और 9 एमएम ऑटो पिस्टल शामिल हैं।

बिहार पुलिस को हाईटेक वाले भारतीय और विदेशी हथियार दिए जा रहे हैं। बिहार पुलिस को जो आदेश दिए गए हैं, उसकी माने तो, अब विधि व्यवस्था या फिर सामान्य गश्ती के लिए बड़े-बड़े हथियार नहीं बल्कि छोटे हथियार दिए जा रहे हैं।

ताकि वो नजर में नहीं आए और अपराधियों का सामना आसानी से किया जाएगा। सेना और केंद्रीय बलों से ट्रेनिंग राइफल मंगाई गई हैं ताकि अच्छे तरीके से निशाना लगाने का अभ्यास हो सके। बिहार के करीब 21 हजार नए सिपाहियों के लिए गोलियों की भी समुचित व्यवस्था की गई है।

डीएम और सीईओ को किया तलब

सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवहेलना; अब पेश करने होंगे फोटो- वीडियो

ग्रेटर नोएडा, 18 जुलाई (एजेंसियां)। ग्रेटर नोएडा में सैनी गांव के दो तालाबों को पुनर्स्थापित करने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवहेलना करने पर सर्वोच्च न्यायालय ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ), जिलाधिकारी गौतमबुद्ध नगर व शार्प इंटरप्राइजेस के प्रबंध निदेशक को तलब किया है। अगली सुनवाई 11 अगस्त को होगी, जिसमें प्राधिकरण, सीईओ और शार्प एंटरप्राइजेज को तालाब के पुनर्स्थापित की फोटो और वीडियो पेश करनी होगी। सैनी गांव के जीतेंद्र सिंह की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई कर रहा है। जीतेंद्र सिंह ने बताया कि वर्ष 2006-07 के करीब गांव की जमीन का अधिग्रहण ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने किया था। गांव में तो तालाब थे एक 10 बीघा के करीब और दूसरा डेढ़ बीघा के करीब। इन तालाबों का भी अधिग्रहण कर लिया था। वहीं, एक कैनाल जो कि मसूरी, छपरौला, सादुल्लापुर, सैनी, तुस्याना से होते हुए तुस्याना के पास स्थित वैटलैंड तक जाती थी। इस सिंचाई और पीने के पानी की सुविधा रहती थी। प्राधिकरण ने बिल्डरों को जमीन बेच दी। बिल्डरों ने दोनों तालाब और कैनाल पर भी निर्माण शुरू कर दिया। वर्ष 2017 में एनजीटी में मामले को लेकर याचिका दायर की थी। एनजीटी ने तालाब को शिफ्ट करने का आदेश दिया। आदेश के खिलाफ वर्ष 2019 में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। दलील रखी कि तालाब को कैसे शिफ्ट किया जा सकता है।

तालाब से गांव की पानी की जरूरत पूरी होती है, पशुओं को पानी उपलब्ध होता, पक्षी निवास करते हैं। शादी के समय रस्म होती है, जिसमें गांव के तालाब से मिट्टी लाई जाती है। तालाब न होने से ग्रामीणों के सामने संकट आ गया। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई कर 2019 में आदेश दिया कि तीन महीने के भीतर तालाब को गांव में ही पुनर्स्थापित किया जाए, लेकिन प्राधिकरण, जिला प्रशासन व शार्प एंटरप्राइजेज ने कोई कार्रवाई नहीं की। बड़े तालाब पर रोड और सीवर का काम बिल्डर ने शुरू कर दिया था, जिसे रुकवाया गया। वहीं, छोटे तालाब के चारों और मिट्टी की दीवार खड़ी कर दी और तालाब को जाने वाले मार्ग को भी बंद कर दिया।

पैर पकड़ता हूं, बख्श दीजिए

बढ़ते अपराध पर बोले पप्पू यादव- बिहार को मरके भी बचाऊंगा

पूर्णिया, 18 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव ने बिहार में लगातार बढ़ रहे क्राइम और पारस अस्पताल गोलीकांड को लेकर बीजेपी और नीतीश सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने बीजेपी को घेरते हुए कहा कि बिहार का सौदा करना बंद कर दीजिए। मैं पैर पकड़ता हूं। ये लोग बिहार के लिए गिद्ध हो गए हैं। बिहार को बख्श दीजिए। इतना ही नहीं उन्होंने कहा कि नीतीश सरकार बीजेपी का शैडो बन कर सरकार चला रही है। मैं पूरे माफियाओं से अकेले लड़ रहा हूं। पप्पू यादव ने कहा कि बिहार में आज की सरकार में लालू यादव से भी कई गुना ज्यादा क्राइम हो रहे हैं। अस्पतालों में दिनदहाड़े गोली चलाकर मरीजों को मार दिया जाता है। उन्होंने कहा कि बिहार में कोई सुरक्षित नहीं है। बीजेपी के नेता और पदाधिकारी दोनों बिहार के क्राइम में इन्वॉल्व होते है। बीजेपी की पार्टी माफियाओं से भरी है।

इस बार के चुनाव में कानून व्यवस्था प्रमुख मुद्दा

पप्पू यादव ने कहा कि फिल्मी स्टाइल में पांच लोग पारस अस्पताल में खुलेआम एक मरीज को मार कर चले जाते हैं, लेकिन सरकार शांत रहती है। उन्होंने कहा कि इस बार चुनाव में कानून व्यवस्था सबसे बड़ा मुद्दा है। राहुल जी ने बिहार को क्राइम कैपिटल कहा है। सांसद ने कहा कि लालू जी का मामला 20 साल पहले था। आज के समय में क्या हो रहा है, किस तरह क्राइम बढ़ रहा है।

पहले का क्राइम अलग था आज का संगठित

निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने कहा कि पहले का क्राइम अलग था और आज का क्राइम अलग है। यह एक संगठित क्राइम है। इस क्राइम में नेता और पदाधिकारी दोनों इन्वालमेंट हैं। उन्होंने कहा कि नेता का किचन और बेडरूम माफिया चला रहा है। उन्होंने कहा कि आज लालू के समय से कई गुना ज्यादा क्राइम है।

नीतीश नहीं बीजेपी चला रही है सरकार

पप्पू यादव ने एक ही नीतीश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बिहार में नीतीश की नहीं बल्कि बीजेपी और इंस्पेक्टर राज की सरकार है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार जी ने कभी सरकार चलाई ही नहीं, वह तो सिर्फ शैडो लोग चला रहे हैं। यादव ने कहा कि बिहार में कोई सुरक्षित नहीं है।

यूपी में चुनाव आयोग के फैसले से सपा को फायदा

अखिलेश यादव ने कर दिया बड़ा दावा

लखनऊ, 18 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव के लिए राज्य निर्वाचन आयोग ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है। बीते दिनों 31 जिलाधिकारियों के साथ की गई बैठक में निर्वाचन आयोग ने कहा है कि एक बूथ पर 1200 से ज्यादा मतदाता न हों ताकि भीड़ की स्थिति पैदा न हो। ऐसे में राज्य में इस बार बूथों की संख्या बढ़नी तय है। निर्वाचन आयोग की इसी तैयारी पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और कन्नौज से सांसद अखिलेश यादव ने प्रतिक्रिया दी है। चुनाव आयोग की तैयारियों के संदर्भ में अखिलेश ने दावा किया कि जितने बूथ बढ़ेंगे, उतनी ही बड़ी जीत पीडीए की होगी। सोशल मीडिया साइट एक्स पर अखिलेश ने लिखा कि पीडीए तैयार है, भाजपा की हार है। जितने बूथ बढ़ेंगे, उतने ही ज़्यादा वोट पड़ेंगे और 90% पीडीए की और भी बड़ी जीत होगी।

19,500 बूथों की संख्या बढ़ेगी

राज्य में अगर एक बूथ पर 1,200 मतदाताओं की नीति अपनाई जाए तो करीब 19,500 बूथों की संख्या बढ़ जाएगी। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में यूपी में 1 लाख 62 हजार 462 बूथों पर मतदान हुआ था। वहीं अगर ताजा मानक के अनुसार बूथों की संख्या देखें तो यह बढ़कर 1 लाख 81 हजार 962 हो सकती है। यूपी में अभी तक 1 बूथ पर 1,500 मतदाता होने का मानक तय था।

राज्य में अभी तक 1 पोलिंग सेंटर के अंतर्गत 3-4 बूथ की व्यवस्था होती है। विधानसभा चुनाव के संदर्भ में देखें तो वर्ष 2022 के चुनाव में राज्य में 15 करोड़ 5 लाख 82 हजार 750 मतदाता थे। वर्ष 2027 के लिए पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मतदाताओं की संख्या बढ़ने की संभावना है।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 19 जुलाई - 2025

भारत का कारोबारी दांव

धीरे-धीरे ही सही लेकिन भारत और चीन के रिश्तों में सुधार हो रहा है। हिंदुओं की आस्था का केंद्र कैलाश मानसरोवर की यात्रा फिर से शुरू हो गई है। जल्द ही सीधी उड़ानें भी शुरू हो सकती हैं। दोनों देशों के बीच वीजा के नए नियमों पर भी विचार हो रहा है। फिर भी सवाल अपनी जगह खडा है कि क्या दोनों देशों के रिश्तों में यह एक बड़ा बदलाव है? तो जवाब है शायद नहीं। क्योंकि चीन, पाकिस्तान की मदद से पीछे नहीं हट रहा है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान चीन ने पाकिस्तान को दोनों हाथों से मदद की। इससे पता चलता है कि उन दोनों देशों की दोस्ती कितनी गहरी है। भारत की दुविधा भारतीय कारोबार के लिए चीन से आने वाले सामान को लेकर है। चीन ने कुछ चीजों पर रोक लगा दी है। जैसे कि दुर्लभ चुंबक। इससे भारतीय उद्योगों पर बरा असर पडना स्वाभाविक है। कुछ चीजों के लिए नए सर्टिफिकेट भी मांगे जा रहे हैं। अब भारत के लिए असल मुद्दा यह है कि मौजूदा सप्लाई चेन की दिक्कतों को दूर कैसे किया जाए। इसे चीन पर ज्यादा निर्भर होने की तरह नहीं समझना चाहिए। दूसरे विकल्प तैयार किए जाएं। अमेरिका भी चीन के साथ कुछ ऐसा ही कर रहा है। चीन को अपना सबसे बड़ा प्रतिद्वंदी माने हुए भी वह अपने उद्योगों के लिए सप्लाई चेन को सुरक्षित करने के लिए चीन से बात करने को तैयार है। जापान और साउथ कोरिया भी चीन के साथ व्यापार में तनाव कम करने के तरीके खोज रहे हैं। सब चाहते हैं कि व्यापार चलता रहे, लेकिन चीन पर बहुत अधिक निर्भर भी ना रहें। सब मानते हैं कि सप्लाई चेन में चीन का दबदबा है। चीन इस ताकत का इस्तेमाल अपने राजनीतिक फायदे के लिए करता है। इसलिए, सब चीन से निपटने की तैयारी भी कर रहे हैं। अगर ट्रंप प्रशासन दुर्लभ चुंबकों (रेयर अर्थ मैग्नेट) के लिए चीन से समझौता कर रहा है, तो भारत को भी अपने फायदे देखने में ही भलाई है। भारत के लिए इसलिए जरूरी है, क्योंकि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर स्थिति पहले से बेहतर हो रही है। सीमा पर सैनिकों की मौजूदगी कम हुई है। आज अगर भारत को सप्लाई चेन में दिक्कत है, तो चीन को भी शिकायतें हैं। चीन की कंपनियों की भारत में कड़ी जांच हो रही है। चीन को अपनी उन कंपनियों की चिंता है जिन्होंने भारत में पहले से निवेश किया हुआ है। गलवान घाटी में झड़प से पहले ये निवेश हुए थे। भारतीय एजेंसियां चीन की कंपनियों की जांच कर रही हैं। भारत ने एलएसी पर शांति को चीन के साथ आर्थिक बातचीत से जोड़ा है। पहले चीन कहता था कि एलएसी पर मतभेद का असर दूसरे क्षेत्रों पर नहीं पड़ना चाहिए। हाल ही में विदेश मंत्री एस जयशंकर चीन गए। इससे पता चलता है कि भारत फिर से बातचीत करने को तैयार है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय संबंधों में कारोबार अब बहुत महत्वपूर्ण है। भारत ने चीन और पाकिस्तान की दोस्ती को अपने रिश्ते से नहीं जोड़ा है। निश्चित रूप से यह एक खतरा है, जिससे भारत को ही निपटना होगा। अभी के लिए, भारत अमेरिका के साथ मिलकर इसे रोकने की कोशिश करेगा। चीन हमेशा अमेरिका के बारे में सोचता रहता है। वह जानना चाहता है कि भारत के अमेरिका के साथ क्या प्लान हैं? क्या भारत, चीन के खिलाफ अमेरिका के साथ मिलकर काम करेगा? भारत भी चीन से पूछता है कि वह पाकिस्तान के साथ क्या कर रहा है? दोनों को पता है कि उनके पास क्या ताकत है।

क्या फिर साथ आएंगे भाजपा और उद्धव ठाकरे?

अशोक भाटिया

महाराष्ट्र में क्या एक बार फिर से सियासत नई करवट लेने वाली है? क्या शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे और भाजपा फिर से साथ आने वाले हैं? यह सब अटकलें इसलिए लगाई जा रही हैं, क्योंकि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के महाराष्ट्र की भाजपा नीत एनडीए सरकार के साथ आने का ऑफर देने के एक दिन बाद गुरुवार को उद्धव ठाकरे की सीएम से मुलाकात हुई है। महाराष्ट्र सीएम और उद्धव ठाकरे के बीच यह मुलाकात लगभग 20 मिनट तक चली। बुधवार को विधान परिषद में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उद्धव ठाकरे को महाराष्ट्र सरकार का हिस्सा बनने का ऑफर दिया था। विधान परिषद में नेता विपक्ष अंबादास दानवे के विदाई समारोह में बोलते हुए फडणवीस ने मजाकिया अंदाज में कहा था कि उद्धव जी, 2029 तक मेरी तो उस तरफ (विपक्ष) आने की संभावना नहीं है, लेकिन अगर आप इधर (सत्ता पक्षा की तरफ) आना चाहें तो रास्ता निकाला जा सकता है। कुछ अलग तरीके से सोचना पड़ेगा। इसके बाद अटकलें लगने लगी थीं कि क्या उद्धव और भाजपा एक बार फिर से साथ आएंगे? हालांकि, पिछले कुछ सालों में शिवसेना (यूबीटी) चीफ ने इन अटकलों को खारिज किया है। हाल ही में दो दशक बाद मराठी भाषा के मुद्दे पर उद्धव और राज ठाकरे साथ दिखाई दिए थे। हालांकि, अभी तक यह साफ नहीं हो सका है कि उद्धव ठाकरे और देवेंद्र फडणवीस के बीच 20 मिनट तक चली यह मुलाकात किस मुद्दे पर हुई। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच क्या बात हुई, लेकिन सीएम द्वारा ऑफर दिए जाने के एक दिन बाद हुई इस मुलाकात के बाद तमाम तरह की अटकलें फिर से लगने लगी हैं।दोनों नेताओं के बीच यह मीटिंग विधान परिषद के सभापति राम शिंदे के कार्यालय में हुई और लगभग 20 मिनट तक दोनों बातचीत करते रहे। इस दौरान, उद्धव के साथ उनके बेटे व पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे भी थे। हालांकि, यह साफ नहीं हुआ है कि इस मुलाकात के पीछे क्या वजह थी। लेकिन एक दिन पहले ऑफर मिलना और दूसरे दिन ही बंद कमरे में मीटिंग का दोनों का 20 मिनट तक मिलना और बात करना, काफी कुछ कहता है। दरअसल, सियासी जानकारों का मानना है कि फडणवीस ने उद्धव को यूं ही गठबंधन में शामिल होने के लिए आमंत्रित नहीं किया है। उनके इस कदम के पीछे निशाना शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे हैं। वे इसके जरिए न सिर्फ उद्धव को वापस एनडीए का हिस्सा बनाना चाहते हैं, बल्कि शिंदे पर दबाव भी बनाना चाहते हैं। साल 2022 में एकनाथ शिंदे ने शिवसेना को तोड़कर दो भागों में बांट दिया था, जिससे उद्धव को तगड़ा झटका लगा। उद्धव महाविकास अघाड़ी के साथ रहे, जबकि एकनाथ शिंदे कई विधायकों के साथ एनडीए के पाले में आ गए और मुख्यमंत्री बन गए। इसके बाद पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव तक एकनाथ शिंदे और फडणवीस के बीच सबकुछ ठीक था, लेकिन जब चुनाव के बाद भाजपा ने शिंदे की जगह वापस फडणवीस को मुख्यमंत्री बनाने का फैसला किया, तो वहीं से शिंदे के नाराज होने की खबरें सामने आने लगीं। मुख्यमंत्री चुने जाने के समय भी शिंदे मुंबई छोड़कर अपने गांव चले गए, जिससे सवाल उठने लगे कि क्या वे नाराज हैं। हालांकि, काफी कोशिशों के बाद शिंदे महाराष्ट्र की एनडीए सरकार में डिप्टी सीएम बनने पर राजी हुए, जिससे फडणवीस मुख्यमंत्री बन सके।

महाराष्ट्र में एनडीए सरकार को बने हुए अभी ज्यादा समय नहीं हुआ है, लेकिन एकनाथ शिंदे की फडणवीस से नाराजगी की बातें कई बार सामने आ चुकी है। फडणवीस ने फरवरी महीने में शिंदे के कार्यकाल में पारित हुए जालना जिले के खारपुडी के 900 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट की जांच के आदेश दे दिए थे। इतना ही नहीं, जब सरकार बनी थी, तब भी फडणवीस ने एसटी महामंडल के लिए 1310 बसों को कॉन्ट्रैक्ट पर लेने के शिंदे के फैसले को रद्द कर दिया था। वहीं, उन्होंने शिंदे सरकार द्वारा शुरू की गई 'आनंदाच शिधा योजना' की समीक्षा करने के भी आदेश दिए थे। माना जाता है कि इन्हीं वजहों से शिंदे और फडणवीस के बीच तल्खी बढ़ती गई और यह समय-समय पर दिखाई भी देती है। हालांकि, इस पूरे विवाद पर फडणवीस ने कभी खुलकर शिंदे के खिलाफ कुछ नहीं कहा और चुप्पी ही बनाए रखी। वहीं, दूसरी ओर जब तक उद्धव ठाकरे और भाजपा एक साथ थे, तब तक फडणवीस और ठाकरे के बीच ऐसी बड़ी तल्खी नहीं देखी गई। फडणवीस के पहले कार्यकाल में भाजपा और शिवसेना ने बिना किसी ज्यादा दिक्कत और विवाद के राज्य में पांच साल सरकार चलाई। राजनीतिक जानकारों की मानें तो यही वजह है कि फडणवीस भी चाहते हैं कि उद्धव ठाकरे वापस एनडीए गठबंधन में आ जाएं। यह कदम न सिर्फ राज्य में एनडीए सरकार को मजबूत करेगा, बल्कि उद्धव के साथ बाला साहेब ठाकरे की विरासत भी साथ आएगी। साथ ही, एकनाथ शिंदे पर भी दबाव बन सकेगा और इसी के चलते माना जा रहा है कि उद्धव ठाकरे को फडणवीस ने साथ आने के लिए कहा है।

बताया जाता है ठाकरे और फडणवीस के बीच बढ़ती नजदीकियों के बारे में अटकलें तेज हो गई हैं, जिससे महायुति गठबंधन के भीतर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट के लिए संभावित खतरा पैदा हो गया है। दोनों नेताओं के बीच चर्चा कथित तौर पर प्रमुख मुद्दों पर केंद्रित थी, जिनमें विधानसभा में विपक्ष के नेता की नियुक्ति और विवादास्पद त्रिभाषा नीति शामिल थी। बैठक के दौरान उद्धव ठाकरे ने फडणवीस को 'हिंदी क्यों थोपी जानी चाहिए?' नामक पुस्तक भेंट की और सुझाव दिया कि मुख्यमंत्री इसे थ्री लैंग्वेज पॉलिसी की समीक्षा के लिए उनके द्वारा गठित समिति के अध्यक्ष नरेंद्र जाधव को सौंप दें। देवेंद्र फडणवीस ने जवाब में पुस्तक को स्वीकार किया, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि विपक्ष के नेता का पद विधानसभा अध्यक्ष के अधिकार क्षेत्र में आता है, जिस पर निर्णय अभी लंबित है। वैसे फडणवीस इस कदम से महायुति गठबंधन के भीतर, विशेष रूप से शिंदे गुट के साथ दरार और गहरी हो गई है। इसे फडणवीस द्वारा शिंदे के प्रभाव को कमजोर करने की रणनीतिक कोशिश के रूप में भी देखा जा रहा है, खासकर तब जब गठबंधन के भीतर सत्ता-साझेदारी और नीतिगत निर्णयों को लेकर तनाव बढ़ रहा है। उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी), जो शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचक रही है, अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए इस अवसर का लाभ उठाती दिख रही है। कुछ जानकार लोगों का मानना है कि उद्धव ठाकरे और देवेंद्र फडणवीस के बीच बढ़ती मित्रता महाराष्ट्र की राजनीतिक में संभावित पाला बदल का संकेत देती है, जिससे शिंदे गुट के लिए चिंताएं बढ़ गई हैं। चूंकि महायुति गठबंधन आंतरिक कलह से जूझ रहा है, दोनों नेताओं की यह बैठक भविष्य की राजनीतिक रणनीतियों को प्रभावित कर सकती है। बता दें कि महायुति गठबंधन में भाजपा के साथ एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शामिल है। पूर्व मुख्यमंत्री शिंदे वर्तमान सरकार में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के डिप्टी के रूप में शामिल हैं। फडणवीस का ये बयान ऐसे वक्त में आया, जब महाराष्ट्र की राजनीति में गठबंधनों और टकरावों का दौर चल रहा है। 2019 के विधानसभा चुनावों के बाद भाजपा और शिवसेना (उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली) के बीच मुख्यमंत्री पद को लेकर मतभेद के कारण गठबंधन टूट गया था, जिसके बाद उद्धव ने महाविकास अघाड़ी (एमवीए) बनाकर सरकार बनाई थी। हालांकि, 2022 में एकनाथ शिंदे के विद्रोह के बाद उद्धव की सरकार गिर गई थी। इसके बाद भाजपा के समर्थन से एकनाथ शिंदे ने सरकार बनाई थी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उद्धव ठाकरे के बीच बंद कमरे में क्या बातचीत हुई, इस बारे में पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने बैठक के बाद प्रेस को संबोधित करते हुए खुलासा किया। उन्होंने बताया, "आज हमने उन्हें एक संकलन दिया कि पहली कक्षा से तीन-भाषा नीति क्यों नहीं होनी चाहिए, जैसा कि कई पत्रकारों और संपादकों ने लिखा है।

धर्मांतरण राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा

राजेश कुमार पासी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जो व्यक्ति अपना धर्म बदलता है वो केवल अपना धर्म नहीं बदलता बल्कि वो अपने समाज और देश से भी कट जाता है । यही कारण है कि सुप्रीम कोर्ट ने धर्मांतरण को देश के लिए बड़ा खतरा बताया था और सरकारों को इसके खिलाफ कदम उठाने को कहा था । धर्मांतरण के बाद व्यक्ति अपना परिवार और अपनी संस्कृति छोड़ देता है, अपना खानपान और पहनावा बदल लेता है । धर्मांतरित मुस्लिम इस्लाम के प्रति अपनी वफादारी साबित करने के लिए आतंकी संगठनों के साथ भी चले जाते हैं । यही कारण है कि धर्मांतरण देश की सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा बनता जा रहा है । दुनिया में कई देश हैं, जहां धर्मांतरण के कारण डेमोग्राफी बदलने से दंगों की आग में जलना पड़ रहा है । बाबा साहब अम्बेडकर ने कहा था कि हिन्दू-मुस्लिम के बीच तनाव के कई कारण हैं जिनके कारण दंगे भी होते हैं । उन्होंने इस्लाम को एक बंद समाज कहा था क्योंकि उनका कहना था कि मुस्लिमों का भाईचारा आपसी होता है. दूसरों को वो काफिर मानते हैं । उन्होंने गौमांस, धर्मांतरण और मस्जिदों के आगे संगीत बजाने को दंगों का बड़ा कारण बताया था ।

उन्होंने कहा था कि जब दोनों समुदाय मिलते हैं तो धर्मांतरण एकतरफा होता है. हिन्दू कभी धर्म परिवर्तन का प्रयास नहीं करते । यही कारण है कि किसी भी मुस्लिम देश में धर्मांतरण विरोधी कानून नहीं है क्योंकि मुस्लिमों की उसकी जरूरत ही नहीं है लेकिन गैर-मुस्लिम देशों की इसकी जरूरत इसलिए पड़ती है क्योंकि मुस्लिम समुदाय पूरी आक्रामकता के साथ धर्मांतरण की कोशिश करता है । ये अजीब बात है कि मुस्लिम बहुल देशों में सभी नागरिकों को धीरे-धीरे मुस्लिम बना दिया जाता है लेकिन जहां मुस्लिम अल्पसंख्यक होते हैं, वहां भी वो धीरे-धीरे बहुसंख्यक समाज को इस्लाम में शामिल कर लेते हैं । इस तरीके से कई देशों को इस्लामिक मुल्क बना दिया गया है और भारत को भी 2047 तक मुस्लिम संगठन इस्लामिक मुल्क बनाने का संकल्प लेकर धर्मांतरण के अभियान में जुटे हुए हैं । ज्यादातर मुस्लिम संगठन दावा करते हैं कि वो धर्मांतरण नहीं करवाते हैं बल्कि लोग अपनी खुशी से इस्लाम धर्म अपनाते हैं । सवाल यह है कि अगर लोगों को अपनी खुशी से इस्लाम अपनाना है तो वो खुद मस्जिद में जायेंगे न कि उनका धर्मांतरण करवाने के लिए करोड़ों रुपये की फंडिंग लानी पड़ेगी और गैंग बनाने पड़ेंगे । वास्तव में धर्मांतरण करवाने के लिए लालच, भय और धोखे का सहारा लिया जाता है । हमारा संविधान अपने धर्म का प्रचार करने का अधिकार देता है और व्यक्ति को अपनी मर्जी से धर्म बदलने का भी अधिकार देता है । दूसरी तरफ यही संविधान कहता है कि किसी भी व्यक्ति को लालच, भय और धोखे से धर्मांतरित नहीं किया जा सकता । वास्तव में हमारे देश में लोगों को धोखा भय और लालच देकर ही धर्मांतरित किया जा रहा है ।

हमारे देश का सेकुलर गैंग यह चिल्लाता है कि देश में भाईचारा बढ़ाने की जरूरत है, इसे खतरे में नहीं डालना चाहिए लेकिन सच्चाई यह है कि अगर आपको मुस्लिमों और ईसाइयों के साथ भाईचारा निभाना है तो उनके धर्म को अपनाना होगा । जब तक आप ऐसा नहीं करते हैं वो आपसे भाईचारा नहीं निभा सकते क्योंकि ये दोनों धर्म दूसरे धर्म को बर्दाश्त नहीं कर सकते । यही कारण था कि मुस्लिम आक्रांताओं ने हिन्दुओं के सामने तीन विकल्प रखे थे । पहला उन्हें धर्म परिवर्तन करके मुस्लिम बनना होगा, दूसरा अगर इस्लाम नहीं अपनाना है तो जजिया कर देना होगा और अगर ये दोनों विकल्प नहीं लिए तो मौत ही आखिरी विकल्प होगा । सेकुलर गैंग कहता है कि अगर मुस्लिम शासकों ने जबरदस्ती धर्म परिवर्तन करवाया था तो हिन्दू कैसे बचे रह गए । वास्तव में हिन्दुओं ने अपना धर्म परिवर्तन करने की जगह जजिया कर चुकाना ज्यादा पसंद किया था । बेइंतहा जुल्म, उत्पीड़न और शोषण के बावजूद हिन्दू अपने धर्म पर अडिग रहे । इसके बावजूद करोड़ों लोगों ने भय और लालच के कारण धर्म परिवर्तन कर लिया और भारत में मुस्लिमों की आबादी इतनी बढ़ गई कि देश का विभाजन करना पड़ा । समस्या यह है कि इसके बाद भी यह जारी है और ये तब तक रुक नहीं सकता जब तक कि पूरे देश को धर्मांतरित न कर दिया जाए । विभाजन के बाद इसको रोका जा सकता था लेकिन हमारे नेताओं पर सेक्युलरिज्म का ऐसा भूत सवार था कि इसको रोकने की कोशिश नहीं की गई । अब ये तब रुकेगा जब देश का एक और विभाजन हो जाएगा । इससे पहले इसके रुकने की उम्मीद दिखाई नहीं देती है। धर्मांतरण करने वाले संगठनों के पास विदेशों से अथाह पैसा आता है जिसका इस्तेमाल ये लोग पुलिस और प्रशासन में बैठे लोगों को खरीदने के लिए करते हैं । इसके कारण पुलिस और प्रशासन न केवल इनके कारनामों की अनदेखी करने लगता है बल्कि इनके खिलाफ उठने वाली आवाजों को दबाने की हर संभव कोशिश करता है । छांगुर बाबा के खिलाफ जिन लोगों ने भी शिकायत की थी पुलिस ने उनके ही खिलाफ फर्जी मुकदमें ठोक दिये । सरकार किसी की भी हो लेकिन इको सिस्टम अभी भी पुराना ही चल रहा है ।

इस्लाम धर्म के अनुसार हर मुस्लिम का प्रथम कर्तव्य है कि वो गैर मुस्लिम को अपने धर्म में लेकर आये क्योंकि एक दिन पूरी दुनिया को इस्लामिक बनाना है। जब तक पूरी दुनिया मुस्लिम नहीं बन जाती तब तक मुस्लिम समुदाय चैन से नहीं बैठ सकता। इस सच को हम माने या न माने लेकिन इससे भाग नहीं सकते । मुस्लिम संगठनों को हिंदुओं और अन्य धर्म के लोगों को मुसलमान बनाने के लिए अरबों रुपये की फंडिंग मिल रही है। यही कारण है कि मुस्लिम युवा लव जिहाद की आड़ में हिंदू लड़कियों को पहले धोखे से बहला उनसे फुसलाकर कर शादी कर लेते हैं और इसके बाद उनका धर्मांतरण करवा देते हैं। इसके बदले उन्हें लाखों रुपये मिलते हैं. दूसरी तरफ अपना धार्मिक कर्तव्य पूरा करने की खुशी भी मिलती है। धर्म परिवर्तन के बाद लड़कियों को गौमांस खिलाया जाता है और कहा जाता है कि इसके बाद ही तुम्हारा धर्मांतरण पूरा होगा । उन्हें मुस्लिम पहनावे और खानपान के लिए मजबूर किया जाता है । छांगुर बाबा के बारे में दावा किया जा रहा है कि उसने 5000 लोगों का धर्मांतरण करवाया था और उसमें से 1500 हिन्दू लड़कियां थी । उसके नेटवर्क को देखते हुए कहा जा सकता है कि वास्तविक संख्या इससे कहीं ज्यादा हो सकती है क्योंकि कई जिलों की बदलती डेमोग्राफी इसकी गवाही देती है। ये और इसके परिवार के सदस्यों ने सेकड़ो अमीर मुस्लिम देशों की यात्रा की थी। धर्मांतरण के काम मे इसके मुख्य सहयोगी वो लोग थे जिनका इसने धर्म परिवर्तन करवाया था। इसने धर्मांतरण के लिए लोगों को ट्रेनिंग देने का बड़ा इंतज़ाम किया हुआ था, इसके लिए कोठियों और बड़े भवनों के तहख़ानों का इस्तेमाल किया जाता था।

दादी-नानी की कहानियों व लोरियों में छिपा है सकारात्मक संदेश

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

पापा की परी या परा हो या दादी-नानी के नाती-पोतें, दादी-नानी की कहानियां या लोरियां आज बीते जमाने की बात हो गई है। दादी-नानी की कहानियां व लोरियों में सकारात्मक संदेश छिपा होता था। यह कोई मनोरंजन का माध्यम ना होकर बच्चों के मानसिक, पारिवारिक व सामाजिक समझ और जिज्ञासु प्रवृति को बढ़ावा देती थी। बच्चों में क्यूरिओसिटी बढ़ाने के साथ ही सार्थक अंत होने से बच्चों को कोई ना कोई संदेश अवश्य मिलता था। यह कोई हमारे देश की ही बात नहीं थी अपितु समूचे विष्व में दादी-नानी की कहानियों व लोरियों से बच्चों को एकाग्रता, जिज्ञासु प्रवृति, सोच व कल्पना शक्ति को बढ़ावा देने के साथ ही संवेदनशीलता और संबंधों की अहमता को समझाने में सहायक होती थी। अब वैश्विक अध्ययनों से यह साफ हो गया है कि इसके नकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। हांलाकि यह जेनरेशन जेड यानी की 1996 से 2010 की पीढ़ी इस तथ्य को अभी समझ नहीं पा रही है पर वैश्विक अध्ययनों ने यह साफ कर दिया है कि हालात यही रहे तो आने वाली पीढ़ी से संवेदनशीलता और अच्छे-बुरे की बात करना कोई मायने नहीं रखेगी। दरअसल आज के बच्चों की दुनिया दादी-नानी की कहानियां या लोरियों के स्थान पर मोबाइल और टीवी स्क्रीन पर खुराफाती, हिंसात्मक, नकारात्मक, नित नए दुश्चक्र रचते और संबंधों को तार तार करते सिरियलों या इसी तरह के एपिसोड़ से दो चार हो रही है। आज के बच्चों में हिंसा, बदले की भावना, ईर्च्छा, मिल बांटने के स्थान पर एकलखोरी और ना जाने कितनी ही नकारात्मकता मोबाइल और टीवी स्क्रीन पर चलने वाले सिरियलों, एपिसोड़ों और प्रसारित होने वाले गेम्स के माध्यम से परोसी जा रही है। इसके परिणाम भी सामने आ रहे हैं। बच्चों में रेवेन्ज की भावना कूट कूट कर भरती जा रही है तो सहनशक्ति तो कोई मायने ही नहीं रखती। रिश्ते तार तार हो रहे हैं यह एक अन्य बात है। जेन जेड़ पीढ़ी की मानसिकता का असर आने वाली पीढ़ी पर दिखाई देने लगी है। जेन जेड बिना काम की प्रतिस्पर्धा में तो आगे हैं पर सामाजिक समरसता की भावना से दूर होती जा रही है। अपने में सिमटती यह पीढ़ी देश और समाज को सकारात्मकता क्या दे पायेगी यह सवालों के घेरे में आने लगा है। दरअसल दादी-नानी की कहानियां भले ही उनमें से कुछ कपोल कल्पना के आधार पर हो या फिर राजारानी की कहानियां हो बच्चों के कोमल मन को एक संदेष देती थी। इसके साथ ही उस जमाने में बच्चों को पढ़ने-पढ़ाने की आदत ड़ाली जाती थी। लाईब्रेरी का कांसेप्ट तो आज बदल ही चुका है। आज लाईब्रेरी का अर्थ किराये के स्थान पर बनी केबिननुमा दढ़बे में अपने घर से ले जाई गई किताबों को रटने तक सीमित हो गया है। मौहल्लों में पांच-सात घरों की दूरी पर ही इस तरह की लाईब्रेरी मिल जाएगी। जबकि एक जमाने में लाईब्रेरी के मायने ज्ञानवर्द्धक पुस्तकें, समाचार पत्र-पत्रिकाएं आदि को वहां बैठकर पढना व आवश्यकता होने पर लाईब्रेरी की सदस्यता प्राप्त कर पुस्तक आदि घर लाकर पढ़ना होता था। आज तो पढ़ने-पढ़ाने की आदत ही समाप्त होती जा रही है। एक समय था जब वार्षिक परीक्षाओं के बाद बारी बारी से दादी-नानी के घर धमाचौकड़ी होती थी। मजे की बात की सभी मिजाज के हम-उम्र बच्चें होने से आपसी तालमेल की शिक्षा भी मिल जाती थी। फिर रात को दादी-नानी के साथ सोने और सोने से पहले कहानियां सुनने का सिलसिला चलता था। इससे कोमल मन को अलग तरह का ही संदेश मिलता था। चंदामामा, चंपक सहित बहुत सी बच्चों की पत्रिकाएं घर में होना और बच्चों के पास होना गौरव की बात माना जाता था। आपस में बांट कर बारी बारी से पढ़ने की होड़ लगती थी। खैर यह बीते जमाने की बात हो गई है। अब तो गुगल गुरु ने लगभग सभी की पढ़ने पढ़ाने की आदत को ही बदल कर रख दिया है। डिजिटल युग के इस दौर में सोशल मीडिया के माध्यम समूचे समाज को बुरी तरह से प्रभावित कर रहे हैं। शहरीकरण के साथ ही संयुक्त परिवार का स्थान एकल परिवार ने ले लिया है तो समय की कमी, अंधी प्रतिस्पर्धा, माता-पिता व परिजनों का लिखने पढ़ने से परहेज, बच्चों को प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी में ही जुटा देने और होमवर्क और ट्यूशन कल्चर पढ़ाई की दशा और दिशा को ही बदल दिया है। कोरोना के बाद तो जिस तरह से मोबाइल को ही अध्ययन का माध्यम बनाया गया उससे भी बच्चे मोबाइल के दास हो गए। अब तो स्कूलों में भी सभी संदेश मोबाइल पर ही देने का चलन चल गया है और इससे स्कूल की डायरी का भी कोई महत्व नहीं रह गया है। ऐसे में मोबाइल ही माध्यम हो जाने से बच्चों का मोबाइल गेम्स से लेकर सोशल मीडिया के माध्यमों द्वारा बालमन को सीधे सीधे प्रभावित किया जा रहा है। मनोविज्ञानियों और शिक्षा-समाज के क्षेत्र में काम कर रहे विशेषज्ञों को दायित्व इससे और अधिक बढ़ गया है।

लोकजीवन के अनगढ़ वैज्ञानिक और कलाकार

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

कुछ लोग किताबों के पन्नों में नहीं, बल्कि ज़िंदगी की हर सांस में अपनी कहानी लिखते हैं। उनके पास न डिग्रियों की शान होती है, न विश्वविद्यालयों की चमक, फिर भी वे समाज को वह अनमोल खजाना देते हैं जो सबसे अनमोल है-दिशा, गहराई और प्रेरणा। ये अनपढ़ ज्ञानी हैं, जिनका ज्ञान खेतों की माटी, जीवन की आग और पीढ़ियों की सीख से रचा होता है। उनका ज्ञान चुपके से बोलता है, मगर उसकी गूंज सदियों तक गूंजती है। ये वो नायक हैं, जो अपने समुदायों को नई राह दिखाते हैं और मानवता को उसकी जड़ों से जोड़े रखते हैं। चाहे वह गांव का हकीम हो, जो जड़ी-बूटियों से जीवन रंगता है, या बंजारा कलाकार, जो अपनी कला से सत्य को उकेरता है, या वह देहाती आविष्कारक, जो खेतों में क्रांति लाकर दुनिया को नई सोच देता है-ये सभी बिना किसी औपचारिक डिग्री के समाज के सितारे हैं।

गांव के किसी सुदूर कोने में, एक सादी-सी झोंपड़ी में बैठा वैद्य, जिसके चेहरे की झुर्रियों में अनुभव की गहरी किताबें और आंखों में नाड़ी की गति पढ़ने की प्राचीन कला बसी हो, वह भले ही किसी मेडिकल कॉलेज की डिग्री से अनजान हो, पर उसका ज्ञान किसी विद्वान से कम नहीं। वह न तो लैब में शोध करता है, न ही स्टेथोस्कोप से दिल की धड़कन टटोलता है, मगर जब वह तुलसी, नीम, गिलोय और अश्वगंधा का काढ़ा तैयार करता है, तो वह सिर्फ शरीर का इलाज नहीं करता-वह रोगी के मन को आशा और सुकून का आलम देता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (2020) के अनुसार, भारत के ग्रामीण इलाकों में आज भी 70-80% लोग आयुर्वेद और पारंपरिक चिकित्सा पर निर्भर हैं। ये वैद्य, जिन्हें औपचारिक डिग्रियां नहीं सजातीं, अपने अनुभव और पीढ़ियों से चली आ रही ज्ञान की धरोहर के बल पर असंख्य परिवारों का सहारा बनते हैं। वे रोगी को महज एक मरीज नहीं मानते—वे उसके दुख, उसकी कहानी और उसकी जरूरतों को दिल से समझते हैं। उनका यह ज्ञान केवल जड़ी-बूटियों का मिश्रण नहीं, बल्कि विश्वास, संवेदना और मानवता का अनमोल संगम है-एक ऐसी विरासत, जो आधुनिक चिकित्सा की चकाचौंध में भी बेमिसाल और दुर्लभ है। खानाबदोश कलाकार, समाज के वो अनमोल रत्न हैं, जो अपनी कला के जादू से ज़िंदगी की गहरी सच्चाइयों को उजागर करते हैं। बिना किसी रंगमंच की शोभा, बिना अभिनय की औपचारिक डिग्री, ये लोकगीत, कठपुतली, नुक्कड़ नाटक या नृत्य के ज़रिए दर्शकों के दिलों को न केवल छूते हैं, बल्कि उन्हें झकझोर कर सोचने पर मजबूर करते हैं। भारत में तमाशा, नौटंकी, भवई और रम्मत जैसी लोक कलाएँ आज भी ग्रामीण और शहरी दिलों को एक सूत्र में पिरोती हैं। यूनेस्को की एक रिपोर्ट (2019) बताती है कि भारत की 300 से अधिक लोक कला परंपराएँ आज भी जीवित हैं, और इनका संरक्षण इन्हीं अनपढ़ कलाकारों की बदौलत है। ये कलाकार अपने गीतों, कहानियों और प्रदर्शनों के ज़रिए जातिवाद, लैंगिक भेदभाव और पर्यावरणीय संकट जैसी सामाजिक बुराइयों पर करारा प्रहार करते हैं। वे समाज का आलोचनात्मक आईना बनकर उसकी कमियों को उजागर करते हैं, और अपनी हल्की-फुल्की मुस्कान के साथ बदलाव की प्रेरणा जगाते हैं।

उनकी कला महज मनोरंजन नहीं, बल्कि एक जीवंत सामाजिक आंदोलन है, जो बिना किसी डिग्री के समाज को नई सोच, नई राह और नई उम्मीद देता है। ग्रामीण वैज्ञानिक, वो अनघट रचनाकार हैं जो खेतों की मिट्टी और खलिहानों की हवा में विज्ञान को साकार करते हैं। भारत, जहाँ 60% से अधिक आबादी कृषि पर निर्भर है, वहाँ ऐसे अनगढ़ नायक उभरते हैं, जो बिना किसी औपचारिक शिक्षा के नवाचार की मशाल जलाते हैं।

द्वापर के ययाति और कलयुग के हम

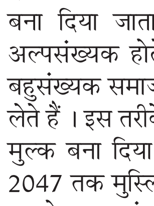

डॉ टी महादेव राव

छोटू। एक कथा सुनाता हूं। आज के परिप्रेक्ष्य में तुम्हें सुनाने का मन हुआ। भैया! कबित बिबेक एक नहिं मोरे। सत्य कहउँ लिखि कागद कोरे छोड़ दिए क्या? अब आपका नया अवतार कथावाचक होने जा रहा है। छोटू! बंदर कितना भी बूढ़ा हो जाए वह उछल कूद नहीं भूलता, ठीक इसी तरह लेखक कभी लिखना नहीं छोड़ता। अब सुनो! राजा नहुष के पुत्र ययाति का विवाह शुक्राचार्य की पुत्री देवयानी से हुआ था। देवयानी की दासी शर्मिष्ठा भी उनके साथ रहती थी। एक बार ययाति ने शर्मिष्ठा के साथ संबंध स्थापित किए, जिससे देवयानी क्रोधित हो गई और शुक्राचार्य ने ययाति को बुढ़ापे का श्राप दे दिया। शुक्राचार्य ने ययाति को यह भी बताया कि यदि कोई उसे अपनी जवानी दे तो वह उसे बदल सकता है। ययाति ने अपने पुत्रों से जवानी मांगी, लेकिन सारे इनकार कर दिये। अंत में, सबसे छोटे पुत्र पुरु ने अपनी जवानी ययाति को दे दी। ययाति ने युवावस्था का आनंद लिया, लेकिन फिर भी तृष्णा शांत नहीं हुई। अंततः, ययाति को अपनी गलतियों का एहसास हुआ और उन्होंने पुरु को उसकी जवानी वापस लौटा दी और स्वयं वन में तपस्या करने चले गए। हमें यह सीख मिलती है कि इच्छाएं कभी न खत्म होने वाली होती हैं और भोग से तृष्णा शांत नहीं होती है। हमें अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण रखना चाहिए और संयम का पालन करना चाहिए। इति श्री भरतखण्डे ययाति कथा समाप्तम। भैया। यह कहानी आप ही ने बहुत पहले पढ़वाई थी। क्या मुझ में आपको ययाति के गुण तो दिखाई नहीं दे रहे? न। वर्णाश्रमों की जो विवरण हमारे पुराण ग्रंथों में मिलता है। हिन्दू धर्म में सामाजिक और आध्यात्मिक जीवन की एक प्रणाली है, जिसमें समाज और जीवन को चार आश्रमों ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास में विभाजित किया गया है। यह व्यवस्था व्यक्ति के जीवन के लक्ष्यों और सामाजिक संतुलन को निर्धारित करती है। भैया! प्रवचन तक ठीक है लेकिन इसका आज के भारत के परिप्रेक्ष्य में क्या औचित्य है? लोग बाग मां बाप को छोड़ रहे हैं। मोह माया से खुद को जोड़ रहे हैं। अधिक हुआ तो सबका ध्यान हत्याओं की ओर मोड रहे हैं। भोग लालसा से लिप्त हैं। अपने स्वार्थ में तृप्त हैं। ऐसे में ययाति की कथा? इस बीच तुमने दिमाग का इस्तेमाल शायद बंद कर दिया है। खैर। छोटू! ऐसा है कि आया है सो जायेगा राज रंक फ़क़ीर एक सिंहासन चढ़ी चले एक जात ज़ंजीर। भैया! अब आपके इशारे समझ में आ गए। यह उनके लिए हैं जो कानून बनाते हैं दूसरों के लिए लेकिन खुद अमल नहीं करते इस अमृतकाल में। वानप्रस्थ के बाद संन्यासाश्रम में जाना छोड़कर ययाति की तरह लेकिन कुछ अलग सत्ता लिप्सा, कुर्सी कामना, प्रचार प्रेम, अमृतकाल में अमरत्व जैसी आकांक्षाओं के कैदी हैं, जो गद्दी छोड़ना नहीं चाहते और बस अनंतकाल तक बने रहने कीलालसा में डूबे हैं।

कठिन चढ़ाई...फिसलन भरा रास्ता आसान नहीं इस शिव मंदिर तक पहुंचना

मध्य प्रदेश के खरगोन जिले के घने जंगलों और ऊंचे पहाड़ों के बीच एक ऐसा शिवधाम है, जो रामायण कालीन होकर लंकाधिपति राजा रावण से जुड़ा है। यह स्थान सीरवेल महादेव के नाम से प्रसिद्ध है। मान्यता है कि यहीं पर रावण ने भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए अपने दसों सिर अर्पित किए थे। तभी से इस जगह को सीरवेल यानी 'सिर अर्पण की भूमि' कहा जाता है। सीरवेल महादेव मंदिर खरगोन जिले की भगवानपुरा तहसील के सिरवेल गांव में सतपुड़ा पर्वत की ऊंची चोटी पर स्थित है। यह स्थान महाराष्ट्र सीमा के करीब होने के कारण यहां महाराष्ट्र और गुजरात से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं।

मंदिर एक विशाल गुफा के भीतर स्थित है, जहां प्राकृतिक रूप से बने शिवलिंग की पूजा होती है। मान्यता है कि यह शिवलिंग रामायण काल से अस्तित्व में है और रावण ने यहीं घोर तपस्या कर भगवान शिव को प्रसन्न किया था। श्रद्धालुओं को गुफा तक पहुंचने के लिए सतपुड़ा की कठिन चढ़ाई चढ़नी पड़ती है, जिसमें 13 झरनों को पार करना होता है। रास्ता संकरा, फिसलन भरा और एकांगी है, यानी जो रास्ता ऊपर चढ़ने के लिए है, उसी से वापस भी उतरना होता है। अंत में लोहे की सीढ़ी के सहारे भक्त गुफा तक पहुंचते हैं लेकिन यह रास्ता जितना कठिन है उतना ही रोमांचक भी है। शिवभक्ति की भावना श्रद्धालुओं को यहां खींच लाती है।

प्राकृतिक बूंदों से होता है अभिषेक

गुफा के अंदर स्थित शिवलिंग पर हर समय प्राकृतिक रूप से पानी की बूंदें पहाड़ों से गिरती रहती हैं, जिसे भक्त चमत्कार मानते हैं। गुफा में पार्वती माता, नंदी और हनुमान जी की प्रतिमाएं भी विराजमान हैं। यहां एक गहरा देव कुंड भी है, जिसका जल पवित्र माना जाता है। मान्यता है कि रावण ने यहीं अपने शीश चढ़ाकर महादेव को प्रसन्न किया था और वरदान प्राप्त कर 9 ग्रहों को साथ ले जाकर लंका में स्थापित किया था। भक्तों का कहना है कि यहां दर्शन मात्र से पापों का नाश और रोगों से मुक्ति मिलती है।

रावण ने यहीं काटे थे अपने सिर!

आत्मिक शांति का अनुभव

महंत संतोषदास महाराज यहां कई वर्षों से ध्यान, पूजा और मंदिर की सेवा कर रहे हैं। उनका मानना है कि यह स्थान शिव की शक्ति का जीवंत प्रमाण है और यहां हर किसी को आकर आत्मिक शांति का अनुभव होता है। रावण ने इसी स्थान पर अपने दसों सिर अर्पित किए थे और भोलेनाथ को प्रसन्न किया था। तपस्या से प्रसन्न होकर शिव ने रावण को दर्शन दिए थे। यह शिवलिंग रावण द्वारा स्थापित है।

सावन मास में होते हैं आयोजन

सावन के पावन माह में यहां कई विशेष आयोजन होते हैं। मंदिर को सजाया जाता है, शिवलिंग पर रुद्राभिषेक होता है, महा आरती होती है और अखंड जाप चलता है। यह स्थान ट्रेकिंग करने वालों के लिए भी प्रसिद्ध है। चारों हरियाली से ढकी पहाड़ियां, कल-कल बहते झरने और घने जंगल हर किसी को आकर्षित करते हैं, इसलिए श्रावण मास में यह स्थान हजारों श्रद्धालुओं और पर्यटकों का प्रमुख आकर्षण बन जाता है।

परिवार माताओं-बहनों के लिए बहुत बड़ा संरक्षक है

भारत की परिवार-व्यवस्था पर दुनिया के कई देश और हमारे देश में भी कई लोग बहुत सोच-समझकर आक्रमण कर रहे हैं। उनका लक्ष्य हमारी माताएं-बहनें हैं। पश्चिम में स्त्री को जो स्वतंत्रता दी गई, उसकी तुलना भारत की माताओं-बहनों के पारिवारिक जीवन से की जाती है।

जबकि पश्चिम में स्त्रियों को जितनी स्वतंत्रता दी गई, उतना उनका शोषण भी किया गया। हमारे देश में परिवार माताओं-बहनों के लिए बहुत बड़ा संरक्षक है। कुछ लोग हमारे परिवारों में बेटा-बेटी, पति-पत्नी, माता-पिता, भाई-बहन- इन रिश्तों के बीच जेंडर-प्रॉब्लम डाल रहे हैं।

जबकि भारतीय पारिवारिक परम्परा में सीता जी को इतनी स्वतंत्रता थी कि वे स्वयं निर्णय लें वनवास जाएं या न जाएं। रुकमणी जी को बोलने की खूब स्वतंत्रता थी। हमें सावधान रहना चाहिए। माताओं-बहनों को बहकाया जा रहा है कि परिवार-व्यवस्था उन पर अंकुश है। और इसीलिए कुछ माताएं-बहनें स्वतंत्रता को स्वच्छंदता में बदल रही हैं। आधुनिकता के नाम पर हो रहे आक्रमण से सावधान हो जाइए।

अगर बिना शुद्धि के छू दिया कांवड़ तो गंगाजल हो जाएगा अपवित्र

सावन का महीना जैसे ही नजदीक आता है, हर ओर शिव भक्ति का माहौल बनने लगता है। ढोल-नगाड़ों के साथ, "हर-हर महादेव" और "बम-बम भोले" की गूंज सुनाई देने लगती है। लाखों शिव भक्त कांवड़ लेकर पवित्र नदियों से गंगाजल भरकर शिवलिंग पर चढ़ाने के लिए निकल पड़ते हैं। यह यात्रा न सिर्फ आस्था का प्रतीक है, बल्कि अनुशासन, शुद्धता और समर्पण की मिसाल भी है।

कांवड़ यात्रा 2025 की शुरुआत 11 जुलाई से शुरू हो चुकी है। यात्रा सावन शिवरात्रि यानी 23 जुलाई तक चलेगी। हालांकि, कई राज्यों में यह पूरे सावन महीने तक जारी रहती है। यह परंपरा हजारों साल पुरानी मानी जाती है, जिसे भगवान परशुराम ने शुरू किया था। मान्यता है कि इस यात्रा से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करते हैं। लेकिन अगर कुछ जरूरी नियमों को नजरअंदाज किया जाए, तो पूरी यात्रा व्यर्थ भी हो सकती है।

हर भक्त को जानने चाहिए ये 10 जरूरी नियम

कांवड़ को ज़मीन पर रखने की गलती न करें

गंगाजल से भरी कांवड़ बेहद पवित्र मानी जाती है। इसे कभी भी ज़मीन पर नहीं रखना चाहिए। अगर रुकना हो, तो इसे किसी साफ लकड़ी के स्टैंड पर रखें या पेड़ पर टांग दें। अगर गलती से कांवड़ ज़मीन को छू जाए, तो उसे अपवित्र मानकर नया जल भरना पड़ता है।

कांवड़ उठाने से पहले रहें पूरी तरह शुद्ध

इस यात्रा की शुरुआत से पहले खुद को अंदर से भी साफ करना जरूरी है। बुरे विचार, गुस्सा या जलन जैसे भाव आपके भीतर नहीं होने चाहिए।

मांस-मदिरा से पूरी तरह दूरी बनाएं

सावन और खासकर कांवड़ यात्रा के दौरान मांस, शराब, सिगरेट, तंबाकू और लहसुन-प्याज जैसी चीज़ों का सेवन वर्जित है। यह शिवभक्ति के खिलाफ माना जाता है।

साफ-सफाई का रखें खास ध्यान

हर रोज़ नहाएं और साफ कपड़े पहनें। शौच या किसी भी अपवित्र कार्य के बाद बिना नहाए कांवड़ को न छुएं।

चमड़े की वस्तुएं न करें इस्तेमाल

चमड़े से बनी बेल्ट, जूते या पर्स जैसी चीज़ों से दूरी बनाए रखें। इन्हें अपवित्र माना जाता है और यह कांवड़ यात्रा की भावना के खिलाफ हैं।

पहनें केसरिया कपड़े

ज्यादातर कांवड़िए भगवा रंग के कपड़े पहनते हैं। यह त्याग, सेवा और भक्ति का प्रतीक माना जाता है। इससे मन और शरीर दोनों शिवभक्ति में लगते हैं।

यात्रा में सिर्फ शिव नाम का ही जाप करें

कांवड़ यात्रा के दौरान "हर-हर महादेव", "बम-बम भोले" जैसे मंत्रों का जाप करते रहें। इससे ऊर्जा बनी रहती है और मन स्थिर रहता है।

डाक कांवड़ का पालन है कठिन लेकिन विशेष

डाक कांवड़ में गंगाजल भरने के बाद बिना रुके सीधा शिवलिंग पर जल चढ़ाया जाता है। इसे सबसे कठिन लेकिन पुण्यदायक रूप माना जाता है।

पर्यावरण का रखें पूरा ध्यान

यात्रा के दौरान प्लास्टिक का इस्तेमाल न करें, कचरा इधर-उधर न फेंकें। पुनः उपयोग वाली बोतलें और थैले इस्तेमाल करें। याद रखें, शिव का दूसरा नाम ही प्रकृति है।

अयोध्या के हनुमानगढ़ी में सच में विराजमान हैं पवन पुत्र हनुमान

सप्तपुरियों में से एक अयोध्या को कई नामों से जाना जाता है। कोई इसे प्रभु राम की नगरी कहता है तो कोई इसे मंदिरों और मूर्तियों की नगरी के नाम से जानता है।वैसे तो यहां कई प्राचीन मठ और मंदिर हैं जो हमेशा चर्चा में रहते हैं। इन्हीं में से एक है अयोध्या का प्राचीन सिद्ध पीठ हनुमानगढ़ी मंदिर, जहां मान्यता है कि पवन पुत्र हनुमान खुद विराजमान हैं। देश के कोने-कोने से श्रद्धालु यहां पहुंचकर पहले पवन पुत्र का दर्शन करते हैं और फिर राम मंदिर में जाते हैं। आज हम आपको इस रिपोर्ट में बताएंगे कि क्या सिद्ध पीठ हनुमानगढ़ी में सच में पवन पुत्र विराजमान हैं? क्या हनुमान जी पुजारी को साक्षात दर्शन देते हैं? यही रहस्य जानने के लिए हम चलेंगे हनुमानगढ़ी और जानेंगे पूरी हकीकत।

दरअसल, अयोध्या का प्राचीन सिद्ध पीठ मंदिर हनुमानगढ़ी है। कहा जाता है कि यह वही जगह है जिसे प्रभु राम ने लंका से लौटने के बाद पवन पुत्र हनुमान को रहने के लिए दी थी। हनुमानगढ़ी मंदिर की स्थापना भी कई वर्ष पुरानी मानी जाती है। माना जाता है कि अगर आप अयोध्या आते हैं तो प्रभु राम के दर्शन से पहले पवन पुत्र से आज्ञा लेना होता है। इतना ही नहीं, मान्यता है कि यहां पर एक गुप्त पूजा होती है और उस गुप्त पूजा में साक्षात पवन पुत्र हनुमान दर्शन भी देते हैं।

हर दिन होती है गुप्त पूजा

हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास बताते हैं कि हनुमानगढ़ी में साक्षात पवन पुत्र हनुमान विराजमान हैं और यहां के राजा भी हैं। हनुमानगढ़ी के चार पट्टी के एक-एक पुजारी सुबह भोर में हनुमान जी महाराज की गुप्त पूजा करते हैं और उस दौरान हनुमान जी महाराज साक्षात दर्शन भी देते हैं। यानी कि सिद्ध पीठ हनुमानगढ़ी में साक्षात पवन पुत्र विराजमान हैं। खास बात यह है कि इस मंदिर में हनुमान जी महाराज आगे और पीछे प्रभु राम हैं। हनुमान जी महाराज माता अंजनी की गोद में विराजमान हैं। मान्यता के अनुसार, यहां दर्शन करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

खास है अयोध्या का ये मंदिर

महंत राजू दास ने बताया कि सिद्ध पीठ हनुमानगढ़ी में साक्षात प्रभु हनुमान का वास है। यहां दर्शन मात्र करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। हनुमान जी महाराज बल, बुद्धि और विद्या के देवता माने जाते हैं और सभी तरह के कष्टों को हर लेते हैं। यहां पवन पुत्र हनुमान राजा के रूप में विराजमान हैं। दुनिया में कहीं भी हनुमान जी राम जी के चरणों में दिखते हैं, लेकिन यहां हनुमान जी माता अंजनी की गोद में हैं और पीछे प्रभु राम हैं। माता सीता ने पवन पुत्र को भी आशीर्वाद दिया था।

बांस का पौधा घर की सही दिशा में लगाएं

बांस का पौधा घर में इस स्थान पर रखें

वास्तुशास्त्र के अनुसार, बांस का पौधा घर में सही दिशा में लगाना बहुत फलदायी होता है। माना जाता है कि इसे घर में ड्राइंग रूम या लिविंग रूम में रखा जा सकता है। ऐसा करने से परिवार के सदस्यों के बीच प्रेम बना रहता है और गृह क्लेश से भी निजात मिलती है। अगर आप सही स्थान पर बांस का पौधा रखते हैं, तो इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होने लगता है और जीवन में सुख-शांति बनी रहती है। यह पौधा आपके भाग्य को भी बदल सकता है और परिवार के सदस्यों के जीवन में खुशहाली दस्तक देने लगती है।

बांस का पौधा घर की इस दिशा में लगाएं

माना जाता है कि बांस के पौधे को हमेशा सही दिशा में ही लगाना चाहिए। ऐसा करने से व्यक्ति को घर की कई समस्याओं से निजात मिल सकती है। वास्तु शास्त्र के मुताबिक, बांस का पौधा घर या ऑफिस में पूर्व दिशा में लगाना सबसे उत्तम होता है। इसके अलावा, आप उत्तर दिशा में भी बांस का पौधा लगा सकते हैं। अगर आप लंबे समय से पैसों की तंगी का सामना कर रहे हैं, तो एक बार बांस का पौधा घर पर जरूर लगाकर देखें। ऐसा करने से घर की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है और धन-संपत्ति में वृद्धि होने लगती है।

बांस का पौधा लगाने के वास्तु नियम

वास्तु के अनुसार, गलती से भी बांस के पौधे को बाथरूम या टॉयलेट के पास नहीं रखना चाहिए। इसके अलावा, किचन में भी इस प्लांट को लगाने की मनाही होती है। बांस का पौधा कभी भी गंदे स्थान पर नहीं रखना चाहिए। ऐसा करने से शुभ फल की प्राप्ति नहीं होती है। साथ ही, पौधे के पानी को समय-समय पर बदलते रहना चाहिए। मान्यता है कि घर या ऑफिस में लाल रिबन से बंधा हुआ बांस का पौधा रखने से जीवन में उन्नति के नए मार्ग खुलने लगते हैं।

बुध ग्रह को प्रसन्न करने के लिए करें हरे वस्त्रों का अर्पण

बुध ग्रह को बुद्धि, वाणी, व्यापार, तर्कशक्ति और शिक्षा का कारक माना जाता है। अगर कुंडली में बुध कमजोर हो तो व्यक्ति को बोलचाल में दिक्कत, निर्णय में भ्रम, पढ़ाई में बाधा और व्यापार में नुकसान जैसे कई संकटों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में ज्योतिषशास्त्र में एक बेहद आसान और प्रभावी उपाय बताया गया है- बुध अर्पण इस विशेष अनुष्ठान में हरे रंग के वस्त्र, हरी चीजें या हरे पत्तों से बने प्रसाद को बुध देव को समर्पित किया जाता है ताकि उनकी कृपा बनी रहे और जीवन में सफलता मिले।

बुध अर्पण क्या होता है?

बुध अर्पण का मतलब होता है बुध ग्रह को प्रसन्न करने के लिए उन्हें विशेष चीजें चढ़ाना। ज्योतिष में हर ग्रह के लिए कुछ विशेष रंग, वस्त्र और सामग्री निर्धारित होती है। बुध ग्रह के लिए हरा रंग सबसे शुभ माना गया है। इसलिए बुध को प्रसन्न करने के लिए हरे वस्त्र, हरी मूंग, हरे फल, हरी सब्जियां और हरे पत्तों से बनी चीजें चढ़ाई जाती हैं।

बुध ग्रह को कब और कैसे करें अर्पण?

बुध को अर्पित की जाने वाली चीजें

हरे वस्त्र- हरे रंग का कपड़ा या रुमाल बुध को समर्पित करें। चाहें तो किसी गरीब को हरे कपड़े दान भी कर सकते हैं।

हरी मूंग- हरी मूंग बुध की प्रिय वस्तु है। इसे एक कटोरी में भरकर बुध देव के सामने रखें।

तुलसी के पत्ते- पवित्रता और शुद्धता के प्रतीक तुलसी पत्र का उपयोग करना शुभ होता है।

दूध से बनी मिठाई- बुध को मीठा पसंद है। दूध या मावे से बनी हरी मिठाई चढ़ाएं।

बेलपत्र या दूर्वा घास- शिवलिंग पर चढ़ाएं, क्योंकि बुध को शिव का आशीर्वाद प्राप्त है।

हरे फल- जैसे कि अमरूद, हरा सेब, कच्चा केला आदि।

धूप और दीपक- गाय के घी से दीपक जलाकर और हरी अगरबत्ती से पूजन करें।

बुध अर्पण विधि

सुबह स्नान करके स्वच्छ हरे वस्त्र पहनें।

पूजन स्थल को साफ करके वहां हरे रंग का वस्त्र बिछाएं।

बुध देव की मूर्ति या तस्वीर रखें, नहीं हो तो शिवलिंग के रूप में पूजा करें।

अब दीपक जलाएं, अगरबत्ती करें और ॐ बुधाय नमः मंत्र का 108 बार जाप करें।

एक थाली में हरे कपड़े, हरी मूंग, तुलसी, फल और मिठाई रखें और समर्पित करें।

अंत में पूजन के बाद प्रसाद को परिवार में बांटे और कुछ अंश गाय, पक्षियों या गरीब को दें।

बुध अर्पण से होने वाले लाभ

वाणी में मिठास आती है और बातचीत में प्रभाव बढ़ता है। निर्णय शक्ति बेहतर होती है, जिससे करियर में सफलता मिलती है। छात्रों की पढ़ाई में एकाग्रता बढ़ती है। व्यापार में बढ़ोतरी होती है और घाटे से मुक्ति मिलती है। मानसिक शांति और तर्कशक्ति मजबूत होती है। कुंडली में कमजोर बुध ग्रह मजबूत होता है और शुभ फल देने लगता है।

किन लोगों को जरूर करना चाहिए बुध अर्पण?

जिनकी कुंडली में बुध नीच का हो या अशुभ भाव में हो। जिन्हें बार-बार व्यापार में घाटा हो रहा हो। जिन बच्चों को पढ़ाई में ध्यान न लगता हो। जिनकी वाणी से दूसरों को बार-बार ठेस पहुंचती हो। जिनकी त्वचा या नर्वस सिस्टम से जुड़ी समस्याएं चल रही हों।

कुछ जरूरी सावधानियां

बुधवार को नमक और खट्टी चीजें न खाएं। व्रत रखें तो सिर्फ फलाहार लें। बुधवार को झूठ न बोलें, धोखा न दें और ज्यादा गुस्सा न करें। हो सके तो इस दिन हरियाली बचाने या वृक्षारोपण का संकल्प लें।

बुध अर्पण एक सरल लेकिन बेहद प्रभावशाली उपाय है, जो बुध ग्रह की अनुकम्पा पाने के लिए किया जाता है। अगर आप जीवन में बुद्धि, संवाद, व्यापार या पढ़ाई से जुड़ी समस्याओं का सामना कर रहे हैं, तो हर बुधवार को हरे वस्त्रों और हरी चीजों का अर्पण जरूर करें।

सावन में शिवलिंग पर क्यों चढ़ाते हैं भांग-धतूरा-बेलपत्र?

सावन का महीना भगवान शिव की भक्ति के लिए सबसे पवित्र माना जाता है। इस पूरे महीने शिव भक्त व्रत रखते हैं। जलाभिषेक करते हैं और शिवलिंग पर तरह-तरह की चीजें चढ़ाते हैं। जैसे बेलपत्र, भांग, धतूरा, दूध और गंगाजल लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि इन चीजों को चढ़ाने के पीछे क्या वजह है। क्या ये सिर्फ परंपरा है या इसके पीछे कोई खास महत्व भी है।

इन चीजों का शिवलिंग पर चढ़ाया जाना कोई संयोग नहीं है, बल्कि हर एक वस्तु का अपना धार्मिक और आध्यात्मिक कारण है। बेलपत्र को शिवजी का सबसे प्रिय पत्र माना गया है।

शास्त्रों के अनुसार बेलपत्र चढ़ाने से मन को शांति मिलती है और जीवन में चल रहे कष्टों का नाश होता है। बेल का पेड़ भी पवित्र माना जाता है और इसके पत्ते त्रिदेवों ब्रह्मा, विष्णु और महेश के प्रतीक माने जाते हैं।

शिव की तपस्वी और वैराग्यपूर्ण जीवनशैली में भांग और धतूरा का विशेष स्थान है। यह दोनों चीजें आमतौर पर जहरीली या नशे वाली मानी जाती हैं, लेकिन शिव इन्हें स्वीकार करते हैं।

पंडित शर्मा बताते हैं कि भांग चढ़ाने से मानसिक तनाव दूर होता है और मन शांत होता है। वहीं धतूरा संतान प्राप्ति का प्रतीक माना गया है। मान्यता है कि धतूरा चढ़ाने से संतान की प्राप्ति होती है।

शिवलिंग पर दूध और जल चढ़ाना बहुत शुभ माना जाता है। दूध से शिव को ठंडक मिलती है, जिससे जीवन में पापों का नाश होता है। वहीं गंगाजल और शुद्ध जल से अभिषेक करने से जीवन की परेशानियां दूर होती हैं। जल का अभिषेक आत्मिक शुद्धता और सकारात्मक ऊर्जा लाता है।

सावन वो महीना है, जब शिवजी ने समुद्र मंथन के समय विषपान किया था।

उस समय उनकी तपन को शांत करने के लिए देवताओं ने इन चीजों से अभिषेक किया था। तभी से यह परंपरा चल पड़ी। सावन में इन चीजों का चढ़ाना शिव के प्रति हमारी आस्था और श्रद्धा का प्रतीक है।

मान्यता है कि जो भक्त पूरी श्रद्धा से इन चीजों से भगवान शिव का पूजन करता है। उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। खासतौर पर सावन में सोमवार का व्रत रखने और शिवलिंग पर बेलपत्र, दूध, भांग, धतूरा, जल चढ़ाने से जीवन में सुख-शांति और सफलता मिलती है।

सावन में बेलपत्र घर की इस दिशा में लगाएं

बेलपत्र का पेड़ घर में किस दिन लगाएं

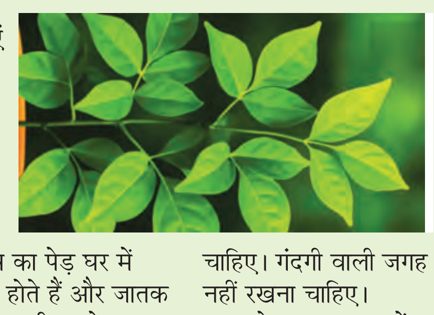

सावन के महीने में बेलपत्र का पेड़ घर में किसी भी दिन लगाया जा सकता है। लेकिन इस माह में सोमवार के दिन बेलपत्र को घर लाना सबसे उत्तम माना गया है। हिंदू धर्म में सोमवार का दिन भगवान शिव को समर्पित माना गया है। ऐसे में अगर आप इस खास दिन बेलपत्र का पेड़ घर में लगाते हैं, तो इससे शिवजी बेहद प्रसन्न होते हैं और जातक पर उनकी विशेष कृपा बनी रहती है। साथ ही, प्रत्येक सोमवार बेलपत्र को शिवजी की पूजा में भी जरूर शामिल करना चाहिए।

बेलपत्र घर में लगाने के जरूरी वास्तु नियम

वास्तु के अनुसार, बेलपत्र का पेड़ कभी भी घर की दक्षिण-पश्चिम दिशा यानी नैऋत्य कोण में नहीं लगाना चाहिए। रसोई घर, टॉयलेट, बाथरूम और घर के मध्य स्थान पर भी बेलपत्र के पेड़ को लगाना वर्जित माना गया है।

बेलपत्र के पौधे को साफ स्थान पर रखना चाहिए और वहां की नियमित साफ-सफाई करनी चाहिए। गंदगी वाली जगह पर इस शुभ पेड़ को भूलकर भी नहीं रखना चाहिए।

वास्तु के अनुसार घर में कभी भी ऐसा बेलपत्र का पेड़ नहीं रखना चाहिए जिसके पत्ते पूरी तरह सूख गए हों। इस प्रकार का पेड़ घर में नकारात्मकता लाता है।

माना जाता है कि सावन के महीने में बेलपत्र के पेड़ की नियमित रूप से पूजा करना बहुत फलदायी होता है। इससे जीवन में तरक्की हासिल होती है।

राकेश रोशन अस्पताल में भर्ती बेटी सुनैना ने दिया हेल्थ अपडेट

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता, फिल्ममेकर और एक्टर ऋतिक रोशन के पिता राकेश रोशन को लेकर बड़ी खबर सामने आई है. अभिनेता की 16 जुलाई को अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल में भर्ती कराया गया. एक रिपोर्ट के मुताबिक, उनकी हालत इतनी खराब हो गई थी कि डॉक्टर्स को उन्हें ICU में रखना पड़ा. हालांकि, अब राहत की खबर यह है कि, राकेश रोशन की तबीयत में सुधार हो रहा है. उनकी हेल्थ अपडेट उनकी बेटी सुनैना रोशन ने दी है.

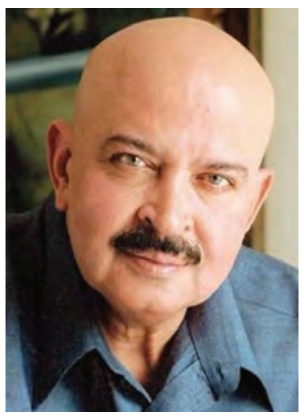

कैसी है राकेश रोशन की हालत?

अमर उजाला की रिपोर्ट के मुताबिक, ऋतिक रोशन की बहन और राकेश रोशन की बेटी सुनैना रोशन ने अपने पिता की हेल्थ अपडेट शेयर की है. रिपोर्ट के मुताबिक, सुनैना ने कहा कि, 'हां, पापा की एंजियोप्लास्टी हुई थी, लेकिन अब वो बिल्कुल ठीक हैं. चिंता की कोई बात नहीं है. वो अब आराम कर रहे हैं.' फिलहाल एक्टर को नॉर्मल वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया है. वहीं जब से ये खबर सामने आई है फैंस एक्टर की जल्द रिकवरी की दुआ कर रहे हैं.

मुश्किल घड़ी पूरा परिवार एक्टर के साथ

आपको बता दें कि राकेश रोशन की तबीयत बिगड़ने के बाद उनका पूरा परिवार उनके साथ खड़ा है. ऋतिक रोशन, उनकी गर्लफ्रेंड सबा आजाद और बहन सुनैना लगातार सभी अस्पताल में मौजूद हैं और उनकी देखभाल कर रहे हैं.

क्या होती है एंजियोप्लास्टी?

राकेश रोशन के गर्दन की एंजियोप्लास्टी के बाद कई लोगों के मन में यह सवाल उठ रहा होगा कि, यह क्या होता है? दरअसल गर्दन की एंजियोप्लास्टी, जिसे कैरोटिड एंजियोप्लास्टी भी कहा जाता है, एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें गर्दन में स्थित कैरोटिड धमनियों (जो मस्तिष्क को रक्त पहुंचाती है) में जमा प्लाक (वसा, कोलेस्ट्रॉल आदि) को हटाया जाता है.

तेज बुखार और कमजोरी की शिकायत से हॉस्पिटल में एडमिट हुए विजय देवरकोंडा

साउथ सिनेमा के फेमस एक्टर विजय देवरकोंडा की हेल्थ को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। इन दिनों अपनी आने वाली मेगा बजट फिल्म 'किंगडम' को लेकर सुर्खियां बटोर रहे विजय फिलहाल डेंगू बुखार से पीड़ित बताए जा रहे हैं। जी हां, मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से खबर आ रही है कि अभिनेता फिलहाल अस्पताल में भर्ती हैं। एक तरफ जहां विजय के फैंस उनकी फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, वहीं अब अभिनेता की सेहत को लेकर चिंता बढ़ गई है।

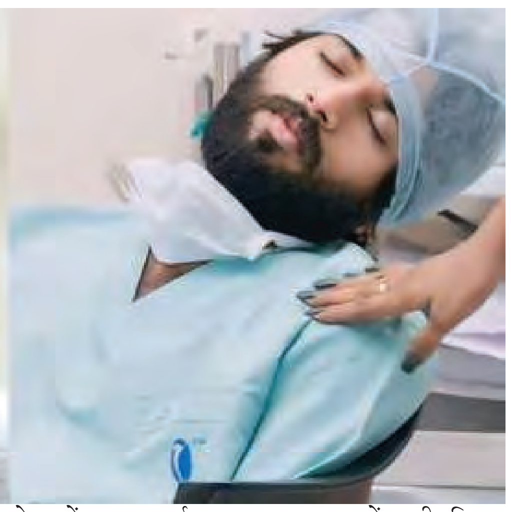

तेज बुखार और कमजोरी की शिकायत

बताया जा रहा है कि उन्हें बीते कुछ दिनों से तेज बुखार और कमजोरी की शिकायत थी, जिसके बाद उन्हें डॉक्टरों की सलाह पर अस्पताल में भर्ती कराया गया। पिछले कुछ दिनों से विजय देवरकोंडा की 'किंगडम' के प्रमोशनल इवेंट्स में गैरमौजूदगी फैंस को हैरान कर रही थी। अब इस बात का खुलासा हो गया है कि अभिनेता की तबीयत खराब होने के कारण वो सार्वजनिक आयोजनों में शामिल नहीं हो पा रहे हैं। उनकी सेहत को ध्यान में रखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें पूरी तरह से आराम करने की सलाह दी है।

डॉक्टरों की निगरानी में हैं एक्टर

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक विजय फिलहाल डेंगू से जूझ रहे हैं और डॉक्टरों की निगरानी में हैं। अगर उनकी सेहत में सुधार जारी रहा, तो उन्हें 20 जुलाई तक अस्पताल से छुट्टी मिल सकती है।

हालांकि अभी तक विजय देवरकोंडा या उनकी टीम की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है और न ही ये जानकारी सार्वजनिक की गई है कि वो किस अस्पताल में भर्ती हैं।

फिल्म 'किंगडम' की रिलीज पर संकट?

100 करोड़ रुपये के भारी भरकम बजट में बनी फिल्म 'किंगडम' 31 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। लेकिन अभिनेता की तबीयत को देखते हुए ये साफ नहीं है कि वो इसके प्रमोशन में हिस्सा ले पाएंगे या नहीं। फिल्म के निर्माता-निर्देशक भी फिलहाल स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। ये फिल्म विजय के करियर की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्मों में से एक मानी जा रही है।

'द रॉयल्स' में बड़े होंठों को लेकर ट्रोल हुईं भूमि पेडनेकर

नेटफ्लिक्स पर मौजूद सीरीज 'द रॉयल्स' से एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर काफी ट्रोल हुई थीं. उनके बड़े होंठों पर भी यूजर्स ने कमेंट किया था. एक्ट्रेस ने ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया था.

ट्रोलिंग का शिकार हुई एक्ट्रेस

एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर आज यानी 18 जुलाई को अपना जन्मदिन मना रही हैं. बॉलीवुड की कई हिट फिल्मों में नजर आ चुकी भूमि को बीते दिनों काफी ट्रोल किया गया. नेटफ्लिक्स पर मौजूद अपनी सीरीज 'द रॉयल्स' के लिए उन्हें काफी कुछ सुनना पड़ा था. सोशल मीडिया पर उनकी जमकर ट्रोलिंग हुई थी. एक्ट्रेस के बड़े-बड़े होंठों को लेकर भी ट्रोल किया गया. इसपर एक्ट्रेस ने ये जवाब दिया था.

सीरीज को लेकर सुर्खियों में

भूमि की वेब सीरीज द रॉयल्स इसी साल नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है. इसे लेकर एक्ट्रेस काफी चर्चा में रही हैं. सीरीज में उनके साथ ईशान खट्टर नजर आए थे.

यूजर्स ने निकाली खामियां

इसी जोड़ी को लेकर एक्ट्रेस को सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल किया गया. भूमि पेडनेकर और ईशान खट्टर की जोड़ी को लेकर यूजर्स का कहना है कि दोनों के बीच केमिस्ट्री की कमी है और स्क्रीनप्ले काफी कमजोर और सतही है.

होठों को लेकर किया गया ट्रोल

वहीं सोशल मीडिया पर एक यूजर ने उन्हें लिखा था कि, 'भूमि के होंठ इस शो में उनसे ज्यादा एक्टिंग कर रहे हैं.' वहीं एक दूसरे ने तंज कसते हुए कहा था, 'लगता है उनके होंठों की स्क्रीन प्रेजेंस भूमि से भी ज्यादा है.'

एक्ट्रेस ने दिया था करारा जवाब

वहीं इस सब के बीच एक्ट्रेस का ट्रोलर्स के लिए एक करारा जवाब वाला वीडियो भी खूब वायरल हुआ था. रेडिट पर मौजूद इस वीडियो में उनके साथ राजकुमार राव और आयुष्मान खुराना भी नजर आए थे. इस दौरान उन्होंने अपने लुक्स को लेकर होने वाली आलोचना पर खुलकर बात की थी.

एक्ट्रेस ने कही थी ये बात

ये वीडियो 2017 के एक इंटरव्यू का था, जिसमें भूमि ने कहा था, 'एक बार किसी ने मुझे कहा था कि मेरे होंठ बहुत बड़े हैं. मैंने कहा, इसमें दिक्कत क्या है? लोग लाखों रुपए खर्च करते हैं ऐसे लुक्स पाने के लिए.'

खुद को लेकर कॉन्फिडेंट रहना चाहिए

इसी इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने कहा कि लोग कुछ भी बोल सकते हैं, लेकिन हमें खुद को लेकर कॉन्फिडेंट रहना चाहिए. इस दौरान राजकुमार राव और आयुष्मान खुराना ने भी लुक्स को लेकर झेली आलोचना के बारे में बात की थी.

नेटफ्लिक्स की सीरीज 'द रॉयल्स'

बता दें कि वेब सीरीज 'द रॉयल्स' इसी साल नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है, जिसमें ईशान खट्टर और भूमि पेडनेकर के अलावा जीनत अमान, नोरा फतेही, चंकी पांडे, साक्षी तंवर, डिनो मोरिया और मिलिंद सोमन जैसे शानदार कलाकार शामिल हैं.

'मत करो यार, जगह दो और लोगों को रहने दो' बॉयकॉट और सेंसरशिप पर वाणी कपूर की दो टूक

वाणी कपूर इन दिनों अपनी आगामी सीरीज 'मंडाला मर्डर्स' से चर्चा में है, जो जल्द ओटीटी पर स्ट्रीम होने वाली है। इसके प्रचार-प्रसार के दौरान अभिनेत्री से उनकी पिछली फिल्म 'अबीर गुलाल' विवादों को लेकर सवाल किया जा रहा है, जिसमें उन्होंने पाकिस्तानी अभिनेता फवाद खान के साथ काम किया था। हालांकि, पहलगाम हमले के बाद काफी विरोधों के कारण फिल्म को रिलीज नहीं किया गया था और एक्टर्स के बहिष्कार की मांग भी उठी थी। अब वाणी कपूर ने बॉयकॉट और सेंसरशिप प्रभावों के बारे में विचार प्रकट किए हैं।

सेंसरशिप के खिलाफ हैं वाणी कपूर

हाल ही में वाणी कपूर एक इंटरव्यू के दौरान पूछा गया कि पिछली फिल्म की घटना ने उन्हें कैसे प्रभावित किया। इसके जवाब में उन्होंने कहा, 'मैं सेंसरशिप के पक्ष में नहीं हूं। मेरा मानना है कि आप सर्टीफिकेट दे सकते हैं, कभी-कभी ऐसा होता है कि कोई सीमा नहीं होती। कई बार जब मैं सेंसरशिप सुनती हूं, तो मुझे लगता है कि वे किसी को और कुछ भी हटा सकते हैं।'

सीमित दायरे में आपको नया करना होता है

आगे बातचीत में अभिनेत्री ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि एक कलाकार, एक फिल्म निर्माता के तौर पर आप किसी नए क्षेत्र में कितना आगे बढ़ने को तैयार हैं, क्योंकि तब आप कंट्रोल में होते हैं। तभी आपके लिए एक सीमा तय कर दी जाती है, फिर आपको खींची गई उस सीमा के भीतर कुछ नया, ताजा, रोमांचक और पहले कभी न देखा गया काम करना होता है।'

बॉयकॉट कल्चर बंद करने की कही बात

सेंसरशिप को लेकर आगे बताते हुए वाणी कपूर ने कहा कि बॉयकॉट करो और बैन करो वाली संस्कृति उन्हें बिल्कुल समझ नहीं आती। एक्ट्रेस ने कहा लोग एक-दूसरे के साथ बहुत कठोर हो रहे हैं। उन्होंने कहा, 'आज इसको बॉयकॉट कर दो, आज इसको कैंसल कर दो, मत करो यार, जगह दो और लोगों को रहने दो।'

क्या था पूरा मामला?

आपको बताते चलें कि अभिनेत्री वाणी कपूर की पिछली फिल्म 'अबीर गुलाल' थी, जिसे रिलीज नहीं किया था। इस फिल्म में अभिनेत्री ने पाकिस्तानी एक्टर फवाद खान के साथ काम किया था। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से भारत सरकार ने सभी पाकिस्तानी कलाकारों को भारत में बैन कर दिया था।

इसी दौरान 'अबीर गुलाल' फिल्म को रिलीज होना था, जिस कारण इसका काफी विरोध हुआ और फिल्म को रिलीज नहीं किया गया।

रश्मिका को छोटी बहन को वक्त न दे पाने का मलाल ट्रोलर बोले- 'बॉयफ्रेंड के साथ छुट्टियों पर जाती हो'

बॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री की फेमस एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना को इन दिनों जमकर ट्रोल किया जा रहा है। दरअसल उन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू में यह खुलासा किया कि पिछले 8 वर्षों से वो अपनी छोटी बहन शिमन मंदाना से नहीं मिल पाई हैं। जिसके पीछे का कारण उन्होंने अपने बिजी करियर बताया। बस अभिनेत्री के इसी बयान के बाद उन्हें जमकर ट्रोल किया जा रहा है।

रश्मिका मंदाना ने क्या कहा?

इंटरव्यू में रश्मिका ने बताया कि उनकी छोटी बहन अब 13 साल की हो चुकी है और पिछले आठ वर्षों में उन्होंने उसके साथ समय नहीं बिताया। बहन को बढ़ते हुए देखना तो दूर, उन्हें उसकी हाइट तक नहीं पता। यह बात उन्होंने एक इमोशनल वे में फैंस के साथ शेयर की, लेकिन सोशल मीडिया पर लोगों ने उन्हें खरी-खोटी सुनाना शुरू कर दिया।

नेटिजन्स ने किया एक्ट्रेस को ट्रोल

रश्मिका मंदाना के इस बयान पर लोगों की तरफ से कई रिएक्शन्स देखने को मिले। एक यूजर ने लिखा, 'बॉयफ्रेंड के साथ छुट्टियों पर जाती हैं लेकिन बहन के लिए वक्त नहीं है।' वहीं, कुछ ने ये सवाल भी उठाया कि आखिर उनकी बहन कहां रहती है, जो इतने वर्षों में वो एक बार भी नहीं मिल सकीं।

'बिजी करियर के चलते नहीं मिला समय'

रश्मिका ने इंटरव्यू में माना कि उन्होंने पिछले डेढ़ साल से घर भी नहीं देखा और न ही दोस्तों से मिल पाई हैं। उन्होंने कहा कि अब दोस्त उन्हें अपने प्लान्स में शामिल भी नहीं करते। मां की एक बात का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'अगर करियर में आगे बढ़ना है तो निजी जीवन की कुर्बानी देनी होगी।' हालांकि रश्मिका ने यह भी कहा कि वह इस सोच को नहीं मानतीं और वह दोनों को संतुलित करने की कोशिश करती हैं।

रश्मिका के पास हैं कई बड़ी फिल्में

रश्मिका फिलहाल साउथ और बॉलीवुड दोनों इंडस्ट्रीज में काम कर रही हैं। वो हाल ही में 'कुबेरा' में नजर आईं और आगे 'द गर्लफ्रेंड', 'थामा' और 'मायसा' जैसी फिल्मों में दिखेंगी। इसके अलावा, वो 'पुष्पा 3' और 'एनिमल पार्क' जैसी बड़ी फ्रेंचाइजी फिल्मों का भी हिस्सा हैं।

लोगों को पसंद आई प्यार और जुनून की कहानी फैंस बोले- 'मोहित सूरी वापस आ गए'

मोहित सूरी की फिल्म 'सैयारा' आज सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। 'आशिकी 2' और 'एक विलेन' जैसी यादगार सुपरहिट लव स्टोरी देने वाले मोहित सूरी इस बार एक नई प्रेम कहानी के साथ लौटे हैं। फिल्म में इश्क, जुनून, दर्द और तड़प की कहानी को दिखाया गया है। 'सैयारा' पूरी तरह से एक रोमांटिक-लव स्टोरी है। फिल्म के गाने पहले से ही सुपरहिट हो चुके हैं, तो वहीं एडवांस बुकिंग में भी फिल्म को लेकर काफी उत्साह देखने को मिल रहा था। अब जब फिल्म रिलीज हो चुकी है, तो जानते हैं कि इसे देखने वालों का कैसा है रिएक्शन और एक्स (ट्विटर) पर कैसे रिव्यू दे रहे हैं।

लोगों ने बताया- शानदार इमोशनल फिल्म

सैयारा देखकर लौटे अधिकांश लोग फिल्म से संतुष्ट नजर आ रहे हैं और फिल्म की तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा कि इस फिल्म ने मुझे रुलाया और मुझे प्यार और भरोसे पर फिर से

यकीन करना सिखाया है। यह एक शानदार इमोशनल फिल्म है। सिनेमाहॉल से एक वीडियो भी सामने आ रहा है, जिसमें एक शख्स फिल्म देखकर काफी भावुक हो गया और रोने लगा।

फैंस ने दिए साढ़े चार स्टार

एक अन्य यूजर ने फिल्म के संगीत, सिनेमेटोग्राफी और स्क्रीनप्ले की तारीफ करते हुए फिल्म को शानदार बताया। एक यूजर ने फिल्म को साढ़े चार स्टार देते हुए शानदार बताया। यूजर ने लिखा, 'मोहित सूरी फिर से रोमांस जॉनर में वापस आ गए हैं।' फैंस ने एक्टिंग और गानों की भी तारीफ की है।

अहान और अनीत की एक्टिंग से प्रभावित हुए लोग

एक प्रशंसक ने अहान पांडे और अनीत पड्डा की एक्टिंग की तारीफ करते हुए इसे एक मजबूत डेब्यू बताया है। साथ ही फिल्म को साढ़े चार स्टार भी दिए हैं। लोगों को अहान पांडे और अनीत पड्डा की एक्टिंग काफी पसंद आ रही है। अधिकांश यूजर फिल्म को साढ़े चार स्टार लायक बता रहे हैं।

लंबे वक्त बाद एक और लव स्टोरी लेकर लौटे मोहित सूरी

'सैयारा' के जरिए मोहित सूरी ने एक बार फिर लव स्टोरी और रोमांटिक जॉनर में वापसी की है। इस फिल्म के गाने पहले से ही लोगों की जुबान पर चढ़े हुए हैं। यशराज फिल्म्स द्वारा निर्मित 'सैयारा' से अहान पांडे और अनीत पड्डा दोनों ही बॉलीवुड में अपना डेब्यू कर रहे हैं।

बीआरएस नेताओं के फोन टैप करने का आरोप

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ बीआरएस नेता टी हरीश राव ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर गंभीर आरोप लगाए हैं और कांग्रेस सरकार पर बीआरएस नेताओं, पत्रकारों और राजनीतिक सहयोगियों के फोन अवैध रूप से टैप करने का आरोप लगाया है। उन्होंने बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव के खिलाफ मुख्यमंत्री के आरोपों को बनकाचेरला परियोजना मुद्दे से ध्यान भटकाने का एक प्रयास मात्र बताया।

तेलंगाना भवन में मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में हरीश ने कहा कि उनके और केटी रामाराव सहित बीआरएस नेताओं के फ़ोन लगातार निगरानी में हैं। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी सरकार राज्य की ख़ुफ़िया मशीनरी का दुरुपयोग करके उन पर जासूसी कर रही है। उन्होंने कहा, 'हमारे फ़ोन टैप किए जा रहे हैं और हमारी गतिविधियों पर नज़र रखी जा रही है। यहाँ तक कि हमसे बात करने वाले पत्रकारों पर भी नज़र रखी जा रही है। वरना रेवंत रेड्डी को कैसे पता चलता कि मुझसे कौन बात कर रहा है?' केटी रामा राव पर ड्रग मामलों से जुड़े हालिया आरोपों का खंडन करते हुए, बीआरएस विधायक ने मांग की कि रेवंत रेड्डी या तो सबूत पेश करें या सार्वजनिक रूप से माफ़ी मांगें। उन्होंने गुरुवार को तत्कालीन निज़ामाबाद ज़िले में वेमुला प्रशांत रेड्डी सहित बीआरएस नेताओं और उनके घरों पर हुए हमलों की भी निंदा की । उन्होंने कहा कि बीआरएस नेताओं को बिना किसी ठोस कारण के निशाना बनाया जा रहा है।

आंध्र प्रदेश के मंत्री निम्मला राम नायडू की सार्वजनिक पुष्टि और आकाशवाणी के समाचार बुलेटिन का हवाला देते हुए, उन्होंने मुख्यमंत्री पर इस मुद्दे पर झूठ बोलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'रेवंत एक बाध्यकारी झूठ बोलने की बीमारी से ग्रस्त हैं। लेकिन उनके झूठ का पर्दाफ़ाश हो गया है।' उन्होंने रेवंत रेड्डी को सिंचाई और शासन के मुद्दों पर विधानसभा में बहस की चुनौती दी। उन्होंने कहा, 'अगर आप ईमानदार हैं और तेलंगाना के विकास के लिए सचमुच प्रतिबद्ध हैं, तो विधानसभा सत्र बुलाएँ और हमें बिना माइक बंद किए बोलने दें।' उन्होंने रेवंत रेड्डी को तेलंगाना का गद्दार करार दिया, जो 'जय तेलंगाना' का नारा लगाने से कतराते हैं। हरीश ने रेवंत रेड्डी के उस दावे को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने रामा राव और आंध्र प्रदेश के मंत्री नारा लोकेश के बीच आधी रात को हुई मुलाकात का दावा किया था। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी के उलट, रामा राव को आधी रात को चुपके से बाहर निकलने, दीवारें फांदने या पैसों के बैग लेकर संदिग्ध सौदे करने की आदत नहीं है। उन्होंने मुख्यमंत्री को सलाह दी कि वे बदनामी बंद करें और सार्वजनिक बहस में रामा राव का सामना करें।

20 बकरियों की सांस की बीमारी से मौत

निर्मल, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भैंसा मंडल के एलेगांव गांव में गुरुवार को एक ही दिन में संक्रामक कैप्रिन प्लुरोनिमोनिया (सीसीपीपी) नामक श्वसन रोग से 20 बकरियों की मौत हो गई, जिससे चरवाहा समुदाय में दहशत फैल गई। दत्तूराम नाम के एक चरवाहे ने दावा किया कि उसकी बकरियाँ श्वसन रोग के कारण बीमार पड़ गईं, जिससे लगभग 2 लाख रुपये का नुकसान हुआ। उसने अधिकारियों से अपनी कमज़ोर आर्थिक स्थिति को देखते हुए मुआवज़ा देने का आग्रह किया। बकरियों और भेड़ों के मालिकों ने बीमारी के फैलने पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों से एहतियाती कदम उठाने का अनुरोध किया। पशुपालन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि बकरियों में इस बीमारी के इलाज के लिए कोई दवा उपलब्ध नहीं है।

बीआरएस ने पुलिस ज्यादती को लेकर की रेवंत रेड्डी की आलोचना

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी दासोजू श्रवण ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर तेलंगाना को पुलिस राज्य की तरह चलाने और पुलिस को राजनीतिक बदला लेने का हथियार बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार से सवाल पूछने पर बीआरएस कार्यकर्ताओं और नेताओं को परेशान करने के लिए उनके खिलाफ 5,000 से ज़्यादा झूठे मामले दर्ज किए गए हैं।

उन्होंने कहा, 'राज्य में सरकार से सवाल करना या विरोध प्रदर्शन करना अपराध बन गया है। पुलिस अपने राजनीतिक आकाओं के इशारे पर काम कर रही है, जिसकी कीमत राज्य में बढ़ते अपराध दर को चुकानी पड़ रही है।' उन्होंने राज्य में अपराध में 43 प्रतिशत और बलात्कार की घटनाओं में 28.9 प्रतिशत की वृद्धि का हवाला दिया। गुरुवार को तेलंगाना भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, श्रवण ने गृह विभाग की समीक्षा न करने के लिए मुख्यमंत्री की आलोचना की। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी राजनीतिक निगरानी के लिए एकीकृत कमांड कंट्रोल सेंटर का दुरुपयोग कर रहे हैं। उन्होंने संकल्प लिया कि दमन के बावजूद बीआरएस अपनी लड़ाई जारी रखेगी। बीआरएस नेता जी देवी प्रसाद ने सरकार की नाकामियों के खिलाफ प्रदर्शन करने के अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग करने वाले कर्मचारियों, छात्रों और किसानों पर लाठीचार्ज की निंदा की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने लोकतंत्र को अपनी सातवीं गारंटी बताया था, लेकिन सरकार सोशल मीडिया पर रीट्वीट करने पर भी लोगों को गिरफ्तार कर रही है। एमएलसी देशपति श्रीनिवास और बीआरएस नेता वाई सतीश रेड्डी भी उपस्थित थे।

राज्यसभा सदस्य प्रवीण कुमार ने की रेवंत की आलोचना

> यूरिया की कमी को लेकर कसा तंज

कुमराम भीम आसिफाबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता डॉ. आरएस प्रवीण कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी नई दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात के बाद भी तेलंगाना के किसानों को यूरिया की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने में विफल रहे। उन्होंने गुरुवार को बेज्जुर मंडल केंद्र में एक प्राथमिक कृषि सहकारी समिति के सामने किसानों द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन के प्रति एकजुटता व्यक्त की।

प्रवीण कुमार ने आरोप लगाया कि अधिकारी नियमों का उल्लंघन करते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं को यूरिया की आपूर्ति कर रहे हैं। उन्होंने बिचौलियों पर सरकार द्वारा निर्धारित 265 रुपये प्रति बोरी की कीमत के बजाय 400 से 500 रुपये प्रति बोरी वसूलकर किसानों को लूटने का आरोप लगाया। उन्होंने मांग की कि छापेमारी करके दोषियों के खिलाफ प्रदूषण नियंत्रण अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाए।

नेता ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं के हस्तक्षेप के बिना उर्वरक की आपूर्ति की मांग की। उन्होंने अधिकारियों से यूरिया की हेराफेरी करने वाले बिचौलियों के लाइसेंस रद्द करने की मांग की। उन्होंने कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के शासनकाल में किसी भी किसान को उर्वरक की कमी के कारण असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा।

उन्होंने स्थानीय विधायक डॉ. हरीश बाबू पर किसानों की समस्याओं के समाधान में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि हरीश केंद्र से तेलंगाना के लिए यूरिया खरीदने में विफल रहे। उन्होंने विधायक पर अपने मंडल तक सीमित रहने और सिरपुर (तमिलनाडु) क्षेत्र के कृषक समुदाय की समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया।

प्रवीण कुमार ने बाद में कागजनगर कस्बे के एक कृषि बाज़ार में यूरिया आपूर्ति प्रक्रिया का निरीक्षण किया। उन्होंने किसानों को उर्वरक आपूर्ति में देरी के लिए अधिकारियों के प्रति अपनी नाराज़गी व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों से समस्या का समाधान करने और किसानों को होने वाली असुविधा से बचाने का आग्रह किया।

एचोडा मंडल में एएसआई के घर समेत दो घरों में चोरी

आदिलाबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार रात अज्ञात व्यक्तियों ने एक सहायक उप-निरीक्षक (एएसआई) सहित दो घरों से कीमती सामान लूट लिया और इकोडा मंडल केंद्र में एक मोटरसाइकिल चुरा ली, जिससे हड़कंप मच गया। पुलिस ने बताया कि कुछ अज्ञात लोगों ने साईं नगर स्थित एक घर से 10 ग्राम सोना और 5 तोले चांदी के गहने चुरा लिए, जबकि विद्यानगर स्थित एएसआई रमेश के घर से उस समय लोहे की अलमारी तोड़कर 4 तोले सोना और 1 लाख रुपये नकद चुरा लिए जब वह घर पर मौजूद नहीं थे। बदमाशों ने मंडल केंद्र स्थित संतोषमा मंदिर के पास से एक मोटरसाइकिल भी चुरा ली। एक ही रात में तीन चोरियों की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुँची और क्लूज़ टीम की मदद से सबूत इकट्ठा किए।

राज्यपाल ने की हुसैनाबाद में स्वयं सहायता समूहों के लिए स्टील बैंक पहल की सराहना

सिद्दीपेट, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने हुसैनाबाद निर्वाचन क्षेत्र के सभी गांवों में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को स्टील बैंक वितरण के विचार को दूरसंचार और आईटी क्रांति की तरह क्रांतिकारी बताया, क्योंकि इससे आने वाले दिनों में लोग प्लास्टिक का उपयोग करने से बचेंगे। राज्यपाल ने कहा कि यह विचार लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा करने तथा मिट्टी और पर्यावरण को प्लास्टिक से मुक्त करने में मदद करेगा। गुरुवार को सिद्दीपेट जिले के कोहेड़ा में निर्वाचन क्षेत्र के 164 गांवों की स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को स्टील बैंक वितरित करने से पहले महिलाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने उनसे लोगों के बीच प्लास्टिक के बजाय समारोहों के दौरान स्टील के बर्तनों का उपयोग करने की आवश्यकता के बारे में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

राज्यपाल ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से इस विचार को आगे बढ़ाने के लिए नेतृत्वकारी भूमिका निभाने की अपील की। प्रभाकर ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में विभिन्न सामाजिक गतिविधियों के संचालन के लिए पोन्नम सथैया गौड़ ट्रस्ट की स्थापना की।

उन्होंने करीमनगर, सिद्दीपेट और हनमाकोंडा जिलों में फैले अपने निर्वाचन क्षेत्र के 164 गांवों में 276 स्वयं सहायता समूहों को स्टील बैंक वितरित करने के लिए लगभग 2.54 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। मंत्री कोंडा सुरेखा, आईएएस अधिकारी दाना किशोर, दिव्या देवराजन, पामेला सथपति, स्नेहा शबरीश और ह्यमावती और अन्य उपस्थित थे।

शिया बोलकर 30 मुस्लिम परिवारों को समाज से निकाला

मुतवल्ली ने जारी किया फतवा, मस्जिद-कब्रिस्तान जाने पर रोक

डॉ. सलीम बोले-दाढ़ी-टोपी की आड़ में मनमानी

रायपुर, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। छत्तीसगढ़ के राजिम में 30 मुस्लिम परिवारों को इतेहाद कमेटी (राजिम) के अध्यक्ष ने समाज से बेदखल करवा दिया है। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया है कि इतेहाद कमेटी के अध्यक्ष अल्तमश सिद्दकी और उसके साथियों ने शिया बोलकर उनके खिलाफ फतवा जारी कर दिया है। वो 2021 से सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल नहीं हो पा रहे हैं। समाज के लोग उनके साथ दावत, रिश्ता, सलाम-दुआ नहीं कर रहे हैं। मस्जिद और कब्रिस्तान जाने पर भी रोक लगा दी गई है। पीड़ित परिवारों ने गुरुवार को सीएम विष्णुदेव साय और छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सलीम राज से शिकायत की है। छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष ने मुतवल्ली और कमेटी के अध्यक्ष को नोटिस जारी करने और कार्रवाई करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि दाढ़ी-टोपी की आड़ में कुछ लोग धर्म की ठेकेदारी कर रहे हैं। उनके खिलाफ लगातार शिकायत आ रही है। कार्रवाई होगी।

मुस्लिम परिवार के लोग 2021 से परेशान

छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड कार्यालय पहुंचे पीड़ितों ने दैनिक भास्कर को बताया, कि वो मुस्लिम कम्युनिटी के सुन्नी समुदाय से हैं। इसके बाद भी अल्तमश सिद्दकी और राजिम सदर सम्बीर रिजवी ने उन्हें शिया समुदाय के हो कहकर समाज से निकाल दिया। सम्बीर रिजवी 2021 से परेशान कर रहे हैं। वहीं मौलाना सैय्यद मोहम्मद अशरफ ने बताया कि सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल होने पर जान से मारने की धमकी देते हैं।

वन अधिकारियों पर किसान के अपहरण का आरोप

कुमराम भीम आसिफाबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वन अधिकारियों को गुरुवार को चिंतलामनेपल्ली मंडल के डिमडा गांव में बिना किसी पूर्व सूचना के एक किसान का कथित तौर पर अपहरण करने और उसकी पत्नी को जंगल में अकेला छोड़ने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा। सिरपुर (तमिलनाडु) के पूर्व विधायक कोनेरू कोनप्पा ने आरोप लगाया कि अधिकारियों ने चिंतालमनेपल्ली मंडल मुख्यालय जा रहे डेगे सुरेश की मोटरसाइकिल रोककर उनका अपहरण कर लिया। उन्होंने सुरेश की पत्नी को घने जंगल में छोड़ दिया, जहाँ उन पर जंगली जानवरों के हमले का खतरा बना रहता था। इसके बाद अधिकारी सुरेश को एक गुप्त स्थान पर ले गए।

घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए, कोनप्पा ने अधिकारियों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि किसानों के खिलाफ इस तरह की हरकत करना अनुचित है। उन्होंने ज़िले के प्रभारी मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव से अधिकारियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि अगर अधिकारी किसानों को परेशान करते रहे तो लोग उनके खिलाफ विद्रोह कर देंगे। उन्होंने अधिकारियों पर जाँच की आड़ में सुरेश के साथ दुर्व्यवहार करने और उसे विभाग की जीप में जबरन बिठाने का आरोप लगाया। उन्होंने किसान की तत्काल रिहाई की माँग की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अगर उसने कोई अपराध किया है तो कानून के अनुसार कार्रवाई की जाए।

ईडी की कार्रवाई के खिलाफ सड़क पर उतरी कांग्रेस

कोंडागांव में जलाया पुतला; मरकाम बोले- नेताओं को डराने के लिए एजेंसियों का दुरुपयोग

कोंडागांव, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कोंडागांव में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ईडी की कार्रवाई और बिजली दरों में वृद्धि के विरोध में प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने शहर में रैली निकाली। जिसमें पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम भी शामिल हुए। कांग्रेस ने दहीकोंगा स्थित बिजली कार्यालय का घेराव किया। उन्होंने भाजपा और ईडी के विरोध में नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने ईडी का पुतला दहन भी किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का कहना था कि ईडी की कार्रवाई राजनीतिक प्रतिशोध है। प्रदर्शनकारियों ने बिजली बिलों में अनावश्यक बढ़ोतरी का विरोध किया। उन्होंने कई क्षेत्रों में नियमित बिजली कटौती का मुद्दा भी उठाया। मोहन मरकाम ने कहा कि भाजपा सरकार कांग्रेस नेताओं को डराने के लिए ईडी का दुरुपयोग कर रहीहै । प्रदर्शन में कोंडागांव ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस और एनएसयूआई के कार्यकर्ता शामिल हुए। कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि अगर सरकार ने बिजली दरों में कटौती नहीं की और ईडी की कार्रवाई नहीं रोकी, तो वे उग्र आंदोलन करेंगे।

चैतन्य बघेल पर हैं ये आरोप

बता दें कि भिलाई से ईडी की टीम ने भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य को गिरफ्तार कर लिया है। चैतन्य पर शराब घोटाले में बड़ा हिस्सा लेने, कोल लेवी मामले में संलिप्ता, महादेव ऐप मामले में संलिप्ता, पैसों को हलावा के जरिए से मनी लॉनड्रिंग कराने का आरोप है।

जुबली हिल्स में चुनावी जंग की तैयारी ?

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में विधानसभा की एकमात्र खाली जुबली हिल्स विधानसभा सीट के लिए अभी चुनाव कार्यक्रम घोषित नहीं हुआ है लेकिन जुबली हिल्स सीट से जहां क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं तो वहीं केसीआर की अगुवाई वाली बीआरएस भी इस सीट पर मजबूत प्रत्याशी की तलाश में हैं। हैदराबाद में आने वाली इस सीट पर 2014 से भारत राष्ट्र समिति (पहले तेलंगाना राष्ट्र समिति) का कब्जा है। बीआरएस विधायक मंगती गोपीनाथ के निधन के बाद जहां बड़े दलों ने अभी अपने पत्ते नहीं खोले हैं तो वहीं दूसरी ओर हैदराबाद की कुछ स्थानीय नेता चुनाव प्रचार में जुट गए हैं।

पिछले दिनों जब मीडिया रिपोर्ट में कहा गया था कि कांग्रेस जुबली हिल्स से नए चेहरे को उतार सकती है तब पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन ने कहा था कि वे चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने यह कहा था कि उन्हें 2023 के चुनावों में 64,212 वोट हासिल हुए थे। ऐसी संभावना जताई जा रही है कि जुबली हिल्स विधानसभा उप चुनाव राज्य के स्थानीय निकाय चुनावों के साथ हो सकता है। तेलंगाना की सत्ता पर काबिज कांग्रेस की इस सीट पर पैनी नजर है। कांग्रेस हैदराबाद में आने वाली इस सीट पर कब्जा करने की कोशिश में है, यह सीट सिकंदराबाद लोकसभा का हिस्सा है। बीआरएस के दिवंगत नेता मंगती गोपीनाथ ने इस सीट से जीत की हैट्रिक जमाई थी। चर्चा यह भी कि बीआरएस उनके परिवार से भी किसी को टिकट दे सकती है। मंगती गोपीनाथ (63) का जून महीने में हार्ट अटैक से निधन हो गया था।

हैदराबाद का जुबली हिल्स एक पॉश इलाका है। यहां पर दक्षिण भारतीय सिनेमा की तमाम बड़ी हस्तियां रहती हैं, लेकिन जुबली हिल्स विधानसभा में तमाम ऐसे इलाके भी आते हैं जो काफी पिछड़े हैं। सोशल मीडिया पर असुदद्दीन ओवैसी की पार्टी से नजदीकी दिखाने वाले सलमान खान ने चुनावों के ऐलान से पहले ही खुद को जुबली हिल्स से कैंडिडेट घोषित कर दिया है। वे मुस्लिम इलाकों में फ्री राशन की किट बांट रहे हैं। इतना ही नहीं उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट से खुद को एमएलए कमिंग सून बता डाला है। वे कहते हैं कि कोई रेड्डी और अन्ना नहीं अब यहां एक भाई विधायक बनेगा।

ऐसे उम्मीदवार फिल्मी अंदाज में प्रचार कर रहे हैं। वह अपने जनसंपर्क की तस्वीरों का अपडेट सोशल मीडिया पर डाल रहे हैं। वे सभी के लिए काम करने की बात कह रहे हैं लेकिन मुस्लिमों की दिक्कतों पर अधिक फोकस कर रहे हैं। ऐसे में सवाल यह है कि क्या 2023 में रनर रहे अजहरुद्दीन 2025 में विनर बन पाएंगे?

बता दें कि जुबली हिल्स विधानसभा 2009 में बनी थी। पहली बार यहां से बीजेपी को जीत मिली थी। तब पी विष्णुवर्धन रेड्डी जीते थे। इसके बाद बीआरएस के मंगती गोपीनाथ यहां से जीते थे। तेलंगाना में बीआरएस की हार के बाद भी गोपीनाथ जुबली हिल्स से जीत गए थे। उन्होंने तब कांग्रेस के उम्मीदवार मोहम्मद अजहरुद्दीन को 16,337 वोटों से शिकस्त दी थी। बीआरएस को 80,549, कांग्रेस को 64,212 और बीजेपी 25,866 वोट मिले थे। ओवैसी की पार्टी से लड़े मोहम्मद फराजुद्दीन को 7,848 वोट मिले थे।

तेलंगाना के कई जिलों में सिंचाई संकट

29 परियोजनाओं को अभी तक मानसून से पर्याप्त पानी नहीं मिला

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नए जल वर्ष के लगभग डेढ़ महीने बाद, तेलंगाना की 29 बड़ी और मध्यम सिंचाई परियोजनाएं, जिनमें प्रमुख कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना (केएलआईपी) के अंतर्गत कई परियोजनाएं शामिल हैं, नगण्य मानसून प्रवाह और गंभीर रूप से कम भंडारण स्तर के कारण गंभीर जल संकट का सामना कर रही हैं। परिणामस्वरूप, कृषि भूमि का एक बड़ा हिस्सा सिंचाई सहायता से वंचित है, और पर्याप्त जल प्रवाह प्राप्त होने तक फसल कार्यक्रम की समीक्षा लंबित है। किसान अब अनिश्चित खरीफ मौसम की ओर देख रहे हैं।

डिंडी, श्रीराम सागर परियोजना (एसआरएसपी), सदरमत एनीकट, सरस्वती नहर, एसआरएसपी काकतीय नहर, लखनवरम और पालेम वागु जैसी प्रमुख परियोजनाएँ अभी भी पानी के प्रवाह का इंतज़ार कर रही हैं। कई किसान जिन्होंने जल्दी बुवाई का जोखिम उठाया था, अब अपनी क्यारियों को मुरझाते हुए देख रहे हैं।

वनकालम (खरीफ) के लिए क्रमशः 53,224 एकड़ और 13,085 एकड़ के आयाकट की सेवा करने वाले मिड मनेयर और अपर मनेयर जलाशयों में कोई बड़ी मात्रा में पानी नहीं छोड़ा गया है। मिड मनेयर में वर्तमान में अपनी 25.87 टीएमसी क्षमता में से 7 टीएमसी से भी कम पानी है, जबकि 2.2 टीएमसी की कुल क्षमता वाले अपर मनेयर में जलग्रहण क्षेत्रों से कम जल प्रवाह के कारण 0.5 टीएमसी से भी कम पानी बचा है।

लोअर मनैर बांध (एलएमडी) के नीचे 1,42,864 एकड़ भूमि को पानी उपलब्ध कराने वाली एसआरएसपी पानी उपलब्ध कराने में असमर्थ है, जिससे कई आश्रित परियोजनाएँ प्रभावित हो रही हैं। 20,000 एकड़ के आयाकट के लिए बनाई गई मंथनी लिफ्ट सिंचाई योजना इस मौसम में फिर से शुरू नहीं हुई है। आदिलाबाद क्षेत्र में, सदरमत एनीकट (1,310 एकड़) और गड्डे वागु परियोजना में पानी की कमी के कारण खरीफ की कोई गतिविधि नहीं हुई है। सिंचाई विभाग ने इन परियोजनाओं और एसआरएसपी के लिए वनकालम कार्य योजना को जल प्रवाह में सुधार होने तक स्थगित कर दिया है।

मंचेरियल में, गोल्लावगु, रल्लावगु, नीलावई और एनटीआर सागर जैसी परियोजनाएँ न्यूनतम भंडारण स्तर पर हैं और उनमें कोई जल प्रवाह दर्ज नहीं किया गया है। निज़ामाबाद में, अलीगर, गुटपा और हनमंथ रेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजनाएँ—जो लगभग 1 लाख एकड़ क्षेत्र को पानी देती हैं—सूखी बनी हुई हैं।

जगित्याल ज़िले में एसआरएसपी (एलएमडी से ऊपर) के तहत 1.77 लाख एकड़ ज़मीन पानी की कमी का सामना कर रही है, जबकि वारंगल की काकतीय नहर (2,29,623 एकड़) और एसआरएसपी नहर प्रणाली (92,087 एकड़) में पानी की आपूर्ति नहीं हो रही है। मुलुगु में, पालेम वागु, लखनवरम और मल्लुरुवागु परियोजनाएँ भी प्रभावित हैं। सूर्यपेट में, एसआरएसपी चरण-II के तहत 2.2 लाख एकड़ ज़मीन पानी के बिना है। नलगोंडा में डिंडी परियोजना, जो 13,000 एकड़ ज़मीन की आपूर्ति करती है, को अभी तक कोई आपूर्ति नहीं मिली है।

श्रीराम सागर का वर्तमान भंडारण 90 टीएमसी क्षमता के मुकाबले 20.8 टीएमसी है। येल्लमपल्ली में, भंडारण 20 टीएमसी में से 8.65 टीएमसी है, और अंतर्वाह 700 क्यूसेक से भी कम है, जिससे सिंचाई और पेयजल दोनों की ज़रूरतें चिंताजनक हो गई हैं। राज्य में मानसून की कमी के कारण - सामान्य 186.4 मिमी (-11% विचलन) के मुकाबले केवल 165.5 मिमी वर्षा दर्ज की गई - स्थिति और भी खराब हो गई है, जिससे खरीफ की बुवाई लक्ष्य क्षेत्र के केवल 42.48% तक ही सीमित रह गई है।

चीन से भाग रही हैं अमेरिकी कंपनियां

ट्रंप के ट्रेड वॉर ने बदल दी ग्लोबल इकॉनमी की दिशा!

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ट्रेड वॉर से दुनिया में उथलपुथल मची हुई है। खासकर अमेरिका और चीन के बीच चीजें लगातार बिगड़ती जा रही हैं। दुनिया की दो सबसे बड़ी आर्थिक ताकतों के बीच जारी आर्थिक तनाव का असर अमेरिकी कंपनियों पर भी पड़ रहा है। बड़ी संख्या में अमेरिकी कंपनियां चीन से किनारा कर रही हैं। एक सर्वे के मुताबिक 52 फीसदी अमेरिकी कंपनियों का कहना है कि उनकी चीन में नया निवेश करने की कोई योजना नहीं है। चीन करीब तीन दशक से दुनिया की फैक्ट्री बना हुआ है।

इस दौरान अमेरिका की कंपनियों ने भी चीन में सस्ते में माल बनवाया और पूरी दुनिया में इसे बेचकर जमकर मुनाफा कमाया। लेकिन कोरोना काल के बाद दुनिया बदल चुकी है। अमेरिका की कंपनियां चाइना प्लस 1 की पॉलिसी पर चल रही हैं। कई कंपनियों ने चीन के बाहर दूसरे देशों में भी अपना विस्तार किया है। इनमें भारत और वियतनाम को सबसे ज्यादा फायदा मिला है। अमेरिका और चीन के बीच लगातार बढ़ते तनाव से कई दूसरी कंपनियां भी चीन से बोरिया-बिस्तर समेटने की तैयारी में हैं।

क्यों हुआ चीन से मोहभंग?

यूएस-चाइना बिजनस काउंसिल के एक सर्वे के मुताबिक 52% अमेरिकी कंपनियों का कहना है कि उनकी चीन में नए निवेश की कोई योजना नहीं है। पिछले साल के मुकाबले इस संख्या में 20 फीसदी तेजी आई है। इस सर्वे में कई बड़ी कंपनियों को शामिल किया गया। इनमें से 40 फीसदी से अधिक कंपनियों ने पिछले साल चीन में एक अरब डॉलर के अधिक का रेवेन्यू कमाया था। इतना ही नहीं सर्वे में शामिल 27 फीसदी कंपनियों का कहना था कि वे चीन से अपना बोरिया बिस्तर समेट चुकी हैं या उनकी कुछ बिजनस चीन से बाहर ले जाने की योजना है। यह संख्या 2016 के बाद सबसे अधिक है। पिछले चार साल में यह परसेंटेज तीन गुना बढ़ चुका है। चीन ने भी टेक्नोलॉजी और रेयर अर्थ के एक्सपोर्ट पर कई तरह की पाबंदियां लगाई है। कई चीजों की ग्लोबल सप्लाई में चीन का दबदबा है और वह इसे रणनीतिक हथियार के रूप में यूज कर रहा है।

आरबीआई अगस्त में ब्याज दरों 25 आधार अंकों की और कटौती कर सकता है

रेपो दर घटकर 5.25% पर आ जाएगी: रिपोर्ट

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) आगामी अगस्त नीति बैठक में नीतिगत दर में 25 आधार अंकों (बीपीएस) की एक और कटौती कर सकती है, जिससे यह 5.25 प्रतिशत पर आ जाएगी। आईसीआईसीआई बैंक की एक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया है। इसमें कहा गया है, हमारा मानना है कि इससे नीतिगत दर में 25 आधार अंकों की अतिरिक्त कटौती की गुंजाइश बनती है, जिससे टर्मिनल दर 5.25 प्रतिशत हो जाती है। एमपीसी नीतिगत दर में कब कटौती करेगी? हमारा मानना है कि मुद्रास्फीति की धीमी स्थिति को देखते हुए अगस्त इसके लिए उपयुक्त समय होगा। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि पिछली एमपीसी बैठक के बाद से मुद्रास्फीति अनुमान से काफी कम रही है। अब अनुमान है कि वित्त वर्ष 26 के लिए मुद्रास्फीति औसतन 2.9 प्रतिशत रहेगी, जो आरबीआई के पहले के 3.7 प्रतिशत के अनुमान से काफी कम है। मुद्रास्फीति में यह गिरावट नीतिगत ढील के लिए आगे भी रास्ता खोलती है, खासकर इसलिए क्योंकि एमपीसी ने वर्तमान में तटस्थ रुख बनाए रखा है, जिसका अर्थ है कि निर्णय आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करते हैं।

27000 करोड़ रुपये मूल्य की सरकारी प्रतिभूतियों को पूरी तरह सब्सक्राइब किया गया

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कुल 27,000 करोड़ रुपये (2030 में परिपक्व होने वाली 15,000 करोड़ रुपये और 2054 में परिपक्व होने वाली 12,000 करोड़ रुपये) की प्रतिभूतियों की नीलामी की। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार, सरकारी प्रतिभूतियों को पूरी तरह सब्सक्राइब कर लिया गया है। 2030 में परिपक्व होने वाले बॉन्ड पर 6.01 प्रतिशत वार्षिक रिटर्न मिलेगा, और 2054 में परिपक्व होने वाले बॉन्ड पर 7.09 प्रतिशत। शुक्रवार को इन सरकारी प्रतिभूतियों की अंडरराइटिंग नीलामी बहु-मूल्य-आधारित पद्धति के माध्यम से आयोजित की गई। प्राथमिक डीलरों ने अंडरराइटिंग नीलामी के दिन (आज) सुबह 9:00 बजे से 9:30 बजे के बीच कोर बैंकिंग सॉल्यूशन (ई-कुबेर) प्रणाली के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप से नीलामी के लिए अपनी बोलियां लगाईं। अंडरराइटिंग कमीशन आज ही संबंधित प्राथमिक डीलरों के आरबीआई स्थित चालू खाते में जमा कर दिया जाएगा। प्राथमिक डीलर आरबीआई के साथ पंजीकृत संस्थाएं हैं जिनके पास सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद और बिक्री का लाइसेंस होता है।

32 बिलियन डालर का एक्सपोर्ट खतरे में!

चीन ने फिर कर दी गंदी हरकत, पच नहीं रही भारत की प्रगति

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रही बड़ी इकॉनमी है और यह बात हमारे पड़ोसी देश चीन को नहीं पच रही है। वह भारत को प्रगति को रोकने के लिए कई तरह के अड़ंगे लगा रहा है। अब उसके निशाने पर भारत की इलेक्ट्रॉनिक इंडस्ट्री है। यह उद्योग चीन की अनौपचारिक व्यापार पाबंदियों से परेशान है। उद्योग का कहना है कि इससे देश की प्रतिस्पर्धात्मकता कम हो सकती है। साथ ही, इस वित्तीय वर्ष के लिए तय किए गए 32 बिलियन डॉलर के स्मार्टफोन निर्यात लक्ष्य को भी खतरा हो सकता है। हाल ही में उद्योग ने सरकार को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में कहा गया है कि चीन की ये हरकतें भारत की सप्लाई चेन को कमजोर करने के लिए हैं। चीन, भारत को एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने से रोकना चाहता है। इन पाबंदियों से निर्माताओं के लिए देरी हो रही है और लागत भी बढ़ रही है। उद्योग ने सरकार से चीन के पूंजीगत उपकरणों, खनिजों और कुशल तकनीकी कर्मियों पर लगाई गई पाबंदियों पर तुरंत ध्यान देने का आग्रह किया है। उद्योग का कहना है कि ये पाबंदियां बिना किसी औपचारिक सूचना के लगाई जा रही हैं। ये सब मौखिक निर्देशों के माध्यम से हो रहा है। यह पत्र इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन ने लिखा है। इसमें कहा गया है कि अगर चीन की हरकतें जारी रहीं, तो भारत का निर्यात का लक्ष्य पूरा नहीं हो पाएगा। आईसीईए में एप्पल, गूगल, मोटोरोला, फॉक्सकॉन, वीवो, ओप्पो, लावा, डिक्सन, फ्लेक्स और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी कंपनियां शामिल हैं। ये सभी कंपनियां इलेक्ट्रॉनिक्स के सामान बनाती हैं। चीन ने ये पाबंदियां ऐसे समय में लगाई हैं, जब भारत इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लिए एक विकल्प के रूप में उभर रहा है। खासकर आईफोन बनाने वाली कंपनी ऐपल की मुश्किलें बढ़ गई हैं। लगभग पांच साल पहले ऐपल अपने सभी आईफोन चीन में बनाती थी। लेकिन भारत में स्मार्टफोन मैन्यूफैक्चरिंग के लिए 2020 में शुरू की उत्पादन लिंक्ड प्रोत्साहन योजना का लाभ उठाते हुए ऐपल ने अपने अनुबंध निर्माताओं फॉक्सकॉन और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के माध्यम से उत्पादन को तेजी से भारत में स्थानांतरित कर दिया है। अब वैश्विक आईफोन उत्पादन का लगभग 20% भारत में होता है।

मुकेश अंबानी की झोली में आई अमेरिका की दिग्गज कंपनी केल्विनेटर

रिलायंस को कैसे होगा फायदा

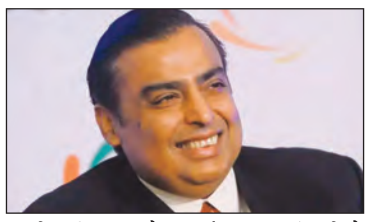

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस रिटेल ने एक बड़ी घोषणा की है। रिलायंस रिटेल ने अमेरिका की मशहूर कंपनी केल्विनटर को खरीद लिया है। केल्विनटर एक पुरानी कंपनी है जो फ्रिज, वॉशिंग मशीन, एयर कंडीशनर और किचन के सामान बनाती है। इसकी शुरुआत 20वीं सदी में हुई थी। 1970 और 80 के दशक में यह भारत में बहुत फेमस हुई थी। केल्विनटर के प्रोडक्ट्स मजबूत और अच्छे होते हैं। लोग इस पर भरोसा करते हैं। यह ब्रांड अच्छी तकनीक और कम कीमत के लिए जाना जाता है। रिलायंस का कहना है कि केल्विनटर को खरीदने से उसे बहुत फायदा होगा। उसके पास पहले से ही दुकानों का बड़ा नेटवर्क है। अब केल्विनटर के अच्छे प्रोडक्ट्स भी उनके साथ जुड़ जाएंगे। इससे दोनों मिलकर और भी अच्छा काम करेंगे। रिलायंस रिटेल का कहना है कि वह भारत में अपने कारोबार को और बढ़ाना चाहती है। वह ग्राहकों को अच्छी सर्विस देना चाहते हैं। इससे उन्हें लंबे समय तक फायदा होगा। भारत में लोग आजकल टिकाऊ चीजें ज्यादा खरीद रहे हैं और रिलायंस रिटेल इस मौके का फायदा उठाना चाहती है।

क्या होगा फायदा

रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर ईशा एम अंबानी ने कहा, हमारा हमेशा से यह लक्ष्य रहा है कि हम हर भारतीय की जरूरत को पूरा करें। हम चाहते हैं कि हर किसी को अच्छी तकनीक मिले, जो उनके काम आए और भविष्य के लिए तैयार हो। उन्होंने कहा कि केल्विनटर को खरीदना हमारे लिए एक बहुत बड़ा कदम है। इससे हम भारतीय ग्राहकों को और भी अच्छे प्रोडक्ट्स दे पाएंगे। हमारे पास दुकानों का बड़ा नेटवर्क है और हम अच्छी सर्विस भी देते हैं। मतलब रिलायंस रिटेल अब केल्विनटर के प्रोडक्ट्स को ज्यादा लोगों तक पहुंचा पाएगी। रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे वैल्यूबल कंपनी है। कंपनी शुक्रवार शाम को पहली तिमाही का रिजल्ट जारी करेगी।

शुक्रवार को 11.19 बजे बीएसई में रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर 0.41 प्रतिशत गिरकर 1471.05 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। बीएसई सेंसेक्स में आज गिरावट दिख रही है। कारोबार के दौरान यह 550 अंक से अधिक गिर गया है।

सोना 375 बढ़कर 97,828 प्रति 10 ग्राम हुआ

चांदी 1,300 महंगी होकर 1.12 लाख किलो बिक रही, कैरेट के हिसाब से सोने की कीमत

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 18 जुलाई को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 375 बढ़कर 97,828 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इससे पहले इसका दाम 97,453 पर था। चांदी की कीमत 1,300 बढ़कर 1,12,300 प्रति किलोग्राम हो गई है। इससे पहले चांदी 1,11,000 पर थी। वहीं 14 जुलाई को चांदी ने 1,13,867 का ऑल टाइम हाई बनाया था। इसके पहले सोने ने 8 जून को 99,454 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों में 10 ग्राम सोने की कीमत

दिल्ली : 24 कैरेट सोने की कीमत 99,520 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,250

मुंबई : 24 कैरेट सोने की कीमत 99,380 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,100

कोलकाता : 24 कैरेट सोने की कीमत 99,380 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,100

चेन्नई : 24 कैरेट सोने की कीमत 99,380 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,100

भोपाल : 24 कैरेट सोने की कीमत 99,420 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,150

इस साल अब तक 21,666 महंगा हुआ सोना

इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 21,666 रुपए बढ़कर 97,828 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 26,283 रुपए बढ़कर 1,12,300 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।

वीआईपी सूटकेस बनाने वाली कंपनी की 32% हिस्सेदारी बिकी

चैयरमेन बोले- 53 साल तक बिजनेस चलाया, अगली पीढ़ी चलाना नहीं चाहती

मुंबई, 18 जुलाई (एजेंसियां)। भारत की सबसे बड़ी लगेज कंपनी वीआईपी इंडस्ट्रीज के चेयरमैन दिलीप पिरामल ने कंपनी में अपनी 32% हिस्सेदारी बेचने का फैसला किया है। 1,763 करोड़ रुपए में यह हिस्सा प्राइवेट इक्विटी फर्म मल्टीपल्स और अन्य निवेशकों को बेचा जाएगा। पिरामल ने बताया कि उनकी अगली पीढ़ी बिजनेस चलाने में रुचि नहीं रखती, जिसके चलते यह कदम उठाना पड़ा। वीआईपी इंडस्ट्रीज 53 साल से सूटकेस और बैग्स बनाने के बिजनेस में है। बीते कई साल तक वीआईपी इंडस्ट्रीज मार्केट लीडर रही है, लेकिन पिछले 5 साल से कंपनी की मार्केट हिस्सेदारी लगातार कम हो रही है। कंपनी की मार्केट वैल्यू घटकर 6,830 करोड़ रुपए रह गई है।

पिरामल बोले- अगली पीढ़ी बिजनेस चलाना नहीं चाहती

दिलीप पिरामल ने 53 साल तक वीआईपी इंडस्ट्रीज को लीड किया, जो भारत में सूटकेस और बैग्स का सबसे बड़ा ब्रांड है। लेकिन अब उनकी तीन बेटियां—राधिका, अपर्णा और प्रियदर्शनी बिजनेस में दिलचस्पी नहीं दिखा रही हैं।

पिरामल ने, हमारा पारिवारिक बिजनेस है, लेकिन अगली पीढ़ी इसे चलाना नहीं चाहती। इसके अलावा, कंपनी पिछले पांच सालों से मार्केट शेयर खो रही है और पिछले साल की चारों तिमाहियों में कंपनी को नुकसान हुआ है।

51.73% से घटकर 19.73% हुई हिस्सेदारी

वीआईपी इंडस्ट्रीज की 32% हिस्सेदारी मल्टीपल्स प्राइवेट इक्विटी, आकाश भंसाली और कैरटलेन के फाउंडर मिथुन सचेटी को 1,763 करोड़ रुपए में बेची जा रही है। शेयर की कीमत 388 रुपए रखी गई, जो 11 जुलाई की क्लोजिंग प्राइस से 15% कम है। हिस्सेदारी बिकने के बाद पिरामल परिवार की हिस्सेदारी 51.73% से घटकर 19.73% रह जाएगी। साथ ही, मल्टीपल्स ने एसईबीआई नियमों के तहत 26% और शेयर खरीदने के लिए 1,438 करोड़ रुपए का ओपन ऑफर भी लॉन्च किया है।

38% तक सिमटा कंपनी का मार्केट शेयर

वीआईपी इंडस्ट्रीज, जो एरिस्टोक्रेट, कार्लटन, स्काईबैग्स और कैप्रेस जैसे ब्रांड्स की मालिक है, कभी भारत में 50% मार्केट शेयर रखती थी। लेकिन अब सैमसोनाइट और सफारी इंडस्ट्रीज जैसी कंपनियों से मुकाबले में उसका हिस्सा 38% तक सिमट गया। 2025 में कंपनी का रेवेन्यू 2,169.66 करोड़ रुपए रहा, लेकिन नुकसान बढ़ा। पिरामल ने कहा, कंपनी में मैनेजमेंट की समस्याएं हैं, लेकिन इसका बेस मजबूत है। नया मैनेजमेंट इसे फिर से चमकाएगा।

आखिरी कारोबारी दिन शेयर बाजार में गिरावट

सेंसेक्स 501 और निफ्टी 143 अंक टूटा

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। बेंचमार्क शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में शुक्रवार को गिरावट दर्ज की गई। यह तिमाही आय सत्र की धीमी शुरुआत के बाद विदेशी फंडों की निकासी और बैंकिंग शेयरों में बिकवाली के कारण लगातार दूसरे दिन गिरावट का संकेत है। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 501.51 अंक या 0.61 प्रतिशत गिरकर 81,757.73 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 651.11 अंक या 0.79 प्रतिशत गिरकर 81,608.13 अंक के निचले स्तर पर आ गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 143.05 अंक या 0.57 प्रतिशत गिरकर 24,968.40 पर बंद हुआ। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन और इटर्नल भी सेंसेक्स पैक में पिछड़ने वाले शेयरों में शामिल थे। हालांकि, बजाज फाइनेंस, टाटा स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, एचसीएल टेक और इंफोसिस लाभ में रहे। विश्लेषकों ने कहा कि एक्सिस बैंक के नवीनतम वित्तीय परिणामों के बाद निवेशक बैंकिंग शेयरों के प्रति सतर्क हो गए हैं, क्योंकि परिणाम बाजार की उम्मीदों से कम रहे। सेंसेक्स की कंपनियों में एक्सिस बैंक में सबसे अधिक 5.24 प्रतिशत की गिरावट आई। बैंक ने बताया कि जून तिमाही में उसका समेकित शुद्ध लाभ 3 प्रतिशत घटकर 6,243.72 करोड़ रुपये रह गया। ब्लू-चिप बैंक शेयरों में एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक और भारतीय स्टेट बैंक गिरावट के साथ बंद हुए। बैंक शेयरों में गिरावट के बाद बीएसई बैंकेक्स 1.33 प्रतिशत गिरकर 62,741.65 पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी और जापान का निक्केई 225 सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए, जबकि शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए। यूरोपीय बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। गुरुवार को अमेरिकी बाज़ार बढ़त के साथ बंद हुए।

ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 70.16 डॉलर प्रति बैरल पहुंचा

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.92 प्रतिशत बढ़कर 70.16 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 3,694.31 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। गुरुवार को सेंसेक्स 375.24 अंक या 0.45 प्रतिशत गिरकर 82,259.24 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 100.60 अंक या 0.40 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,111.45 पर बंद हुआ।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायन ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
सूर्योदय 05-54
सूर्यास्त 18-49
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मिथुन	में	मिथुन...	05-45 बजे
चंद्र-	मेष	में	कर्क...	07-56 बजे
मंगल-	सिंह	में	सिंह...	10-03 बजे
बुध-	कर्क	में	कन्या...	12-08 बजे
गुरु-	मिथुन	में	तुला...	14-19 बजे
शुक्र-	वृष	में	वृश्चिक...	16-31 बजे
शनि-	मीन	में	धनु...	18-38 बजे
राहु-	कुंभ	में	मकर...	20-29 बजे
केतु-	सिंह	में	कुंभ...	22-07 बजे
			मीन...	23-43 बजे
			मेष...	01-27 बजे
			वृष...	03-28 बजे

दिशाशूल - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- नवमी 14-42 तक उपरान्त दशमीं
मास - श्रावण कृष्ण, शनिवार 19 July
नक्षत्र - भरणी 00-37 तक उपरान्त कृत्तिका
योग - शूल 00-55 तक उप गण्ड
करण- गर 14-42 तक उप वणिज
विशेष-
व्रत-त्योहार -

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है। सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:07 से 10:45 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05:54-07:30	अशुभ	लाभ	18:49-20:15	शुभ
शुभ	07:30-09:07	शुभ	उत्पात	20:15-21:37	अशुभ
रोग	09:07-10:45	अशुभ	शुभ	21:37-22:59	शुभ
उत्पात	10:45-12:22	अशुभ	अमृत	22:59-00:23	शुभ
चंचल	12:22-13:59	शुभ	चंचल	00:23-01:45	शुभ
लाभ	13:59-15:37	शुभ	रोग	01:45-93:08	अशुभ
अमृत	15:37-17:15	शुभ	काल	03:08-04:30	अशुभ
काल	17:15-18:49	अशुभ	लाभ	04:30-05:54	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,) — आज आपको अपने करियर और पढ़ाई में संतुलन बनाने की ज़रूरत महसूस हो सकती है। आत्मविश्वास आपको पहल करने में मदद करता है, लेकिन मूड में बदलाव आपके फोकस को प्रभावित कर सकता है। आप अवसरों पर काम करने के लिए तैयार हैं, हालाँकि जल्दी प्रतिक्रिया करने से तनाव हो सकता है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — कार्यस्थल पर आज आपका आत्मविश्वास मजबूत है, जो आपको आगे बढ़ने के लिए साहसिक कदम उठाने में मदद करेगा। भावनात्मक गहराई बढ़ सकती है, इसलिए शांत रहें और दीर्घकालिक लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करें। आपको प्रेरणा में अस्थायी गिरावट महसूस हो सकती है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — आपका आत्मविश्वास और महत्वाकांक्षा आपके करियर में निरंतर प्रगति का समर्थन करते हैं। अनुशासन आपको केंद्रित रहने में मदद करता है, भले ही भावनात्मक तीव्रता आपको थोड़े समय के लिए विचलित कर दे। अपने काम में सुंदरता को पहचानना तनाव को कम करता है और सहयोग को बढ़ावा देता है।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,) — आपका करियर और पढ़ाई बोल्ड रचनात्मकता और सहज ज्ञान से भरपूर होगी। आप आकर्षण और विचारशील संचार के माध्यम से ध्यान आकर्षित करेंगे। जुनून आपकी प्रेरणा को बढ़ा सकता है, जिससे आप समूह सेटिंग में अधिक गतिशील बन सकते हैं। भावनात्मक उतार-चढ़ाव के प्रति सचेत रहें।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,) — आज आप अपने आस-पास के बारे में अधिक जागरूक होने के साथ व्यावहारिक मामलों के प्रति अधिक सजग महसूस कर सकते हैं। भावनात्मक तीव्रता के कारण ध्यान केंद्रित करना कठिन हो सकता है, लेकिन शांत, जानबूझकर कार्रवाई करने से मदद मिलेगी। तर्क और भावना के बीच संतुलन बनाने का लक्ष्य रखें।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — रचनात्मक उत्साह आपके करियर या पढ़ाई में उत्साह लाता है, लेकिन आप अवास्तविक परिणामों को आदर्श मान सकते हैं। सहकर्मियों के साथ भावुक बातचीत अप्रत्याशित लग सकती है। ज़मीन से जुड़े रहें और सुनिश्चित करें कि आपके विचार स्पष्ट योजनाओं द्वारा समर्थित हों। प्रगति करने के लिए व्यावहारिक कदमों पर ध्यान केंद्रित करें, और भावनात्मक उतार-चढ़ाव से बचें।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,) — जब आप सावधानीपूर्वक, विचारशील दृष्टिकोण अपनाते हैं तो आपका करियर और पढ़ाई बेहतर होती है। स्थिर प्रगति फोकस और योजना के साथ आती है। आपका प्राकृतिक आकर्षण आपको दूसरों से जुड़ने में मदद करता है, जबकि एक जमीनी मानसिकता आपको ट्रैक पर रखती है। आज अपनी प्रवृत्ति पर भरोसा करें।

वृश्चिक (तो, ना, नी, ने, नू, नो, या, यी, यू,) — आपका कार्य जीवन रचनात्मकता और अनुशासन के बीच संतुलन बनाने जैसा लग सकता है। आप उन कार्यों में सफल होंगे जिनमें दिल और प्रतिभा की आवश्यकता होती है, लेकिन व्यावहारिक मांगें आपको जमीन पर बनाए रखेंगी। भावनात्मक उतार-चढ़ाव इस बात को प्रभावित कर सकते हैं।

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) — कार्यस्थल पर आपका दिन ऊर्जावान और भावनात्मक रूप से आवेशित महसूस हो सकता है। आप स्वाभाविक रूप से एक देखभाल करने वाला माहौल बनाएंगे, साथ ही पहल करने के लिए प्रेरित भी महसूस करेंगे। आपका दृढ़ संकल्प रचनात्मक सफलताओं का समर्थन करता है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — आज आप अपने काम में ऊर्जावान और केंद्रित महसूस करते हैं। अंतर्ज्ञान और तर्क एक साथ काम करते हैं, जिससे आपको आसानी से योजना बनाने और अनुकूलन करने में मदद मिलती है। तेज सोच और मजबूत दूरदर्शिता आपको किसी भी बदलाव के लिए तैयार रखती है। छोटी-छोटी बातों पर ध्यान दें जो दूसरों को नज़रअंदाज़ हो सकती हैं।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — आपका करियर आपको संबंधों को बेहतर बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। कार्यों में सटीकता पर ध्यान दें। बेहतर सहयोग के लिए अपने संबंधों का विस्तार करें। हालाँकि, लाभहीन सट्टेबाज़ी से बचें, जो नुकसान का कारण बन सकती है। भावनाओं की समृद्धि को अपनाएँ, इसे विस्तृत इशारों पर नियंत्रण के साथ संतुलित करें।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) — आज आप अपने करियर में आत्मविश्वास और ध्यान केंद्रित महसूस करते हैं। अनुशासन आपको ट्रैक पर बने रहने में मदद करता है, और आपका गर्मजोशी भरा संचार दूसरों के साथ सकारात्मक संबंध बनाता है। कभी-कभी, आप आरक्षित या सतर्क महसूस कर सकते हैं, लेकिन विचारशील और चतुर होने से चीजें संतुलित रहती हैं।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

1700 करोड़ खर्च: विदेश पैसा भेजने वालों को चुपचाप हो रहा भारी नुकसान

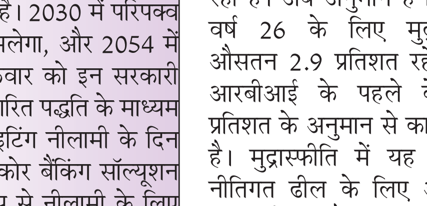

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। अगर आपके बच्चे विदेश में पढ़ रहे हैं, तो ये खबर आपके लिए है। एक रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में बच्चों की पढ़ाई के लिए विदेश पैसे भेजने वाले परिवारों ने बैंक फीस और करेंसी मार्कअप में लगभग 1,700 करोड़ रुपये ($200 मिलियन) खर्च कर दिए। यह रिपोर्ट रेडसीर स्ट्रेटेजी कंसल्टेंट्स और वाइज नाम की एक कंपनी ने मिलकर बनाई है। वाइज, एक ग्लोबल क्रॉस-बॉर्डर पेमेंट कंपनी है। मतलब ये कंपनी एक देश से दूसरे देश में पैसे भेजने का काम करती है। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत से हर साल पढ़ाई के लिए लगभग 85,000–93,500 करोड़ रुपये ($10–11 बिलियन) विदेश भेजे जाते हैं। इसमें से 95% से ज्यादा पैसा पुराने तरीके से यानी बैंकों के ज़रिए भेजा जाता है। बैंक इस पर 3–3.5% तक एक्सचेंज रेट मार्कअप लगाते हैं। यानी बैंक पैसे बदलने के लिए ज्यादा चार्ज करते हैं। इतना ही नहीं, पैसे भेजने में दो से पांच दिन भी लग जाते हैं। अगर कोई परिवार हर साल 30 लाख रुपये विदेश भेजता है, तो उसे लगभग 75,000 रुपये तक का नुकसान हो सकता है। ये नुकसान छिपे हुए चार्ज की वजह से होता है, जिनके बारे में लोगों को पता नहीं चलता। वर्ल्ड बैंक ने भी क्रॉस बॉर्डर रेमिटेंस की लागत के बारे में ऐसी ही बातें कही हैं। क्रॉस बॉर्डर रेमिटेंस का मतलब है, एक देश से दूसरे देश में पैसे भेजना। ये लागत उन प्रवासी मजदूरों से थोड़ी कम है, जो अमीर देशों में काम करते हैं और अपने घर पैसे भेजते हैं। वर्ल्ड बैंक के अनुसार $200 भेजने की ग्लोबल एवरेज कॉस्ट 6.4% है जो पिछले साल 6.2% थी। डिजिटल तरीके से पैसे भेजना सस्ता है। इसमें लगभग 5% फीस लगती है, जबकि नॉन-डिजिटल तरीके से 7% लगती है। लेकिन, यूनाइटेड नेशंस का एक लक्ष्य है कि 2030 तक रेमिटेंस की कॉस्ट को 3% तक लाया जाए। इससे प्रवासी मजदूरों और उनके परिवारों को ज्यादा फायदा होगा। वाइज कंपनी ने इस स्टडी को स्पॉन्सर किया है। यह कंपनी इंटरनेशनल मनी ट्रांसफर का काम करती है और उसका मुकाबला बैंकों से है। वाइज का कहना है कि इस कवायद का मकसद लोगों का ध्यान इन कमियों की ओर खींचना है। उसका कहना है कि बैंक पैसे भेजने के लिए कई अलग-अलग बैंकों का इस्तेमाल करते हैं, जिससे ज्यादा चार्ज लगता है। लेकिन वाइज ऐसा नहीं करती। वाइज के पास दोनों देशों में लोकल अकाउंट होते हैं। जब कोई व्यक्ति पैसे भेजता है, तो वाइज उस देश के अकाउंट से ही रेसिपिएंट को पैसे दे देती है। इससे पैसे जल्दी पहुंच जाते हैं और एक्सचेंज रेट मार्कअप भी नहीं लगता। पुराने तरीके से बैंक ट्रांसफर करने में कई तरह के चार्ज लगते हैं। भेजने वाले बैंक 2–6% तक एक्सचेंज रेट मार्कअप लगाते हैं। बीच वाले बैंक $10–30 तक काट लेते हैं। स्विफ्ट नेटवर्क फीस भी लगती है। और तो और, पैसे पाने वाले बैंक भी $16 तक चार्ज कर सकते हैं। इन सब चार्ज के साथ छिपे हुए कंप्लायंस कॉस्ट भी जुड़ जाते हैं, जिससे टोटल रेमिटेंस कॉस्ट 5–7% तक पहुंच जाती है।

जयपुर सहित 24 जिलों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश का अलर्ट

कोटा बूंदी सहित 5 जिलों में रेड अलर्ट

जयपुर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। मानसून एक बार फिर से सक्रिय हो रहा है। एक दिन पहले के अनुमान में आगामी तीन चार दिन तक बारिश की कोई गतिविधि नजर नहीं आ रही थी लेकिन हवाओं ने अपना रुख बदला तो मानसून ने भी अपनी दिशा बदल दी।

मानसून फिर से एक्टिव हो गया और आज राजस्थान पर मेहरबान होने वाला है। मौसम विभाग ने राजस्थान के 33 जिलों (पुराने जिलों के हिसाब से) में से 24 जिलों में आज भारी से अत्यधिक बारिश बारिश का अलर्ट जारी किया है। कोटा बूंदी में पिछले कुछ दिनों से भारी बारिश हो रही है। उन दोनों जिलों सहित कुल छह जिलों में रेड अलर्ट भी जारी किया है।

अत्यधिक भारी बारिश का रेड अलर्ट भी जारी

मौसम केंद्र जयपुर की ओर से जारी किए गए मौसम के ताजा बुलेटिन के मुताबिक आज शुक्रवार 18 जुलाई को प्रदेश के कई इलाकों में अत्यधिक भारी बारिश होने वाली है। 6 जिलों अजमेर, भीलवाड़ा, बूंदी, कोटा, टोंक और पाली अत्यधिक भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है। 9 जिलों बारां, चित्तौड़गढ़, झालावाड़, प्रतापगढ़, राजसमंद, सवाई माधोपुर, सिरोही, उदयपुर और नागौर में अत्यधिक भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। साथ ही जालौर, जोधपुर, सीकर, करौली, डूंगरपुर, जयपुर, डूंगरपुर, दौसा और बांसवाड़ा में भी भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है।

एक दिन पहले गुरुवार 17 जुलाई को भी प्रदेश के कई जिलों में जमकर बारिश हुई। सबसे ज्यादा बारिश हनुमानगढ़ के पीलीबंगा में 110 एमएम बारिश दर्ज की गई। दूसरे स्थान पर कोटा का सांगोद क्षेत्र रहा जहां 97 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई। उधर फलौदी के पास आऊ में 89 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई। दौसा के निर्झरना में 83 एमएम, बारां के अटरू में 79 एमएम, कोटा के कनवास में 73 एमएम, झुंझुनूं के मंडाना में 75 एमएम, करौली के कुडगांव में 73 एमएम, बीकानेर के जसनगर में 67 एमएम, हनुमानगढ़ के भादरा में 66 एमएम, बारां के मांगरोल में 59 एमएम, सवाई माधोपुर के बौंली में 53 एमएम, पाली के जैतारण में 50 एमएम, कोटा के मांडना में 50 एमएम, झालावाड़ के झालरापाटन में 49 एमएम, पचपहाड़ में 48 एमएम, बीदासर में 48 एमएम, हनुमानगढ़ के गोलूवाला में 44 एमएम, राजसमंद के देवगढ़ में 42 एमएम बारिश हुई।

राजस्थान की अधीनस्थ अदालतों में कामकाज ठप

20 हजार न्यायिक कर्मचारी सामूहिक अवकाश पर

जयपुर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान की लगभग 1638 अधीनस्थ अदालतों में न्यायिक कामकाज आज पूरी तरह से ठप हो गया है. प्रदेश के करीब 20,000 न्यायिक कर्मचारी सामूहिक अवकाश पर चले गए हैं. उनकी यह कार्रवाई कैडर पुनर्गठन की लंबे समय से लंबित मांग को लेकर की गई है। राजस्थान न्यायिक कर्मचारी संघ के बैनर तले, कर्मचारी पिछले पाँच दिनों से जयपुर सेशन कोर्ट परिसर में धरना दे रहे हैं. संघ के प्रदेशाध्यक्ष भूख हड़ताल पर बैठे हैं, लेकिन सरकार की ओर से कोई सुनवाई न होने के कारण अब संघ ने आज से अनिश्चितकालीन सामूहिक अवकाश का फैसला लिया है। संघ के प्रदेशाध्यक्ष सुरेंद्र नारायण जोशी ने बताया कि न्यायिक कर्मचारियों में मंत्रालयी और स्टेनोग्राफर कैडर के पुनर्गठन की मांग पिछले दो साल से लंबित है.

भजनलाल सरकार का बड़ा फैसला

हिंदी मीडियम के छात्रों के लिए इंग्लिश स्कूलों में लगेंगी क्लास, एक ही स्कूल में दोनों की पढ़ाई

जयपुर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोलने के बाद कई जिलों में हिंदी माध्यम के स्कूल ही नहीं बचे थे। इससे हिंदी माध्यम में पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इस समस्या को देखते हुए राज्य सरकार ने बड़ा निर्णय लिया है। अब जिन स्कूल परिसरों में अंग्रेजी माध्यम के महात्मा गांधी स्कूल संचालित हैं, वहां हिंदी माध्यम का स्कूल भी शुरू किया जाएगा।

एक ही परिसर में दो पारी में होगी पढ़ाई

शिक्षा विभाग के नए निर्णय के तहत अब स्कूल दो पारी में संचालित होंगे। पहली पारी में अंग्रेजी माध्यम की कक्षाएं चलेंगी, जबकि दूसरी पारी में उसी परिसर में हिंदी माध्यम की पढ़ाई होगी। इससे हिंदी माध्यम के छात्रों को अपने क्षेत्र में ही शिक्षा का अवसर मिल सकेगा और उन्हें दूर जाने की जरूरत नहीं होगी।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने दी जानकारी

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने जानकारी दी कि महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में अब हिंदी माध्यम के छात्रों के लिए भी प्रवेश की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जिन ग्राम पंचायतों में हिंदी माध्यम का कोई विद्यालय नहीं है और केवल अंग्रेजी माध्यम का स्कूल संचालित है, वहां दो पारी में स्कूल चलाने के निर्देश दिए गए हैं।

देवनानी ने किया आवेदन का आह्वान

पूर्व शिक्षा मंत्री वासुदेव देवनानी ने कहा कि ऐसे अभिभावक जो अपने बच्चों को हिंदी माध्यम में पढ़ाना चाहते हैं, वे नजदीकी महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल से संपर्क कर प्रवेश के लिए आवेदन करें। इससे छात्रों को मातृभाषा में पढ़ाई करने का विकल्प मिलेगा और शिक्षा में किसी प्रकार की रुकावट नहीं आएगी।

फिर से एडमिशन शुरू

नया शैक्षणिक सत्र हर वर्ष 1 जुलाई से प्रारम्भ होता है। जो बच्चे हिंदी मीडियम की वजह से स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। उनके लिए एडमिशन प्रक्रिया को नए सिरे से प्रारम्भ किया गया है। पूर्ववर्ती सरकार ने 3737 स्कूलों को अंग्रेजी माध्यम का स्कूल बनाया था जिनका नाम महात्मा गांधी पर रखे गए। शिक्षा मंत्री ने कहा कि अंग्रेजी मीडियम की सभी स्कूलों को दो पारियों में नहीं चलाया जाएगा।

नई टाउनशिप नीति लागू, कैबिनेट की मंजूरी के बाद यूडीएच ने जारी की अधिसूचना

जयपुर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के शहरों में अब पुरानी टाउनशिप पॉलिसी की जगह नई टाउनशिप पॉलिसी लागू कर दी गई है। हाल में राज्य कैबिनेट की बैठक में इस टॉउनशिप पॉलिसी को मंजूरी दी गई थी। राजस्थान में पिछली टाउनशिप पॉलिसी 15 साल पहले लागू हुई थी। अब इसकी जगह नई टाउनशिप नीति ने ले ली है। गौरतलब है कि नई टाउनशिप नीति का मसौदा पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के समय बनाया गया था। जिसे मौजूदा भजनलाल सरकार की कैबिनेट ने मंजूरी दी है।

गौरतलब है कि नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा की मंजूरी के बाद पिछले साल 27 जून को टाउनशिप नीति का प्रारूप जारी किया गया था। प्रारूप पर एक महीने का समय देते हुए आपत्ति और सुझाव मांगे गए थे। सोमवार को इसे कैबिनेट ने मंजूरी दे दी गई। इसके बाद गुरुवार को इसकी अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। नई टाउनशिप नीति में राज्य स्तरीय इंप्लीमेंटेशन एंड मॉनिटरिंग कमेटी का गठन किया जाएगा। यह कमेटी टाउनशिप नीति के इंप्लीमेंटेशन, मॉनिटरिंग और रिव्यू को लेकर बड़े फैसले ले सकेगी। इस कमेटी में नगरीय विकास, स्वायत्त शासन विभाग, ऊर्जा विभाग और जल संसाधन विभाग के सचिव शामिल होंगे।

डेवलपर एसोसिशन के दो प्रतिनिधि भी इस कमेटी में शामिल होंगे। राजस्थान रियल एस्टेट वेब पोर्टल बनेगा। इस पोर्टल पर विकासकर्ता अपनी योजनाओं की समस्त जानकारी अपलोड करेंगे। नई नीति में विभिन्न जल स्रोत नदी, नाला, तालाब, नहर, बरसाती नाला, झील के संरक्षण के लिए इनके दोनों तरफ न्यूनतम बफर जोन का प्रावधान किया गया है। सभी योजनाओं में रैन वाटर हार्वेस्टिंग और वेस्ट वाटर रिसाइकल के प्रावधान किए गए हैं।

इंदिरा गांधी नहर में गिरी कार, एक युवक डूबा

बीकानेर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। बीकानेर के छत्तरगढ़ में इंदिरा गांधी नहर में गिरी कार में सवार दो युवकों में से एक की जान बच गई। वहीं दूसरे युवक की मौत हो गई। चौंकाने वाली बात ये रही कि कार से निकलकर अपनी जान बचाने वाले युवक ने हादसे के बारे में किसी को नहीं बताया। पूछताछ के लिए अब उसे थाने लाया गया है। हादसा कैसे हुआ? इसका पता लगाया जा रहा है। पुलिस के अनुसार-छत्तरगढ़ में स्थित इंदिरा गांधी नहर की मुख्य शाखा आरडी 647 में एक कार गुरुवार दोपहर गिर गई थी।

राजस्थान में कांग्रेस की हार का एक कारण कन्हैयालाल हत्याकांड!

> गहलोत ने अमित शाह से पूछ लिया बड़ा सवाल

जयपुर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय कांग्रेस नेताओं का दावा था कि वे सरकार रिपीट करेंगे। दर्जनों मुफ्त योजनाएं लॉन्च किए जाने के बावजूद प्रदेश में सरकार रिपीट नहीं हो पाई। कांग्रेस की हार के क्या कारण रहे। इसके लिए पार्टी ने अपने स्तर पर रिपोर्ट बनाकर हाईकमान को भेजी है लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का मानना है कि कांग्रेस सरकार के रिपीट नहीं करने का एक कारण उदयपुर में हुआ कन्हैयालाल साहू हत्याकांड भी है।

गहलोत जयपुर में मीडिया से रूबरू हुए। उन्होंने कहा कि कन्हैयालाल साहू हत्याकांड के बारे में बीजेपी ने बड़ा झूठ फैलाया था। इस वजह से सरकार चली गई। अब मैं पूछना चाहता हूं अमित शाह जी से कृपा करके आप राजस्थान पधारे हैं। आपका स्वागत है, पर कम से कम आज मीटिंगों में प्रदेशवासियों को जवाब दें। वास्तव में इस घटना में क्यों नहीं अभी तक सजा हुई।

भाजपा के झूठ को ठहराया जिम्मेदार

पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि तीन साल पहले उदयपुर में हुए कन्हैयालाल टेलर हत्याकांड को लेकर भाजपा ने बड़ा झूठ फैलाया था। विधानसभा चुनाव के समय हर चुनावी सभा में इस हत्याकांड को लेकर कांग्रेस सरकार पर झूठे आरोप लगाए गए थे और इसके नाम पर वोट मांगे गए जबकि हत्याकांड के महज चार घंटे बाद ही हत्या के मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया था। राजस्थान पुलिस बड़ी गंभीरता से मामले की जांच कर रही थी लेकिन रातों रात इस मामले को एनआईए ने अपने पास ले लिया। गहलोत ने कहा कि हत्या के दोनों मुख्य आरोपियों का संबंध भी भाजपा से था। इसके बावजूद कांग्रेस पर झूठे आरोप लगाते हुए कटघरे में खड़ा किया गया।

सबसे ज्यादा मुआवजा, फिर भी बोला झूठ

गहलोत ने कहा कि उदयपुर में हुए इस जघन्य हत्याकांड के बाद तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने पीड़ित परिवार को अब तक का सबसे बड़ा पैकेज मुआवजे के रूप में दिया। मृतक कन्हैयालाल टेलर के दोनों बेटों को सरकारी नौकरी दी। 50 लाख रुपए की आर्थिक मदद भी दी। हत्यारों की तुरंत गिरफ्तारी और बड़े मुआवजे के बावजूद भी भाजपा ने तत्कालीन सरकार पर बेवजह निराधार आरोप लगाए। आजादी के बाद सबसे ज्यादा मुआवजा दिए जाने के बावजूद मुआवजे को लेकर झूठ फैलाया गया। गहलोत ने माना कि सरकार के जाने का एक बड़ा कारण यह हत्याकांड भी था।

न्याय क्यों नहीं दिलाया जा रहा पीड़ित परिवार को

गहलोत ने कहा कि चुनाव से पहले भाजपा ने वोट पाने के लिए इस मुद्दे को खूब उछाला लेकिन सत्ता में होने के बावजूद पीड़ित परिवार को आज तक न्याय नहीं दिलाया गया। गहलोत ने कहा कि यह मामला एनआईए के पास होने के बावजूद अभी तक पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिला।

खुशखबरी! 56,000 वरिष्ठ नागरिकों को बड़ी सौगात

> एसी ट्रेन और हवाई जहाज में करेंगे मुफ्त तीर्थ यात्रा

जयपुर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। वरिष्ठ नागरिकों के लिए बड़ी खुशखबरी है। राजस्थान सरकार प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों को मुफ्त तीर्थ यात्रा करवा रही है। पहले सिर्फ 35 हजार नागरिक ही मुफ्त तीर्थ यात्रा कर सकते थे लेकिन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वरिष्ठ नागरिकों के रुझान को देखते हुए संख्या को बढा दिया है। अब हर वर्ष 56 हजार वरिष्ठ नागरिक सरकारी खर्चे पर मुफ्त तीर्थ यात्रा कर सकेंगे।

50,000 वरिष्ठ नागरिक ट्रेन में जबकि 6 हजार वरिष्ठ नागरिक हवाई जहाज के जरिए देव दर्शन कर सकेंगे। मुख्यमंत्री वरिष्ठ नागरिक तीर्थ योजना के तहत मुफ्त तीर्थ यात्रा करने के इच्छुक लोग ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। 18 जुलाई से लेकर 10 अगस्त से पहले तक ऑनलाइन आवेदन करना होगा। मुफ्त तीर्थ यात्रा के तहत वरिष्ठ नागरिकों को ले जाने वाली ट्रेन को राजस्थान संस्कृति की थीम पर सजाया जाएगा। पूरी ट्रेन वातानुकुलित होगी ताकि किसी भी वरिष्ठ नागरिकों को कोई परेशानी नहीं हो। इस ट्रेन को स्पेशल रूप से डिजाइन किया गया है। ट्रेन में कुल 11 कोच होंगे और एक ट्रेन में कुल 800 वरिष्ठ नागरिक यात्रा कर सकेंगे। ट्रेन की हर बॉगी पर राजस्थानी लोक नृत्यों की झलक नजर आएगी। राजस्थान के दर्शनीय स्थलों के साथ लोक कलाएं, त्योहारों की झलक, मंदिर, किले, वन्यजीव अभयारण्य की सुंदर तस्वीरें भी देखने को मिलेगी। अलग अलग ट्रेन को अलग अलग थीम पर सजाया जाएगा।

ऑनलाइन आवेदन शुरू

यह योजना देवस्थान विभाग के अधीन है। विभाग की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। तीर्थ यात्रा करने के इच्छुक वरिष्ठ नागरिक https://devasthan.rajasthan.gov.in पर या edevasthan.rajasthan.gov.in पर आवेदन कर सकते हैं। आवेदक राजस्थान का निवासी होना अनिवार्य है। जो इनकम टैक्स पे नहीं करते हैं। वही नागरिक इस योजना के पात्र हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 10 अगस्त है। आवेदन के बाद जिला स्तरीय कमेटी पात्र लोगों का चयन करेगी और फिर तीर्थ यात्रा करने के लिए चयनित नागरिकों की सूची जारी की जाएगी।

राज्य सरकार कुल 56,000 हजार वरिष्ठ नागरिकों को मुफ्त में तीर्थ यात्रा कराने वाली है। 50,000 वरिष्ठ नागरिक ट्रेन में सफर करते हुए तीर्थ यात्रा कर सकेंगे जबकि हवाई सेवा के जरिए 6,000 वरिष्ठ नागरिकों को तीर्थ यात्रा कराई जाएगी। देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत का कहना है।

मालगाड़ी के 7 वैगन पटरी से उतरे

जयपुर-जोधपुर रेलमार्ग की 10 ट्रेन का रूट बदला

नागौर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। नागौर के गच्छीपुरा में जोधपुर से जयपुर की ओर जा रही मालगाड़ी शुक्रवार सुबह 10.15 बजे डिरेल हो गई।

मालगाड़ी के 7 वैगन और डीजल लोको के व्हील पटरी से उतर गए। घटना में जान-माल का नुकसान नहीं हुआ है। मालगाड़ी के डिरेल होने से जयपुर-जोधपुर इलेक्ट्रिक रेलमार्ग पर ट्रेनों का संचालन प्रभावित हुआ है। इस रूट से चलने वाली 10 ट्रेनों का रुट बदला गया है। उत्तर-पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण ने बताया- हादसे का कारणों का पता लगाया जा रहा है। दो एक्सीडेंट रिलीफ ट्रेन मेड़ता रोड और जोधपुर से मौके पर पहुंच चुकी हैं। डीआरएम अनुराग त्रिपाठी भी मौके पर पहुंचे हैं।

दौसा में होटल की आड़ में चल रहा था गंदा धंधा

पुलिस का छापा, 8 महिलाओं समेत 10 गिरफ्तार

दौसा, 18 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान की दौसा पुलिस ने देह व्यापार के अड्डे पर बड़ी कार्रवाई करते हुए होटल की आड़ में चल रहे अनैतिक धंधे का भंडाफोड़ किया है।

पुलिस को सूचना मिली थी कि आगरा रोड स्थित श्रीराम टिक्कड़ हाउस में बाहरी राज्यों से लड़कियों को बुलाकर देह व्यापार कराया जा रहा है। इस सूचना पर पुलिस ने योजना बनाई और एक पुलिसकर्मी को बोगस ग्राहक बनाकर होटल में भेजा।

बोगस ग्राहक ने की पुष्टि, पुलिस ने मारा छापा

पुलिसकर्मी ने मौके पर जाकर देह व्यापार की पुष्टि की। इसके बाद डीएसपी रवि शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके पर छापा मारा। होटल के बाहर टिक्कड़ हाउस का बोर्ड लगा था, लेकिन अंदर कुछ कमरों में देह व्यापार कराया जा रहा था। पुलिस ने मौके से दो ग्राहकों मिथुन और विश्राम को आपत्तिजनक स्थिति में गिरफ्तार किया। वहीं, कुल 8 महिलाओं को भी पकड़ा गया। इनमें चार उत्तर प्रदेश, दो हरियाणा, एक मध्य प्रदेश और दो महिलाएं राजस्थान की रहने वाली हैं।

कमाई का तरीका और आरोपी फरार

जानकारी के अनुसार होटल संचालक और एजेंट ग्राहक से 500 से 1000 रुपये तक वसूलते थे, जबकि महिलाओं को मात्र 250 से 300 रुपये दिए जाते थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 10 मोबाइल, आपत्तिजनक सामग्री और नकदी बरामद की है।

दौसा डीएसपी रवि शर्मा ने बताया कि होटल का संचालक पृथ्वी और एजेंट सतीश मौके से फरार हो गए हैं। दोनों की तलाश में पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। फिलहाल पुलिस ने 8 महिलाओं समेत कुल 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर मामला दर्ज कर लिया है।

मां ने बेटे और बेटी को कुएं में फेंका, दोनों की मौत-बड़ी बेटी ने भागकर बचाई जान

बांसवाड़ा, 18 जुलाई (एजेंसियां)। डूंगरपुर जिले के सदर थाना क्षेत्र के मोकरवाडा गांव में बीमारी से परेशान एक मां ने अपने चार वर्ष के बेटे और दो महीने की बेटी को कुएं में फेंक दिया। इससे दोनों की मौत हो गई। एक बेटी मौके से भाग निकली जिस कारण उसकी जान बच गई। महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार गुमानपुरा ग्राम पंचायत के बुयेला गांव निवासी महिला वर्षा पत्नी सुनील डामोर गुरुवार को अपनी बेटी उर्मिला (6), बेटे जीतू (4) और 2 महीने की बच्ची को लेकर अपने घर से पांच किलोमीटर दूर मोकरवाडा गांव पहुंचीं। वहां उसने नदी के किनारे एक बिना मुंडेर के कुएं में जीतू और दो महीने की मासूम को फेंक दिया। सहायक उप निरीक्षक भवानी सिंह ने बताया कि वर्षा 6 साल की बेटी उर्मिला को भी कुएं में फेंकने वाली थी, लेकिन वह मां का हाथ छुड़ाकर भाग गई।

आरटीई में सिलेक्ट स्टूडेंट्स का नहीं हो रहा एडमिशन

पेरेंट्स बोले-प्राइवेट स्कूल कर रहे मनमानी, मूक दर्शक बना शिक्षा विभाग

जयपुर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में राइट टू एजुकेशन पॉलिसी (आरटीई) के तहत पेरेंट्स की परेशानी बढ़ती जा रही है। सरकार की लॉटरी में सिलेक्ट होने के बाद भी प्रदेशभर में बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स को सेशन शुरू होने के बाद भी एडमिशन नहीं दिया जा रहा है। इसके बाद अब पेरेंट्स ने स्कूल मैनेजमेंट के साथ ही शिक्षा विभाग के खिलाफ भी मोर्चा खोलने की तैयारी कर ली है। राजस्थान में एक और जहां सरकार आरटीई के तहत 3 लाख से ज्यादा स्टूडेंट्स का प्राइवेट स्कूल में एडमिशन कराने का दावा कर रही है। वहीं, दूसरी ओर अपने बच्चों के एडमिशन के लिए पेरेंट्स आज भी दर-दर की ठोकर खाने को मजबूर हो रहे हैं। जयपुर में ही बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स को अब तक राइट टू एजुकेशन पॉलिसी के तहत एडमिशन नहीं दिया गया है। इसके बाद परेशान पेरेंट्स सरकार के खिलाफ आंदोलन की तैयारी में जुट गए हैं। जयपुर के झालाना, सांगानेर, सी-स्कीम, मालवीय नगर, वैशाली नगर, सोडाला और परकोटे क्षेत्र के प्राइवेट स्कूलों ने आरटीई के तहत पहली कक्षा में प्रवेश देने से साफ इनकार कर दिया गया है। अभिभावकों को न तो स्कूलों में कोई जवाब मिल रहा है, न ही शिक्षा विभाग से कोई समाधान मिल रहा है।

मालवीय नगर निवासी अजय हल्देनिया के बेटे को ओटीएस चौराहे के पास विद्याश्रम स्कूल में सिलेक्टेड दिखाया गया। लेकिन स्कूल ने पहली कक्षा में एडमिशन से मना कर दिया।

टैक्सी स्टैंड पर लाठी-तलवारों से हमला, दिल्ली से आया युवक गंभीर रूप से घायल

अलवर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। अलवर शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित दाउदपुर फाटक के पास टैक्सी स्टैंड पर बुधवार को टैक्सी वालों पर कुछ लोगों ने ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस हमले में एक युवक जो कल ही दिल्ली से आया था, गम्भीर रूप से घायल हो गया। हमलावर लाठी डंडे और तलवारों से लैस थे। घायल युवक दीपचंद ने बताया कि वह दिल्ली से आया था और शिवाजी पार्क का निवासी है। वह टैक्सी स्टैंड पर खड़ा था। तभी कुछ लोग लाठी, तलवार और सरिया लेकर आए और वहां पर हमला कर दिया। दीपक ने बताया कि जब तक वह कुछ समझ पाता हमलावरों ने उसे बुरी तरह पीटा और हालात यह हो गए कि उसे पीट-पीटकर घायल कर दिया। बताया जा रहा है कि हमलावर दाउदपुर क्षेत्र के रहने वाले थे।

उस्मानिया जनरल अस्पताल की टीम ने गरीब किशोरी की बचाई जान

'सुपर अर्जेंट श्रेणी' में "जीवनरक्षक आपातकालीन लिवर प्रत्यारोपण"

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के फिल्म नगर की रहने वाली 17 वर्षीय लड़की, मिस ब्लेसी गौड़, गंभीर और नाजुक हालत (हांफने की स्थिति) के साथ उस्मानिया जनरल अस्पताल आई थी। उसे 12 मई को एक्यूट फुलमिनेंट लिवर फेल्योर के साथ सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी आईसीयू में भर्ती कराया गया था। ग्रेड 4 हेपेटिक एन्सेफैलोपैथी/कोमा के कारण उसे इंट्यूबेशन किया गया और वेंटिलेटर से जोड़ा गया। उसे पीलिया के साथ 5 दिनों तक बुखार रहने का इतिहास है। शुरूआत में उसे एक निजी अस्पताल में दिखाया गया था, लेकिन उसकी बिगड़ती स्वास्थ्य स्थिति और आर्थिक तंगी के कारण उसे उस्मानिया लाया गया। अस्पताल के डाक्टरों के मुताबिक उसे गहरा पीलिया (सीरम बिलीरुबिन 23 मिग्रा/डेसीलीटर था), कोगुलोपैथी (रक्त का थक्का नहीं जम रहा था) के साथ आईएनआर 11, लैक्टेट 7.3 (मेटाबोलिक एसिडोसिस) और ग्रेड 4 हेपेटिक एन्सेफैलोपैथी थी। लिवर की बीमारी या लक्षणों का कोई इतिहास नहीं था। वह आपातकालीन लिवर प्रत्यारोपण के लिए किंग्स कॉलेज के मानदंडों को पूरा कर रही थी। लिविंग डोनर

लिवर प्रत्यारोपण कराने के बारे में सोचा, लेकिन उनके परिवार में कोई योग्य डोनर नहीं था। कोई अन्य भाई-बहन नहीं है और एकल अभिभावक हैं। उसकी माँ एक दर्जी के रूप में काम करती है और चिकित्सा समस्या से पीड़ित है।

उसे 48 घंटों के भीतर तत्काल लिवर प्रत्यारोपण की आवश्यकता है अन्यथा वह मर जाएगी। सामान्य तौर पर, यदि आप जीवन दान में कैडेवर लिवर ऑर्गन के लिए वैकल्पिक सूची में पंजीकरण करते हैं संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएनओएस), ब्रिटेन और यूरोप जैसे देशों में ऐसे मामलों को अति आवश्यक श्रेणी में प्राथमिकता दी जाती है। हमारे देश (नोट्टो) और हमारे राज्य (जीवनदान) में भी एक्यूट फुलमिनेंट लिवर फेलियर के मामलों के लिए ऐसी अति आवश्यक श्रेणी आवंटन नीति/जीवनरक्षक लिवर आवंटन नीति है। इस श्रेणी के अंतर्गत, जब भी जीवनदान को सहायक दस्तावेजों/जांच के साथ इलाज करने वाले अस्पताल से "अति आवश्यक श्रेणी" का अनुरोध प्राप्त होता है, तो लिवर विशेषज्ञ समिति इसकी समीक्षा करेगी और कैडेवर लिवर आवंटन के लिए स्वीकृति देगी। 48 घंटों के भीतर, जहां भी या जिस भी अस्पताल में ब्रेन डेड डोनर होगा, ऐसे मरीज का लिवर जीवन रक्षक उपाय के रूप में अति आवश्यक श्रेणी के मरीज को प्राथमिकता से आवंटित किया जाएगा। अस्पताल के डाक्टरों ने कहा कि सरकारी अस्पताल के इतिहास में पहली बार, हमने जीवनदान की मदद से अति आवश्यक श्रेणी के तहत एक्यूट फुलमिनेंट लिवर फेलियर के लिए आपातकालीन लिवर प्रत्यारोपण किया। ब्रेन डेड डोनर किसी अन्य निजी/कॉर्पोरेट अस्पताल से था। हमने 14 मई को लिवर ट्रांसप्लांट किया। मरीज़ बहुत अच्छी तरह से ठीक हो गई और 2 हफ़्ते बाद उसे स्वस्थ अवस्था में छुट्टी दे दी गई। अब वह अपनी बी.टेक प्रथम वर्ष की परीक्षा दे रही है। डाक्टरों कहा कि सभी को ऐसी मरणासन्न मरीज़ की मदद करके बहुत खुशी हुई।

दक्षिण मध्य रेलवे

निविदा सं. जीटीएल-इएम-17-25-26 दि.17-07-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/रखरखाव/गुण्टकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं. -जीटीएल-इएम-17-2025-26 कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजन-रायचूर-रायचूर रेलवे स्टेशन के विकासार्थ अतिरिक्त कार्य का प्रस्ताव-बिजली व्यवस्थाएं। अनुमानित मूल्यःरु.4,18,05,013.53

बंद करने की तिथि व समय - 08-08-2025 के 15.00 बजे

टेन्डर बिड्डिंग तथा अन्य विवरण हेतु http://www.ireps.gov.in पर लागिन करें। निविदा का शुद्धिपत्र, यदि कोई हो तो, उसे केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

टिप्पणीः इस ई-निविदा में सहभागिता/बोली में भाग लेने हेतु निविदाकार के पास वैध डीएससी(डिजिटल सिग्नीचर सर्टिफिकेट) प्रमाणपत्र होना चाहिए।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, (एम), गुण्टकल

निविदा सूचना सं. सीइइ/पी/एससी-2x25केवी-इपीसी-पीएसआई-डीवीडी-आरजेवाय-02-25-26-01 दि.17.07.2025

कृते भारत के राष्ट्रपति भारतीय गणराज्य की ओर से व के लिए, मुख्य बिजली अभियंता(परियोजनाएं), सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदा (आनलाइन) आमंत्रित हैं।

क्रम सं.01 निविदा सं. 2x25केवी-इपीसी-पीएसआई-डीवीडी-आरजेवाय-02 कार्य विवरणः विजयवाडा डिवीजन के दुव्वाडा-राजमण्ड्री तथा सामलकोट-काकीनाडा पोर्ट सेक्शन में एससीओटीटी-कनेक्टेड ट्रान्सफार्मर्स सहित 2x25केवी एटी सिस्टम में डिजाइन, आपूर्ति, इरेक्शन, परीक्षण एवं ट्रैक्शन सब-स्टेशन्स (टीएसएस) की कमीशनींग, सेक्शनींग पोस्ट्स(एसपी) एवं सब-सेक्शनींग तथा पैरलेलिंग पोस्ट्स (एसएसपी) कार्य। अनुमानित मूल्यः रु. 210,76,00,000.00 आनलाइन रूप में जमा की जानेवाली पूधरा या पूर्व धरोहर राशिः रु. 1,00,000,00/- निविदा प्रपत्र मूल्यः रु. शून्य कार्य पूरा करने की अवधिः 18 महिने (अठारह महिने) निविदा खोलने की तिथिः सिकंदराबाद

ई -टेन्डर (आनलाइन) के माध्यम से निविदा को बंद करने की तिथि व समयः14.11.2025 के 15.00 बजे

ई -टेन्डर (आनलाइन) के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि व समयः21.11.2025 के 16.00 बजे

टिप्पणीः निविदा दस्तावेजों/शुद्धिपत्रों/जोड में किसी भी संशोधन या माडिफिकेशन को, यदि आवश्यक होने पर, उपरोक्त वेबसाइट पर ही जारी किया जायेगा।

मुख्य बिजली अभियंता, परियोजनाएं, सिकंदराबाद

निविदा सूचना सं. एनइडी/इ-06 एण्ड 07/2025-26 दि. 17-07-2025

निम्न ई-निविदाओं @ www.ireps.gov.in के लिए आफर्स आमंत्रित हैं।

क्रम सं. 01 निविदा सं. एनइडी/इ-06/2025-26 कार्य विवरणः नान्देड डिवीजन पर अटोमेशन, वेब आधारित मानिटरिंग(आईओटी) तथा कन्ट्रोल्स आफ लिफ्ट्स व एस्केलेटर्स का प्रबंध। अनुमानित लागतः रू.39,17,547.00 बोली सुरक्षा रु. 78,400.00 आफर वैधः 60 दिन कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने तत्संबंधित विवरण नान्देड डिवीजन प्रशासन के तहत www.ireps.gov.in पर उपलब्ध बंद करने की तिथि व समयः 8-8-2025 के 15.00 बजे

क्रम सं. 02 निविदा सं. एनइडी/इ-07/2025-26 कार्य विवरणः नान्देड डिवीजन के मीडियम एवम् मेजर स्टेशनों के पटफार्मों पर चार्जिंग फैसिलीटीज का प्रावधान। अनुमानित लागतः रू.1,16,18,866.00 बोली सुरक्षा रु. 2,08100.00 आफर वैधः 60 दिन कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने तत्संबंधित विवरण नान्देड डिवीजन प्रशासन के तहत www.ireps.gov.in पर उपलब्ध बंद करने की तिथि व समयः 8-8-2025 के 15.00 बजे

निविदा दस्तावेज, योग्यता मापदण्ड, खास शर्तें आदि हेतु उपरोक्त हमारे वेबसाइट पर जाएं। सलाह दी जाती है कि, यह चेक करें कि, आफर की प्रस्तुति के पहले, यदि कोई शुद्धिपत्र तो प्रकाशित नहीं हुवा है।

विभागीय रेल प्रबंधक (बिजली), नान्देड

निविदा सूचना सं. जी/इ.252/टीआरएसओ/16/2025-26 दि. 17-07-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/टीआरएसओ/गुण्टकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.01 निविदा सं. व कार्य विवरणः निविदा सं. जी/इ.252/टीआरएसओ/16/2025-26, बीस(20) महिनों की अवधि के लिए रेणीगुन्टा स्टेशन पर विनिर्देशन आईएसः 1987/2002, ग्रेड सी तथा एएआर एम-916-51 नुसार, मुहरबंद पालिथिन 15 केजी बैग्स में लोकोमोटिव्ज में उपयोग के लिए ग्रेन साइज 850/425 माइक्रान की रेती या सैन्ड की आपूर्ति। अनुमानित लागतः रु. 16,03,800.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 20 महिने (बीस महिने) रिमार्क्सः रि-टेन्डर

बंद करने की तिथि व समयः 8-8-2025 के 12.00 बजे

टेंडर बिड्डिंग तथा अन्य विवरण हेतु http://www.ireps.gov.in पर लागिन करें। इस निविदा के प्रति यदि कोई शुद्धिपत्र जारी होता है तो, उसे केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता(टीआरएसओ), गुण्टकल

A1055

निविदा नियम शर्तें/अधिक जानकारी एवं निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrail-ways.gov.in देखें।

सड़क न होने पर ग्रामीणों ने चुनाव बहिष्कार की दी धमकी

कुमराम भीम आसिफाबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। लिंगापुर मंडल के खीमानिक थांडा और लोड्डीगुडा गांवों के निवासियों ने शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन किया और धमकी दी कि अगर उनके गांवों तक सड़क पहुंच सुनिश्चित नहीं की गई तो वे आगामी स्थानीय निकाय चुनावों का बहिष्कार करेंगे। ग्रामीणों ने लोड्डीगुडा में सड़क पर धरना दिया और उचित सड़क संपर्क के अभाव में मानसून के मौसम में खुद को अलग-थलग महसूस करने पर अपनी पीड़ा व्यक्त की। उन्होंने आरोप लगाया कि बुनियादी ढाँचे की कमी के कारण दुखद घटनाएँ हुई हैं, जिनमें महिलाओं और बच्चों की मौतें भी शामिल हैं, जिन्हें परिवहन में देरी के कारण समय पर सरकारी अस्पतालों में नहीं पहुँचाया जा सका।

सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए, निवासियों ने अपनी लंबे समय से लंबित समस्या के समाधान के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि अगर सड़क सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई, तो वे आगामी चुनावों में मतदान नहीं करेंगे। हालांकि, स्थानीय अधिकारियों द्वारा यह आश्वासन दिए जाने के बाद कि मामले को तत्काल समाधान के लिए उच्च अधिकारियों के समक्ष उठाया जाएगा, विरोध प्रदर्शन समाप्त कर दिया गया।

स्वदेशी गोताखोर सहायता पोत निस्तार विशाखापट्टनम में शुरू

विशाखापट्टनम, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के पहले स्वदेश निर्मित गोताखोर सहायता पोत, निस्तार का शुक्रवार को यहां जलावतरण हुआ, जो एक बड़ी समुद्री उपलब्धि है। निस्तार का निर्माण मूल रूप से 29 मार्च, 1971 को हुआ था और इसने भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान विशाखापट्टनम बंदरगाह के बाहर डूबी हुई पाकिस्तान की पनडुब्बी गाजी की पहचान करने और पूर्वी अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने कहा कि नया निस्तार उन्नत संतृप्ति गोता प्रणाली और पनडुब्बियों सहित गहरे जलमग्न बचाव जहाजों को बचाने की क्षमता के साथ अपनी विरासत को आगे बढ़ाएगा।

त्रिपाठी ने कमीशनिंग समारोह के दौरान कहा, पुराने जहाज कभी नष्ट नहीं होते, वे हमेशा उन्नत रूप में लौटते हैं। सीएनएस ने कहा कि निस्तार तकनीकी और परिचालन दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण है, जो भारत और क्षेत्रीय साझेदारों की पनडुब्बी बचाव क्षमताओं को बढ़ाएगा, तथा भारत वैश्विक स्तर पर पनडुब्बी बचाव में एक पसंदीदा

साझेदार के रूप में उभरेगा। त्रिपाठी ने कहा कि विश्व में केवल कुछ ही नौसेनाओं के पास ऐसी क्षमताएं हैं, तथा बहुत कम देश इन्हें स्वदेशी रूप से विकसित करते हैं, तथा निस्तार भारत के समुद्री-आधारित उद्योग को बढ़ावा दे रहा है। इस कार्यक्रम में भाग लेते हुए रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि भारतीय नौसेना का गौरवशाली विजयों का इतिहास रहा है और उन्होंने कहा कि निस्तार भारत की वैश्विक पहचान को बढ़ाएगा तथा यह साबित करेगा कि भारतीय नौसेना विश्व शक्तियों के बीच बराबरी पर है।

उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि 1989 में बंद कर दिए गए निस्तार का वजन 800 टन था, अब इसे पुनर्जीवित कर 10,500 टन वजनी बना दिया गया है तथा इसकी लंबाई 120 मीटर है, जो विकसित भारत के तकनीकी परिवर्तन को दर्शाता है।

सेठ ने कहा, 'भारत आयातक से निर्यातक बन गया है', 23,622 करोड़ रुपये मूल्य के रक्षा सामान का निर्यात किया गया तथा 50,000 करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा गया, जिसे एमएसएमई क्षेत्र के 120 कर्मियों के प्रयासों से हासिल किया गया। इसके अलावा, सेठ ने दोहराया कि भारत जर्मनी को पीछे छोड़कर तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है।

रोज देंगे दान तो जल्दी बन जाएंगे धनवान : राष्ट्रसंत

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जो दो हाथों से दान देते हैं, विधाता उनकी हजार हाथों से झोलियां भरता है। अगर आप रोज देंगे दान तो बहुत जल्दी बन जाएंगे धनवान। दान देने से रुपए कम होते हैं, पर लक्ष्मी की कृपा दुगुनी बरसती है। जैसे धरती में एक बीज बोया जाए तो प्रकृति हजार गुना लौटाती है, वैसे ही दान और कुछ नहीं, समृद्धि पाने का इन्वेस्टमेंट है, जो कई गुना होकर वापस लौट आता है। याद रखें, परोपकार से बढ़कर कोई पुण्य नहीं है और पीड़ा से बढ़कर कोई पाप नहीं। जैसे बिना डॉक्टर का अस्पताल, बिना मूर्ति का मंदिर, बिना ब्रेक की गाड़ी, बिना पैसे का पर्स, बिना पानी की नदी बेकार है। वैसे ही परोपकार बिना जीवन बेकार है। अगर हम यहां किसी का अच्छा कर रहे होते हैं तो मान कर चलिए ऊपर वाला हमारे लिए भी अच्छा कर रहा होता है। उक्त उद्गार हैं राष्ट्र-संत श्री चन्द्रप्रभ जी महाराज के। वे शुक्रवार को लोक कल्याणकारी चातुर्मास समिति नामपल्ली के एग्जिबिशन ग्राउंड में आयोजित 53 दिवसीय प्रवचनमाला में अमीर बनने के लिए कौन सा करें दान विषय पर प्रवचन दे रहे थे। राष्ट्र-संत ने कहा कि एक फैक्ट्री में मजदूर काम करता है, जो मेहनत से रोज के 500 रुपये कमाता है, इंजीनियर काम करता है, जो दिमाग से 5000 कमाता है, पर एक मालिक भी काम करता है, जो किस्मत से 5,00,000 रुपये रोज कमाता है। इस किस्मत को खोलने का सरल रास्ता है दान। दान देने से हमारी बंद पड़ी भाग्य रेखा खुलनी शुरू हो जाती है।

संतश्री ने अमीरों से कहा कि अगर आप अपनी सारी संपत्ति संतानों के लिए छोड़ कर जाएंगे तो आपको दो लोग याद करेंगे, पर आप जनता के लिए कुछ करके चले जाओगे तो आपको हजारों लोग याद करेंगे। जिसके पास 'भेजा' होता है, वह कमाना जानता है, पर जिसके पास कलेजा होता है, वही लगाना जानता है। सूरज हमें रोशनी देता है, हम भी तो कुछ देना सीखें। जो कुछ हमें प्रभु से मिला है, उसे बांटकर खाना सीखें। अगर आपके पास दो रोटी है और खाने वाले चार है तो भी मिल बांटकर खाने का आनंद लीजिए।

राष्ट्र-संत ने कहा कि दूध का सार मलाई है, पर जीवन का सार भलाई है। हाथ से फेंका गया पत्थर 100 फीट दूर जाता है, बंदूक से दागी गई गोली 500 फीट दूर जाती है, तोप से छोड़ा गया गोला 5000 फीट दूर जाता है, पर गरीब को खिलाई रोटी ठेठ स्वर्गलोक तक जाती है। अगर हम औरों का भला करेंगे तो हमारा लाभ अपने आप बढ़ता जाएगा।

राष्ट्र-संत ने टोटके बताते हुए कहा कि अगर आपके ऊपर ग्रह-गोचर भारी है तो रोज दो रोटी गुड़ के साथ गौ माता को खिलाइए, आपके सारे ग्रह अनुकूल हो जाएंगे। अगर आपको दुश्मनों से डर लगता है तो कुत्ते को दूध के साथ रोटी खिलाइए। अगर आप धन की आवक बढ़ाना चाहते हैं तो रोज पक्षियों को 10 रुपये के दाने डालिए या किसी मटके या कुंडे में पानी डालकर छत पर रख दीजिए। अगर आपके ऊपर कोई कर्ज है और उसे उतारना चाहते हैं तो रोज कीड़ी नगरा सींच कर आ जाइए। आमदनी के नए रास्ते खोलने हैं तो मछलियों को आटे की गोलियां खिलाइए। आपके जीवन में कोई भी रुकावट आ रही है, आप दानधर्म कीजिए, सारे समाधान स्वतः होते जाएंगे।

संत प्रवर श्री चन्द्रप्रभ ने कहा कि दान के अनेक प्रकार हैं : अन्नदान, वस्त्रदान, ज्ञानदान, रक्तदान, नेत्रदान, श्रमदान आदि। जब भी दान दें तो पुरानी, खराब, गंदी, बिना काम की वस्तुएं देने की बजाय उत्तम, श्रेष्ठ, नई और ताजी वस्तुओं का दान करें ताकि हमें उत्तम परिणाम प्राप्त हो सकें।

विशेष अतिथि में पधारे राजस्थानी देवासी समाज हैदराबाद सिकंदराबाद अध्यक्ष कालुराम देवासी, उपाध्यक्ष जुढाराम देवासी, पदमाराम देवासी, कोषाध्यक्ष गोपाल देवासी, लीला राम देवासी एवं हमारी समिति के कार्यकर्ता मनीष श्री श्री माल, अशोक रामपुरिया, विनोद लुणावत का स्वागत लोक कल्याणकारी दिव्य सत्संग चातुर्मास समिति के संघ संरक्षक विमल नाहर, चेयरमैन मोतीलाल भलगट, वाईस चेयरमैन उमेश बागरेचा, अध्यक्ष प्रदीप सुराणा आदि ने सभी का स्वागत किया।

नुमाइशी मैदान में बुधवार को 12 दिवसीय सामूहिक तप और आराधना का पांचवां दिन के अंतर्गत 375 आराधक श्रद्धालु अरिहंत पद की आराधना और साधना करते हुए एकासना किया। इसके अंतर्गत राष्ट्रसंतों के द्वारा प्रवचन के बाद सामूहिक देव वंदन, चैत्य वंदन, अरिहंत पद का जाप, मेडिटेशन, गुणों की आराधना करवाई गई। इसके बाद प्रवचन पंडाल के पीछे सामूहिक एकासना खोला गया। शाम को 7 बजे पंडाल के बाहर कॉलेज भवन में गुरुजनों के द्वारा प्रतिक्रमण की आराधना करवाई गई।

महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं के लिए वन भूमि अधिग्रहण में तेजी लाने के निर्देश : मंत्री श्रीधर बाबू

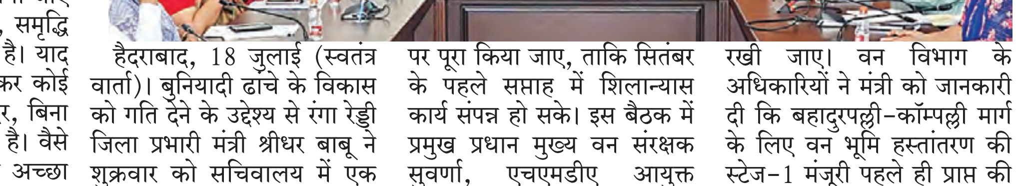

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बुनियादी ढांचे के विकास को गति देने के उद्देश्य से रंगा रेड्डी जिला प्रभारी मंत्री श्रीधर बाबू ने शुक्रवार को सचिवालय में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक का उद्देश्य प्रमुख सड़क परियोजनाओं के लिए आवश्यक वन भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को तेज करना था।

बैठक में दो प्रमुख सड़क परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई- एक छह लेन की सड़क जो बाचुपल्ली से गंडिमैसम्मा तक जाएगी, और दूसरी जो बहादुरपल्ली से होकर दूलापल्ली के रास्ते कॉम्पल्ली तक पहुंचेगी। मंत्री श्रीधर बाबू ने वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिया कि वन और गैर-वन भूमि के अधिग्रहण एवं हस्तांतरण की प्रक्रिया को युद्धस्तर पर पूरा किया जाए, ताकि सितंबर के पहले सप्ताह में शिलान्यास कार्य संपन्न हो सके। इस बैठक में प्रमुख प्रधान मुख्य वन संरक्षक सुवर्णा, एचएमडीए आयुक्त सरफराज नवाज, जीएचएमसी अतिरिक्त आयुक्त, कॉम्पल्ली नगरपालिका आयुक्त और मेडचल के अतिरिक्त कलेक्टर सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। कुल 19 एकड़ वन भूमि के हस्तांतरण की पहचान की गई है। मंत्री ने निर्देश दिया कि इस भूमि के हस्तांतरण से संबंधित पहले चरण की सभी औपचारिकताएं निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण की जाएं। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि निजी भूमि के अधिग्रहण और मुआवजे के वितरण में मानवीय दृष्टिकोण अपनाया जाए, और इसके लिए आवश्यक धनराशि पहले से तैयार रखी जाए। वन विभाग के अधिकारियों ने मंत्री को जानकारी दी कि बहादुरपल्ली-कॉम्पल्ली मार्ग के लिए वन भूमि हस्तांतरण की स्टेज-1 मंजूरी पहले ही प्राप्त की जा चुकी है, जबकि बाचुपल्ली-गंडिमैसम्मा सड़क के लिए प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इसके अलावा, मंत्री श्रीधर बाबू ने राजस्व और नगरपालिका अधिकारियों को निर्देश दिया कि सुबाष नगर पाइपलाइन और सेंट एन्स स्कूल सड़क जैसे अन्य प्राथमिक परियोजनाओं को भी शीघ्र पूरा किया जाए। मंत्री ने कहा कि इन सड़क परियोजनाओं के पूर्ण होने से आठ विधानसभा क्षेत्रों के लोगों को लाभ मिलेगा, जिससे क्षेत्रीय संपर्क बेहतर होगा और हजारों नागरिकों की आवाजाही में सुविधा बढ़ेगी।

रेरा उल्लंघन के लिए तीन रियल एस्टेट कारोबारियों पर जुर्माना

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (टीजी रेरा) ने रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (रेरा) के मानदंडों का उल्लंघन करने के लिए हैदराबाद स्थित तीन बिल्डरों को दंडित किया है। पहले मामले में, कंट्रीसाइड रियल्टर्स इंडिया (कावुरी हिल्स), माधापुर पर हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एचएमडीए) या अनिवार्य रेरा पंजीकरण से अनुमति लिए बिना मोकिला स्थित अपने 'वेस्टेंड ग्रीन्स' प्रोजेक्ट में 20 विला बेचने के लिए 38,59,436 रुपये का जुर्माना लगाया गया। इस प्रोजेक्ट में मूल रूप से 117 विला प्रस्तावित थे।

पांच विला मालिकों ने टीजी-रेरा में शिकायत दर्ज कराई कि डेवलपर एचएमडीए के साथ लेआउट का पुनर्मूल्यांकन कराने में विफल रहा है और उसने रेरा के नियमों का पालन नहीं किया है। टीजी-रेरा के अध्यक्ष एन सत्यनारायण ने दो सदस्यों के साथ मिलकर डेवलपर को 10 दिनों के भीतर एचएमडीए से आवश्यक अनुमोदन प्राप्त करने का निर्देश दिया।

दूसरे मामले में, कुकटपल्ली स्थित सैंडस्टोन इंफ्रा (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड पर मेडचल मंडल में अपना लेआउट पंजीकृत न कराने के कारण 9.01 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। शिकायतकर्ता, जिसने 38.91 लाख रुपये में 167 वर्ग गज का प्लॉट खरीदा था, ने आरोप लगाया कि कंपनी ने एचएमडीए द्वारा अनुमोदित वैध पंजीकरण प्रमाणपत्र उपलब्ध नहीं कराया था।

जुर्माने के अलावा, टीजी-रेरा ने सैंडस्टोन इंफ्रा को डिफॉल्टर घोषित कर दिया और प्रतिवादी के नाम सहित उसका विवरण आधिकारिक पोर्टल पर अपलोड कर दिया। तीसरे मामले में, हैदराबाद स्थित एनडीएल इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड और बेंगलुरू स्थित रेड्डी अर्बन इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड पर संयुक्त रूप से 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। ज़मीन मालिक के कानूनी उत्तराधिकारी अफ़ज़लुद्दीन खान ने आरोप लगाया कि एनडीएल इंफ्राटेक ने एक फर्जी व्यक्ति से अवैध रूप से विवादित इनामी ज़मीन हासिल की और उसे रेड्डी अर्बन इंफ्रा को बेच दिया। ज़मीन पर मुकदमा होने के बावजूद, दोनों पक्षों ने विवादित ज़मीन पर एक ब्लॉक बनाने के लिए रेरा पंजीकरण प्राप्त कर लिया।

भारी बारिश से हैदराबाद में पानी भर गया, यातायात बाधित

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को शहर और उपनगरों में भारी बारिश हुई, जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ और प्रमुख सड़कों पर यातायात बाधित हुआ। तीव्र और व्यापक वर्षा के कारण सड़कें पूरी तरह जलमग्न हो गईं, निचले इलाके जलमग्न हो गए तथा वाणिज्यिक परिसरों और आवासीय अपार्टमेंटों के तहखानों में पानी घुस गया। कई जगहों पर पैदल यात्री घुटनों तक भरे पानी में मुश्किल से गुज़र रहे थे, बाइक सवारों को बाहर निकलने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी और गाड़ियाँ जलमग्न इलाकों में आगे बढ़ने के लिए लड़खड़ाती रहीं। कुछ जगहों पर, परेशान यात्रियों को कमर तक भरे बारिश के पानी से निकलने के लिए मशक्कत करनी पड़ी।

आवासीय क्षेत्रों में आंतरिक सड़कें भी प्रभावित हुईं और कई जगहों पर बारिश का पानी घरों में घुस गया। लगातार बारिश के कारण, बथुकम्मा कुंटा में भारी जलभराव की सूचना मिली, जबकि मूसी में मूसारामबाग पुल पर बारिश का पानी भर गया, जिससे वाहन चालकों को भारी असुविधा हुई। अमीरपेट के गायत्रीनगर में पानी स्विमिंग पूल जैसा जमा हो गया, जबकि नचाराम भवानीनगर नाले में एक ऑटो रिक्शा को पानी के तेज बहाव में घसीटते हुए देखा गया।

गच्चीबावली, माधापुर, लकड़ी-का-पुल, रायदुर्ग, मियापुर, कुकटपल्ली, तरनाका, एलबी नगर और उप्पल में भारी ट्रैफिक जाम के कारण वाहन धीमी गति से चल रहे थे। बाहरी इलाकों में भी यही नजारा देखने को मिला, जहाँ धीमी गति से चलने वाले वाहनों के कारण संपर्क मार्ग जाम हो गए। सिकंदराबाद में स्कूली छात्रों को अपने स्कूल परिसर से बाहर निकलने और अपने घरों तक पहुँचने के लिए इंतज़ार कर रहे ऑटो में सवार होने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। जीडीमेटला औद्योगिक क्षेत्र में बढ़ते बारिश के पानी में कुछ वाहनों के बह जाने और बोवेनपल्ली बाज़ार में पानी भर जाने की भी खबरें हैं। इस बीच, सड़कों पर बाढ़ से निपटने के लिए जीएचएमसी, एचएमडब्ल्यूएसएसबी और हाइड्रा की विशेष टीमें भेजी गईं। यातायात बाधित होने के कारण सभी मेट्रो स्टेशनों पर भारी भीड़ देखी गई। लगभग सभी मेट्रो स्टेशन लोगों से खचाखच भरे हुए थे और टिकट काउंटरों और प्लेटफार्मों पर लंबी-लंबी कतारें देखी गईं।

कच्छ के लिये सीधी रेल शुरू करने का ज्ञापन सौंपा

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। प्राणी मित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउण्डेशन एवं अन्य सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने केन्द्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी से भाजपा कार्यालय मे भेंटकर उन्हें हैदराबाद से भुज, गांधीधाम या नलीया एयरबेस (कच्छ) तक सीधी रेल सेवा प्रारंभ करने के लिये ज्ञापन सौंपा।

आज यहां जारी एक प्रेस विज्ञापती में रिद्धीश जागीरदार ने बताया कि पाटीदार समाज की ओर से जसमत पटेल, श्री कच्छी मित्र मंडल के ट्रस्टी योगेश गोसर, श्री गुजराती प्रगती समाज के मंत्री राहुल छेडा, आल इंडिया जैन माईनोरिटी फेडरेशन के मुकेश चौहान, तेलंगाना नेता विजय सुराणा, श्री जैन सेवा संघ के जैन युवारत्न गौतम गांधी आदि के प्रतिनिधि मंडल ने जी. किशन रेड्डी से भेंटकर उन्हे हैदराबाद से भुज, गांधीधाम या नलीया एयरबेस (कच्छ) तक रेल सेवा प्रारंभ करने के लिये ज्ञापन सौंपा। अवसर पर कच्छ कडवा पाटीदार समाज, श्री हैदराबाद कच्छ कडवा पाटीदार समाज, श्री सिकंदराबाद कच्छ कडवा पाटीदार समाज, श्री हैदराबाद सिकंदराबाद गुजराती ब्रह्मण समाज, श्री कच्छी दशा ओसवाल जैन महाजन, श्री कच्छी गुर्जर जैन परिवार, कच्छी ओसवाल म्युच्यली एडेड सोसायटी की ओर से ज्ञापन सौंपा। अवसर पर देवचंद गाला, अनीश छेडा, कौशीक मैशेरी, रमण नागडा, झेनी हेमांग मोमाया, वैशाली शाह, बिजेपी नेता सूर्यप्रकाश सिंह आदि उपस्थित थे।

रिद्धीश जागीरदार ने ज्ञापन सौपते हुए कहा कि कच्छ गुजरात और इसके आस-पास के क्षेत्रों के करीब 2 लाख लोग हैदराबाद और सिकंदराबाद के साथ साथ तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश के विभिन्न जिलो में बसे हैं। जो नियमित रूप से सपरिवार धार्मिक अनुष्ठान तथा सामाजिक, वैवाहिक, आदि अवसर पर इन क्षेत्रों की यात्रा करते हैं। इसके अतिरिक्त गुजरात के कच्छ प्रांत में कई बडे उद्योगों में तेलंगाना एवं आंध्रप्रदेश के तेलुगु भाषी लोग बहुसंख्या में इस प्रांत मे कार्यरत है। हैदराबाद और कच्छ के बीच सीधी रेल सेवा न होने के कारण इन यात्रियों को भारी यात्रा शुल्क वहन करना पड़ता है और अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए काफी समय भी खर्च करना पड़ता है।

मिलावटी दूध इकाई का भंडाफोड़, मालिक गिरफ्तार

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा विशेष अभियान दल ने शुक्रवार को उपनगर पर्वतपुर में एक विनिर्माण इकाई पर छापा मारा और उसके मालिक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि जी मुरलीकृष्ण रेड्डी दूध में मिलावट करके उसे होटलों और घरों में बेच रहा था। वह पिछले कुछ सालों से इस गोरखधंधे में लिप्त था। अधिकारियों ने मौके से 110 लीटर मिलावटी दूध, स्किम्ड मिल्क पाउडर, हाइड्रोजन पेरोक्साइड और अन्य सामग्री जब्त की। एसओटी अधिकारियों ने संदिग्ध व्यक्ति और जब्त सामग्री को आगे की कार्रवाई के लिए मेडिपल्ली पुलिस को सौंप दिया।

श्रम विभाग का अधिकारी 50,000 रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

मंचेरियल, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के अधिकारियों ने शुक्रवार को श्रम विभाग के एक अधिकारी को एक शिकायतकर्ता से आधिकारिक लाभ के लिए कथित तौर पर 50,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। एसीबी अधिकारियों ने बताया कि सहायक श्रम अधिकारी कटम राम मोहन को शिकायतकर्ता से आकस्मिक मृत्यु दावा और अंतिम संस्कार शुल्क की मंजूरी के लिए उच्च अधिकारियों को आवेदन भेजने और आगे बढ़ाने के लिए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। राम मोहन को करीमनगर में एसीबी मामलों की विशेष अदालत में पेश किया गया और न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

इंग्लैंड के खिलाफ भारत कर सकता है सीरीज बराबर : मोहम्मद कैफ

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने युवा भारतीय टीम का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि टीम इंडिया इंग्लैंड में चल रही टेस्ट सीरीज में वापसी कर सकती है। उन्होंने ये भी माना कि हार के बाद घबराहट से टीम का लय बिगड़ सकता है। आईएएनएस के साथ खास बातचीत में कैफ ने विराट कोहली, रोहित शर्मा, मोहम्मद शमी और आर. अश्विन जैसे सीनियर खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी के बावजूद भारतीय टीम की मजबूती की तारीफ की और कप्तान शुभमन गिल के नेतृत्व और बल्लेबाजी की सराहना की।

कैफ ने टीम के सिलेक्शन की वकालत की और टीम प्रबंधन को हार के बाद जल्दबाजी में फैसले न लेने की सलाह दी। उन्होंने करुण नायर जैसे खिलाड़ियों पर भरोसा और मौजूदा प्लेइंग इलेवन को समर्थन देने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, आपने चार दिन तक अच्छा क्रिकेट खेला और पांचवें दिन हार गए। इसका मतलब यह नहीं कि आप अपनी योजनाएं बदल दें। कैफ ने जसप्रीत बुमराह के अगले महत्वपूर्ण टेस्ट में खेलने की संभावना और बल्लेबाजी टीम के फॉर्म में होने पर कहा, 2-2 से सीरीज बराबर होने की अच्छी संभावना है, भारत को बस शांत रहकर समझदारी से खेलना होगा।

सीरीज में भारत के प्रदर्शन पर कैफ ने कहा, भारत ने पिछले 15 में से 12-13 दिन तक दबदबा बनाए रखा। उन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से शानदार क्रिकेट खेला। जब यह टीम इंग्लैंड पहुंची, तो ज्यादातर लोग 0-4 या 1-4 से हार की भविष्यवाणी कर रहे थे, लेकिन इस युवा टीम ने सभी को चौंका दिया। कोहली, रोहित, शमी और अश्विन के बिना इस टीम ने शानदार प्रदर्शन किया।

दो करीबी मैच हारे-हेडिंग्ले भारत की पहुंच में था और 193 रनों का पीछा करते हुए आखिरी टेस्ट भी। शुभमन गिल ने कप्तान और बल्लेबाज के रूप में शानदार प्रदर्शन किया। इंग्लिश परिस्थितियों में उनकी क्षमता पर सवाल थे, लेकिन उन्होंने बल्ले से जवाब दिया। थोड़ी सी किस्मत के साथ भारत तीनों टेस्ट जीत सकता था।

लॉर्ड्स में आखिरी मैच के रन-चेज और रवींद्र जडेजा पर बात करते हुए कैफ ने कहा, जडेजा ने शानदार पारी खेली और उन्हें पूरा श्रेय जाता है, लेकिन अगर वे 10 प्रतिशत अधिक आक्रामक होते, तो नतीजा अलग हो सकता था। यह 5वां दिन का पिच था और गेंद रिवर्स हो रही थी, उछाल असमान था, और परिस्थितियां मुश्किल थीं। जब यशस्वी जायसवाल बल्लेबाजी करने आए, तो उन्होंने केवल तीन गेंदें खेलीं। उस समय स्ट्राइक मैनेज करना जरूरी था और यह ध्यान देना कि बुमराह या सिराज जैसे टेलएंडर कितनी गेंदें खेल रहे हैं। जडेजा ने 90 प्रतिशत काम कर दिया था। बस 10 प्रतिशत और कुछ जोखिम भरे शॉट्स और चेज पूरा हो सकता था। लेकिन, बाहर से कहना आसान है। उस पल का दबाव केवल बल्लेबाज ही समझ सकता है। फिर भी, यह यादगार पारी थी।

मैराथन विश्व रिकॉर्ड धारी चेपनगेटिच डोपिंग जांच में पॉजिटिव, अस्थायी रूप से हुईं निलंबित

मोनाको, 18 जुलाई (एजेंसियां)। विश्व रिकॉर्ड धारी महिला मैराथन एथलीट रूथ चेपनगेटिच मुश्किल में घिरती नजर आ रही हैं। चेपनगेटिच डोपिंग जांच में पॉजिटिव पाई गई हैं जिसके बाद उन्हें अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। ट्रैक एंड फील्ड की एथलेटिक्स नैतिक इकाई (एआईयू) ने गुरुवार को यह जानकारी दी। जांचकर्ताओं ने बताया कि चेपनगेटिच का मार्च में प्रतिबंधित मूत्रवर्धक और मास्किंग एजेंट की जांच पॉजिटिव आई है और एआईयू की जांच जारी रहने तक उन्होंने स्वैच्छिक अस्थायी निलंबन का विकल्प चुना। केन्या की इस धावक ने पिछले साल अक्तूबर में शिकागो मैराथन में दो घंटे, नौ मिनट, 56 सेकेंड में लगभग दो मिनट के अंतर से विश्व रिकॉर्ड बनाया था। एआईयू ने अनुशासनात्मक मामले के लिए कोई समय नहीं दिया है।

बीसीसीआई के टूर्नामेंट के लिए तैयारी शुरू

मेरठ, 18 जुलाई (एजेंसियां)। बीसीसीआई की ओर से अक्तूबर से घरेलू क्रिकेट का सीजन शुरू किया जा रहा है। इसमें सीनियर वर्ग में रणजी ट्रॉफी, अंडर 23 में कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी, स्टेट ए ट्रॉफी की कई श्रृंखलाएं शुरू होनी है। इसे लेकर उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से प्रशिक्षण शिविर लगाकर खिलाड़ियों को तैयार किया जा रहा है। मेरठ से काफी संख्या में खिलाड़ी इस प्रशिक्षण शिविर का हिस्सा बने हैं। इसके बाद 18 अगस्त से यूपी लीग का तीसरा सीजन शुरू हो जाएगा, जिसके चलते अभी से शिविर लगाया गया है।

उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से कानपुर में प्रशिक्षण शिविर लगाया गया है। इस शिविर में मेरठ से ऑलराउंडर शुभम मिश्रा, बल्लेबाज रितुराज शर्मा, तेज गेंदबाज विनीत पंवार, विजय कुमार, अजय कुमार, बल्लेबाज प्रियम गर्ग समेत कई बड़े खिलाड़ी शिविर का हिस्सा है। इस शिविर में खिलाड़ियों को अनुभवी कोच के द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मेरठ से ऑलराउंडर शुभम मिश्रा ने कहा कि कैंप में हिस्सा लेकर काफी लाभ मिलता है। जो भी कमी रहती है उसे यहां दूर कराया जा रहा है। अक्तूबर में घरेलू सीजन की शुरुआत हो रही है, जिसे लेकर यह तैयारी चल रही है।

बॉक्सिंग प्रतियोगिता में कार्तिक यादव ने जीता स्वर्ण पदक

रुड़की रोड पर छठी वाहिनी पीएसी स्थित पुलिस मॉडर्न स्कूल के छात्र कार्तिक यादव ने बॉक्सिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया। कार्तिक यादव कक्षा 12वीं का छात्र है। छात्र ने सीबीएसई क्लस्टर 25-2026 और 12 से 16 जुलाई तक देहरादून के सोशल बलुनी पब्लिक स्कूल में आयोजित नॉर्थ जोन बॉक्सिंग प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया था। प्रतियोगिता में लगभग 150 विद्यालयों के 960 छात्रों ने प्रतिभाग किया, जिसमें कार्तिक यादव ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। छात्र के पिता पवन कुमार पुलिस सेवा में कार्यरत हैं।

जिला स्तरीय बॉक्सिंग ट्रायल में पहुंची मात्र एक खिलाड़ी

प्रदेश स्तरीय सब जूनियर बालिका बॉक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन 21 से 23 जुलाई तक मथुरा में होना है। प्रतियोगिता को लेकर बृहस्पतिवार को कैलाश प्रकाश स्पोर्ट्स स्टेडियम में जिला स्तरीय ट्रायल होने थे, लेकिन ट्रायल के लिए मात्र एक ही खिलाड़ी पहुंची। आज मंडलीय ट्रायल सुबह 11 बजे से शुरू होंगे। जिला स्तरीय ट्रायल कैलाश प्रकाश स्पोर्ट्स स्टेडियम में दोपहर तीन बजे तक होने थे, लेकिन 46 से 49 किलोग्राम में मात्र एक खिलाड़ी वंशिका भाटी ही ट्रायल देने पहुंची। कोच अभिषेक और उत्तर प्रदेश बॉक्सिंग एसोसिएशन के तकनीकी निदेशक रोबिन सिंह मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को टीम का चयन किया जाएगा। प्रतियोगिता में पहले दिन जिले से खिलाड़ी नहीं पहुंच सके, लेकिन आज काफी संख्या में मेरठ, बुलंदशहर, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, बागपत जिलों से खिलाड़ियों के आने की उम्मीद है।

गोथिया कप में मिनर्वा का जलवा : क्वार्टर फाइनल में धमाकेदार एंट्री, अब तक 46 गोल ठोके

चंडीगढ़। स्वीडन की धरती पर भारतीय फुटबॉल की नई कहानी लिखी जा रही है। गोथिया कप 2024 में मिनर्वा एकेडमी एफसी ने ऐसा प्रदर्शन किया है, जिसने दुनिया का ध्यान खींचा है। टूर्नामेंट में अब तक 46 गोल ठोकने वाली इस टीम ने सिर्फ एक गोल अपने खिलाफ होने दिया है, वो भी ग्रुप स्टेज के शुरुआती मैच में। बाक़ी सफर में सिर्फ़ जीतें हैं, और वो भी तूफानी अंदाज़ में।

नॉकआउट दौर में मिनर्वा का सामना पहले स्वीडन की टीम लेरम्स आईएस से हुआ, जहां उन्होंने विरोधियों को सांस लेने तक का मौका नहीं दिया। 9-0 की करारी जीत के साथ टीम ने अपनी धमाकेदार मौजूदगी दर्ज कराई। मैच की शुरुआत चेतन के गोल से हुई और फिर कमल, गुनांडो (2), थोकचोम, रीसन, डेनामोनी, आज़म और अमरोन ने स्कोरशीट में नाम दर्ज कराया। डिफेंस इतना मजबूत था कि स्वीडिश टीम एक भी अटैक को अंजाम नहीं दे सकी। इसके बाद राउंड ऑफ 16 में फिनलैंडिया पालो एआईएफ की चुनौती सामने थी। मिनर्वा ने यहां भी कोई रहम नहीं दिखाया और 5-0 की जीत दर्ज की। योहेनबा, रिदम, कमल, चिंगखेई और अमरसन ने गोल दागे। पूरे मैच में भारतीय वॉरियर्स का अटैकिंग फॉर्म अनवरत रहा। विपक्षी टीम की हर चाल उनके आगे फीकी साबित हुई। मिनर्वा एकेडमी एफसी के युवा खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में सिर्फ प्रतिभागी बनकर नहीं आए, बल्कि विजेता बनने का इरादा लेकर उतरे हैं। ग्रुप स्टेज से लेकर नॉकआउट तक उन्होंने जो प्रदर्शन किया है, वह भारतीय फुटबॉल के लिए गर्व का विषय बन गया है।

पंत मैनचेस्टर में विकेटकीपिंग नहीं कर सकते तो बतौर बल्लेबाज न खेलें : शास्त्री

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। मैनचेस्टर टेस्ट मैच से पहले भारतीय टीम के उप-कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की उपलब्धता को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि टीम के उप-कप्तान को तब तक एक बल्लेबाज के रूप में नहीं खेलना चाहिए, जब तक कि वह चौथे टेस्ट से पहले मैच के लिए विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी लेने के लिए आश्वस्त न हो जाएं। तीसरे टेस्ट में पंत ने 74 और 9 रन की पारी खेली थी। खेल के दौरान उन्हें बाएं हाथ की तर्जनी उंगली में चोट लगी थी, जिसके बाद वह मैदान से बाहर चले गए थे। वह मैच के बाकी समय विकेटकीपिंग नहीं कर पाए। उनकी अनुपस्थिति में विकेटकीपर ध्रुव जुरेल ने विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली। शुक्रवार को आईसीसी के इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में शास्त्री ने कहा, मुझे नहीं लगता कि अगर पंत विकेटकीपिंग नहीं कर सकते तो उन्हें विशेषज्ञ बल्लेबाज के तौर पर मैदान में उतरना चाहिए, क्योंकि उन्हें क्षेत्ररक्षण करना होगा, और अगर वह क्षेत्ररक्षण करते हैं, तो स्थिति और खराब हो जाएगी। ऐसा इसलिए है क्योंकि दस्तानों के साथ कम से कम कुछ सुरक्षा तो मिलती है।

बिना दस्तानों के, अगर उन्हें कोई ऐसी चीज लग जाती है जो उन्हें चुभती है, तो यह बहुत अच्छा नहीं होगा। इससे चोट और बिगड़ जाएगी। चौथे टेस्ट के लिए टीम के कप्तान शुभमन गिल ने कहा था कि पंत खेलने के लिए फिट होंगे। गुरुवार को टीम के अभ्यास सत्र के दौरान, सहायक कोच रयान टेन डोशेट ने कहा था कि टीम पंत को मैनचेस्टर में मैदान पर उतरने के लिए पूरी तरह से फिट होने और ठीक होने के लिए जितना हो सके उतना समय दे रही है।

एरिगेसी सेमीफाइनल में पहुंचे, भारतीय ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानंद खिताबी दौड़ से बाहर

लास वेगास, 18 जुलाई (एजेंसियां)। ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी ने उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसातोरोव को हराकर फ्रीस्टाइल ग्रैंडस्लैम शतरंज टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। वहीं, भारत के आर प्रज्ञानंद अमेरिका के फैबियानो कारुआना के खिलाफ हारकर खिताबी दौड़ से बाहर हो गए हैं। एरिगेसी ने अब्दुसातोरोव को 1.5-0.5 से हराया, जबकि प्रज्ञानंद को कारुआना के खिलाफ 3-4 से हार का सामना करना पड़ा। प्रज्ञानंद और कारूआना के बीच कुल सात निर्णायक बाजियां खेली गईं। इस दौरान भारतीय खिलाड़ी ने तीन बार बढ़त बनाई।

प्रज्ञानंद ने पहली बाजी जीती लेकिन दूसरी बाजी में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। छठी बाजी तक यह सिलसिला बना रहा। इसके बाद अमेरिकी खिलाड़ी ने सातवीं बाजी जीत कर सेमीफाइनल में अपनी जगह सुरक्षित की। प्रज्ञानंद इस हार से सात अन्य खिलाड़ियों के साथ निचले ब्रैकेट में खिसक गए हैं। अमेरिका के लेवोन एरोनियन और हैंस मोक निएमैन क्वार्टर फाइनल चरण में जीतने वाले अन्य खिलाड़ी हैं। इन्होंने क्रमशः हिकारू नाकामुरा और जोवोखिर सिंदारोव को हराया। एरोनियन ने 2.5-1.5 के अंतर से जीत हासिल की, वहीं निएमैन को सिंदारोव को 4-2 से हराने में अधिक समय लगा। सेमीफाइनल में अर्जुन का मुकाबला एरोनियन से जबकि निएमैन का कारूआना से होगा। निचले वर्ग में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने अपनी जीत की लय वापस पा ली।

इंग्लैंड दौरे पर गए अर्शदीप इंजर्ड-अब तक टेस्ट डेब्यू नहीं कर पाए हैं

लंदन, 18 जुलाई (एजेंसियां)। टीम इंडिया से अब तक टेस्ट डेब्यू नहीं कर सके लेफ्ट आर्म पेसर अर्शदीप सिंह लंदन में प्रैक्टिस के दौरान इंजर्ड हो गए। असिस्टेंट कोच रायन टेन डोश्चेट ने न्यूज एजेंसी से कहा, बॉलिंग के दौरान उनके हाथ में चोट लग गई। इसके बाद वे प्रैक्टिस सेशन में हिस्सा नहीं ले सके।

टीम इंडिया ने लंदन के द लॉर्ड्स स्टेडियम में 14 जुलाई को एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट इंग्लैंड के खिलाफ गंवा दिया था। टीम ने 2 दिन रेस्ट के बाद प्रैक्टिस शुरू की थी, जिसमें अर्शदीप इंजर्ड हो गए। अर्शदीप सिंह गुरुवार को चौथे टेस्ट के लिए प्रैक्टिस कर रहे थे। बॉलिंग के दौरान वे गेंद रोकने की कोशिश में खुद को इंजर्ड कर बैठे। टेन डोश्चेट ने बताया कि बॉलिंग के दौरान अर्शदीप के हाथ में कट लग गया। ये कट कितना गहरा है, यह जांच के बाद ही पता चलेगा। अगर उन्हें हाथ में टांके लगाने की जरूरत पड़ी तो उनका प्रैक्टिस करना भी मुश्किल हो जाएगा। भारत के लिए वनडे और टी-20 डेब्यू कर चुके अर्शदीप सिंह को अब तक एक भी टेस्ट खेलने का मौका नहीं मिला। वे इंग्लैंड गई 19 सदस्यीस स्क्वॉड का हिस्सा हैं। टीम इंडिया ने सीरीज के 3 टेस्ट में जसप्रीत बुमराह, आकाशदीप, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, शार्दूल ठाकुर के रूप में 5 पेसर और नीतीश कुमार रेड्डी के रूप में एक पेस बॉलिंग ऑलराउंडर को मौका दिया। हालांकि, अर्शदीप को मौका नहीं मिल पाया। स्क्वॉड में 7 पेसर हैं, जिनमें से 6 को मौका मिल चुका है यानी प्राथमिकता में अर्शदीप आखिरी नंबर पर हैं। अगर टीम इंडिया मैनचेस्टर टेस्ट में बदलाव करने के बारे में सोचे तो अर्शदीप को जरूर डेब्यू का मौका मिल सकता है।

लॉर्ड्स टेस्ट-8 बार गेंदें बदली गई

टेस्ट क्रिकेट में गेंद कब बदली जाती है, क्या हैं बॉल बदलने के नियम; एक पारी में पांच बार गेंदें बदली गई

दुबई, 18 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के इंग्लैंड दौरे पर बार-बार अंपायर्स का बॉल चेंज चर्चा में रहा। लॉर्ड्स टेस्ट में भी बार-बार गेंद बदलनी पड़ी, क्योंकि पुरानी गेंदें जल्दी खराब हो रही थीं। लॉर्ड्स टेस्ट की पहली पारी में तो भारतीय टीम द्वारा 80 ओवर के बाद ली गई नई गेंद 10 ओवर बाद ही खराब हो गई थी। वहीं, इसके बदले दी गई दूसरी गेंद को भी 8 ओवर बाद दोबारा बदलना पड़ा। इंग्लैंड की 112.3 ओवर की पारी में कुल पांच बार गेंदें बदली गई थीं। भारतीय कप्तान शुभमन गिल, उप कप्तान ऋषभ पंत और मोहम्मद सिराज जैसे खिलाड़ी रिप्लेसमेंट बॉल से नाराज दिखे।

क्या आप जानते हैं कि टेस्ट क्रिकेट में बॉल बदलने के नियम क्या हैं। टेस्ट में बॉल किन-किन परिस्थितियों में बदली जा सकती है और बॉल को कैसे जांचते हैं...जैसे सवालों के जवाब हमने पूर्व बीसीसीआई पैनल अंपायर राजीव रिसोड़कर से जाने। राजीव एक टेस्ट मैच में फोर्थ अंपायर रह चुके हैं। इतना ही नहीं, वे 3 विमेंस वनडे मैच में अंपायरिंग कर चुके हैं। राजीव ने 200 से ज्यादा डोमेस्टिक मैचों में अंपायरिंग की है।

'दुर्लभ होता है ऐसा जज्बा', लॉर्ड्स में रविंद्र जडेजा की जुझारू पारी पर फिदा हुए गौतम गंभीर

लंदन, 18 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा की प्रशंसा की है। गौतम गंभीर ने इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट में रविंद्र जडेजा के प्रदर्शन को 'अविश्वसनीय संघर्ष' करार दिया। रविंद्र जडेजा 181 गेंद में 61 रन बनाकर नाबाद रहे, लेकिन उनकी इस शानदार पारी के बावजूद भारत तीसरे टेस्ट में 22 रन से हार गया।

गौतम गंभीर ने 'द एमवीपी फीट रविंद्र जडेजा' शीर्षक वाले वीडियो में कहा, 'यह एक अविश्वसनीय संघर्ष था। जडेजा की लड़ाई बहुत शानदार थी।' भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की वेबसाइट पर यह वीडियो शुक्रवार 18 जुलाई की सुबह पोस्ट किया गया। लॉर्ड्स टेस्ट में 193 रन के मामूली लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की बल्लेबाजी क्रम चरमरा गई और शीर्ष आठ बल्लेबाज 40 ओवर से भी कम समय तक टिक पाए, लेकिन 7वें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए रविंद्र जडेजा ने दृढ़ता से काम किया और पुछल्ले बल्लेबाजों जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के साथ अदम्य साहस और धैर्य दिखाया।

स्कूल टीचर का क्रिकेटर बेटा जो गरीबी से लड़कर अकूत दौलत का मालिक बना-एक साल का बैन भी लगा

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। मां स्कूल टीचर है। गरीब परिवार है। चार बच्चे हैं और वह चाहती है कि सबसे बड़ा बेटा जल्दी पढ़ लिखकर कोई नौकरी कर ले, जिससे परिवार का आर्थिक बोझ कुछ कम हो सके। लेकिन बेटा बिंदास है और परिवार के खिलाफ बगावत करके अपने सपनों के पीछे भागना चाहता है। वह चाहता है कि उसे उसके सपनों को पूरा करने का मौका दिया जाए। वह मां से वादा लेता है कि अगर दो साल तक वह अपने सपने को पूरा करने की ओर नहीं बढ़ता या नहीं पूरा कर पाएगा तो वह मां के कहे अनुसार नौकरी करेगा और परिवार को संभालेगा। अंततः बेटे का सपना पूरा होता है। उसके पास अब अपना बंगला है। लग्जरी जिम, स्विमिंग पुल, महंगी गाड़ियां हैं। शानो शौकत में कोई कमी नहीं है। दुनियाभर में फैंस हैं। संभव है ये लाइनें आपको किसी बॉलीवुड सुपर हिट फिल्म की स्क्रिप्ट लग रही हो, लेकिन सच कहा जाए तो यह असल जिंदगी की कहानी है। जी हां, यकीन मानिए यह पूरा सच है। यह कहानी है एक साधारण स्कूल टीचर के बेटे आंद्रे रसेल की, जिसने बचपन में गरीबी देखी, क्रिकेट के लिए पढ़ाई छोड़ी और अपनी मेहनत से अकूत दौलत का मालिक बन गया। हाल ही में टी20 इंटरनेशनल से रिटायरमेंट का ऐलान करने वाले वेस्टइंडीज के आंद्रे रसेल के संघर्षों पर बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि किस तरह वह एक आर्थिक तंगी झेल रहे परिवार से निकलकर दुनिया के सबसे विस्फोटक ऑलराउंडर बने। इसके इतर उनके करियर पर एक साल के बैन के दाग पर भी चर्चा करेंगे।

आंद्रे रसेल का बचपन गरीबी में गुजरा और क्रिकेट का जुनून

दुनिया में अपने रेसरों के लिए मशहूर जमैका के किंग्स्टन में 29 अप्रैल 1988 को जन्मे आंद्रे रसेल का बचपन आर्थिक तंगी में बीता। उनकी मां सैंड्रा डेविस स्कूल टीचर थीं और वह चाहती थीं कि 19 साल की उम्र में हाई स्कूल पूरा करने के बाद आंद्रे हायर एजुकेशन पर ध्यान दें ताकि जल्द ही एक स्थिर नौकरी मिल सके। परिवार का खर्च बड़ा था। रसेल चार भाई बहनों में सबसे बड़े थे। दूसरी ओर, मनमौजी आंद्रे पर बचपन से ही क्रिकेट का जुनून सवार था। स्कूल से आते ही उनका अगला ठिकाना क्रिकेट का मैदान होता था। उन्होंने अपने परिवार की माली हालत देखी थी और समझ चुके थे कि उन्हें खुद ही अपने और अपने परिवार के लिए कुछ करना होगा। अपने बचपन के दिनों में ही आंद्रे ने यह तय कर लिया था कि वह क्रिकेटर बनेंगे। उन्होंने अपनी मां से इसके लिए दो साल का समय मांगा। उन्होंने यह वादा किया कि वह उन्हें निराश नहीं करेंगे। एक साधारण टीचर के लिए यह समझना मुश्किल था कि उनका बेटा क्रिकेट में इतना बड़ा नाम कमा पाएगा, लेकिन उन्होंने अपने बेटे के जुनून पर भरोसा किया।

'मां के आगे गिड़गिड़ाया, सिर्फ 4 साल दे दो, बड़ा क्रिकेटर बनूंगा'

इस बारे में 2012 में रसेल ने भावुक होकर बताया था- यह एक मुश्किल फैसला था, क्योंकि हम गरीब थे और मेरी मां सोचती थीं कि शिक्षा से मेरा भविष्य सुरक्षित होगा। मैंने अपनी मां से गिड़गिड़ाकर कहा कि मुझे बड़े स्तर के क्रिकेट में अपनी किस्मत आजमाने के लिए चार साल दें, लेकिन वह मुझे सिर्फ दो साल देने को तैयार थीं। रसेल ने बताया कि किस्मत देखिए, दो साल के अंत में वह जमैका की उस टीम में जगह नहीं बना पाए, जिसमें क्रिस गेल, मार्लन सैमुअल्स, जर्मेन लॉसन और जेरोम टेलर जैसे खिलाड़ी थे। उन्होंने कहा- मैंने अपनी मां से कहा कि मैं क्रिकेट छोड़ कर पढ़ाई करने को तैयार हूं। मुझे आश्चर्य हुआ कि उन्होंने मुझे एक साल और जारी रखने को कहा और उसी ने मेरे लिए सब कुछ बदल दिया।

आंद्रे रसेल की 2012 में आईपीएल में एंट्री, यूं बदली किस्मत

जमैका के इस खिलाड़ी को 23 वर्ष की उम्र में 2012 में दिल्ली डेयरडेविल्स, जो अब दिल्ली कैपिटल्स है,ने साइन किया। उस समय रसेल वेस्टइंडीज टीम के लिए खेल रहे थे, जबकि विस्फोटक बैटिंग की वजह से लीग क्रिकेट में हर फ्रेंचाइजी की निगाहें उन पर थीं। हर कोई चाहता था कि वह उनके लिए खेलें। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। उस समय उन्होंने कहा था- मैं वॉर्सेस्टर लीग में हीरो था और मेरे साथी हमेशा मुझसे कहते थे कि मैं वेस्टइंडीज के लिए खेलूंगा। इंग्लैंड में एक दिन मुझे डब्ल्यूआईसीबी (वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड) के सिलेक्शन कमिटी के अध्यक्ष का फोन आया, जिसमें मुझसे पूछा गया कि क्या मैं इंग्लैंड में वेस्टइंडीज-ए टीम में शामिल होने में दिलचस्पी रखता हूं। मैं सुबह 3 बजे ही उत्साह में पुश-अप करने लगा।

भट्टी ने मुख्यमंत्री को अपशब्द कहने के लिए बीआरएस की आलोचना की

नागार्जुन सागर, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने मुख्यमंत्री के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने के लिए बीआरएस नेताओं की आलोचना की है। राज्य की सभी जलविद्युत परियोजनाओं का दौरा करने के क्रम में, भट्टी विक्रमार्क ने शुक्रवार को नलगोंडा जिले के नागार्जुन सागर में जलविद्युत उत्पादन पर अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह अपेक्षाओं पर खरा उतरे। मीडिया से बात करते हुए, उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनावों में हार और संसदीय चुनावों में शून्य सीटें मिलने के बावजूद, बीआरएस नेताओं का रवैया नहीं बदला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार पानी के लिए सत्ता में आई थी। उन्होंने कहा कि आज जिस "रिवर्स पंपिंग स्टोरेज तकनीक" की प्रशंसा की जा रही है, वह वास्तव में 1978 में नागार्जुन सागर में कांग्रेस शासकों द्वारा शुरू की गई थी।

भट्टी ने बिजली कर्मचारियों को बिना किसी रुकावट के गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति करने के लिए बधाई दी, तब भी जब मांग 17,162 मेगावाट तक पहुंच गई थी, जिससे एक क्षण के लिए भी बिजली गुल नहीं हुई। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी सरकार द्वारा शुरू किए गए कई विकास कार्यक्रमों के कारण बिजली की मांग बढ़ी है, जिससे नए उद्योग स्थापित हुए हैं और जीडीपी वृद्धि में योगदान मिला है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार प्रदूषण मुक्त और कम लागत वाली हरित ऊर्जा के उत्पादन पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जिसका लक्ष्य 2029-30 तक 20,000 मेगावाट हरित ऊर्जा उत्पन्न करना है।

नारा लोकेश मेरे छोटे भाई जैसे हैं : केटीआर

खम्मम, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मंत्री नारा लोकेश के साथ गुप्त बैठक के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के आरोपों के जवाब में, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने स्पष्ट किया है कि उन्होंने लोकेश से मुलाकात नहीं की। उन्होंने जोर देकर कहा, अगर मुझे लोकेश से मिलना होता, तो मैं खुलेआम मिलता, गुप्त रूप से नहीं। केटीआर ने आगे बताया कि क्या लोकेश से मिलना अनुचित है। पड़ोसी राज्य के मंत्री लोकेश मेरे लिए छोटे भाई जैसे हैं। वह एक सुशिक्षित युवक हैं जिनके साथ मेरे अच्छे संबंध हैं। शुक्रवार को खम्मम में मीडिया से बात करते हुए, बीआरएस नेता ने किसी भी समय बातचीत में शामिल होने की अपनी इच्छा पर ज़ोर दिया और चुनौती से भागने के लिए मुख्यमंत्री की आलोचना की। उन्होंने बिना किसी सबूत के ड्रग्स और हेरोइन के बारे में बेबुनियाद आरोप लगाने के लिए कांग्रेस नेताओं की आलोचना की। केटी रामाराव ने सवाल उठाया कि क्या कांग्रेस नेताओं द्वारा उनके खिलाफ कई मामले दर्ज करने को सही ठहराने के लिए पर्याप्त सबूत हैं। उन्होंने यह भी पूछा कि वे कब तक इन बेबुनियाद दावों को जारी रखेंगे। केटीआर ने दुबई में एक व्यक्ति की मौत से अपने संबंध की भी निंदा की। उन्होंने कहा कि अगर मुख्यमंत्री में ज़रूरी साहस है, तो उन्हें किसी सामाजिक समारोह में दिए गए बयानों जैसी टिप्पणियों का सहारा लेने के बजाय सबूत पेश करने चाहिए। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि रेवंत रेड्डी कभी भी पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव जैसा कद हासिल नहीं कर सकते, और इस बात पर ज़ोर दिया कि रेड्डी में राज्य पर शासन करने की क्षमता नहीं है।

केटीआर ने सुझाव दिया कि मुख्यमंत्री के परिवार को रेवंत रेड्डी के लिए मानसिक स्वास्थ्य केंद्र जाने की व्यवस्था करने पर विचार करना चाहिए। केटीआर ने कहा, हम पूरे विश्वास के साथ बोल रहे हैं क्योंकि हमने कोई गलत काम नहीं किया है। मेरे खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज होने के बावजूद, कांग्रेस नेता इसे ठीक से पेश नहीं कर पाए।

रेत से लदे ट्रैक्टर ने पेद्दापल्ली एसीपी के पिता की ले ली जान

मंचेरियल, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को यहां पाथा मंचेरियल में रेत से लदे एक ट्रैक्टर ने एक दोपहिया वाहन को कुचल दिया जिससे एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान पेड्डापल्ली एसीपी गज्जी कृष्णा के पिता गज्जी ऐलैया (75) के रूप में हुई है। ट्रैक्टर ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे उनकी गंभीर चोटें आईं और उनकी तत्काल मौत हो गई। क्याथनपल्ली निवासी ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि संबंधित अधिकारियों की अनदेखी के चलते, कुछ लोग हाजीपुर मंडल के पाठा मंचेरियल और मुलकल्ला गाँव के पास गोदावरी नदी से रेत का अवैध खनन और परिवहन चौबीसों घंटे कर रहे हैं।

ऑनर किलिंग के नाम पर युवक की हत्या

जगतियाल, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वेलगाटूर मंडल में एक संदिग्ध ऑनर किलिंग की घटना में एक दलित युवक की उसकी प्रेमिका के परिवार के सदस्यों ने हत्या कर दी। वेलगाटूर मंडल के किशनरावपेट निवासी चल्लुरी मल्लेश कथित तौर पर उसी गांव की एक महिला से प्रेम करता था। वह पिछड़ी जाति समुदाय से थी। बार-बार चेतावनी देने के बाद भी जब उसने अपना रवैया नहीं बदला तो महिला के पिता ने कुछ समय पहले पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। यह जानते हुए कि महिला के परिवार के सदस्य उसकी शादी किसी अन्य व्यक्ति से तय करने की कोशिश कर रहे हैं, मल्लेश गुरुवार को उसके घर गया और उसके माता-पिता से झगड़ा किया। घटना से गुस्साए महिला के पिता और चाचा ने मृतक को पेद्दावगु पुल पर रोक लिया और उसे कोटिलिंगा रोड स्थित एक पुरानी शराब की दुकान के पीछे ले गए। कथित तौर पर उन्होंने चाकुओं से हमला करके उसकी हत्या कर दी। मृतक के पिता राजैया की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रियल एस्टेट कारोबारी ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रियल एस्टेट कारोबार में आई असफलता और वित्तीय समस्याओं से परेशान एक रियल एस्टेट कारोबारी ने गुरुवार रात इंजापुर स्थित अपने फ्लैट में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। एम वेंकटेश्वरलू (47), एक बिल्डर, अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ मीरपेट के प्रशांत हिल्स कॉलोनी में रह रहे थे। वह रियल एस्टेट के कारोबार में थे और शहर में कई जगहों पर निर्माण कार्य करते थे।

पिछले कुछ महीनों से वेंकटेश्वरलू अपनी वित्तीय कठिनाइयों से परेशान थे, जो कथित तौर पर रियल एस्टेट क्षेत्र में मंदी के कारण हुई थीं। इसके साथ ही, वेंकटेश्वरलू पर संदेह है कि उन्होंने इंजापुर क्षेत्र में साईं प्रिया कॉलोनी स्थित अपने दूसरे फ्लैट में फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली, उन्होंने एक सुसाइड नोट लिखा जिसमें उन्होंने कहा कि वह अपने रियल एस्टेट व्यवसाय में आई गिरावट के बाद वित्तीय कठिनाइयों के कारण अपनी जीवन लीला समाप्त कर रहे हैं। वेंकटेश्वरलू की पत्नी की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

टीटीडी ने अक्टूबर के लिए ई-डीआईपी पंजीकरण जारी किया

तिरुमला, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अक्टूबर माह के लिए दर्शन और आवास के लिए ऑनलाइन कोटा का कार्यक्रम जारी किया गया। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने शनिवार को अपनी इलेक्ट्रॉनिक लकी-डिप प्रणाली के माध्यम से श्रीवारी अर्जित सेवा टिकटों का ऑनलाइन कोटा जारी कर दिया। पंजीकरण आज सुबह 10 बजे आधिकारिक टीटीडी पोर्टल पर शुरू हो गए। इलेक्ट्रॉनिक डिप प्रणाली भक्तों को प्रमुख सेवाओं (सुप्रभातम, थोमाला, अर्चना और अष्टदल पाद पद्मराधना) में से यादृच्छिक ड्रॉ के माध्यम से चयन करने की अनुमति देती है। टीटीडी के मानकीकृत कार्यक्रम के अनुसार। अक्टूबर के लिए अर्जित सेवा टिकट 19 जुलाई को सुबह 10 बजे जारी किए जाएंगे। भक्त 21 जुलाई को सुबह 10 बजे तक इलेक्ट्रॉनिक डिप के लिए नामांकन कर सकते हैं। जिन लोगों को लकी डिप के माध्यम से टिकट आवंटित किए गए हैं, उन्हें 21 जुलाई से 23 जुलाई के बीच दोपहर 12 बजे तक भुगतान पूरा करना होगा।

22 जुलाई को सुबह 10 बजे, टीटीडी कल्याणोत्सवम, उनजल सेवा, अर्जित ब्रह्मोत्सवम, सहस्र दीपंकर सेवा और वार्षिक पुष्पयागम के टिकट जारी करेगा, जबकि अक्टूबर के लिए वर्चुअल सेवा टिकट और संबंधित दर्शन स्लॉट दोपहर 3 बजे जारी किए जाएंगे। अंगप्रदक्षिणम टोकन 23 जुलाई को सुबह 10 बजे उपलब्ध होंगे, जबकि श्रीवाणी ट्रस्ट के टिकट सुबह 11 बजे जारी किए जाएंगे, इसके बाद वरिष्ठ नागरिकों, शारीरिक रूप से विकलांगों और पुरानी बीमारियों से ग्रस्त व्यक्तियों के टिकट दोपहर 3 बजे जारी किए जाएंगे। 300 रुपये के टिकट विशेष प्रवेश दर्शन टिकट 24 जुलाई को सुबह 10 बजे जारी किए जाएंगे, जबकि तिरुमाला और तिरुपति के लिए आवास कोटा दोपहर 3 बजे जारी किया जाएगा।

पुराने घर की दीवार गिरने से दो मजदूरों की मौत

मंचेरियल, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कोटापल्ली मंडल के ब्राह्मणपल्ली गांव में शुक्रवार को एक पुराने मकान को गिराते समय दीवार गिरने से दो दिहाड़ी मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान एड्डी मधुनैया (50) और सेगम तिरुपति के रूप में हुई है, जो दोनों गांव के ही रहने वाले थे। मधुनैया और तिरुपति दीवार गिरने से मलबे में दब गए थे। घटना के समय वे दीवार को गिराने में लगे थे। इंदिराम्मा योजना के तहत स्वीकृत एक नए घर के निर्माण के लिए इस घर को गिराया जा रहा था, जो एक लाभार्थी, पानुगंती श्रीनिवास के लिए था।

रोड शो के दौरान मुद्दे उठाने वालों पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया हमला

मेदक, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक शहर में गुरुवार रात कांग्रेस पार्टी के रोड शो के दौरान अनसुलझे मुद्दों पर अपनी आवाज उठाना कुछ नागरिकों के लिए खतरनाक हो गया, क्योंकि पार्टी कार्यकर्ताओं ने उन पर हमला किया, जबकि मंत्री जी विवेकानंद और टीपीसीसी अध्यक्ष महेश गौड़ बिना हस्तक्षेप के देखते रहे। जिला मुख्यालय के रामदास चौरास्ता पर आयोजित रोड शो में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मनमानी साफ़ दिखाई दी। जब एक व्यक्ति ने वादा किए गए कर्ज़ माफ़ी न मिलने की चिंता जताई, तो कार्यकर्ताओं ने उसे पकड़कर पीटना शुरू कर दिया।

हमले में किसान बेहोश हो गया और बाद में पुलिस ने उसे बचाकर घटनास्थल से बाहर निकाला। एक अलग घटना में, सरकारी आवास न दिए जाने पर सवाल उठाने वाले एक अन्य व्यक्ति पर भी मज़दूरों ने इसी तरह हमला किया। मंत्री विवेकानंद के भाषण के दौरान एक और व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराने की कोशिश की। मंत्री ने उसकी शिकायत अनसुनी कर दी, जिससे उस व्यक्ति ने उनकी ओर मक्के का एक दाना फेंका, जो बाल-बाल बच गया।

हरीश राव ने राहुल गांधी के 'चुड़ैल-शिकार' के आरोप को बताया पाखंड

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राहुल गांधी द्वारा अपने बहनोई रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ केंद्र सरकार द्वारा की जा रही जासूसी के आरोपों का जवाब देते हुए, बीआरएस नेता और विधायक टी हरीश राव ने कांग्रेस नेता की तीखी आलोचना की और उन पर सरासर पाखंड का आरोप लगाया। राव की टिप्पणी ने गांधी के चुनिंदा आक्रोश को उजागर किया। उन्होंने कांग्रेस पार्टी और उसके नेताओं की उस समय चुप्पी पर सवाल उठाया जब उन्होंने कथित तौर पर तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के परिवार को 'झूठ और बदले की राजनीति' के साथ निशाना बनाया।

गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में वाड्रा का बचाव करते हुए कहा, मेरे बहनोई को पिछले दस सालों से इस सरकार ने परेशान किया है। गांधी की टिप्पणी पर पलटवार करते हुए हरीश राव ने कहा, जब बात आपके परिवार की आती है, तो आप इसे 'विच हंट' कहते हैं। लेकिन जब तेलंगाना के मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता झूठ और बदले की राजनीति के ज़रिए बीआरएस नेता के चंद्रशेखर राव के परिवार को निशाना बनाते हैं, तो आप चुप रहते हैं। उन्होंने कहा, ""पाखंड अपने चरम पर है।''

मारेल्ली अनिल के परिजनों से नहीं मिले कांग्रेस के शीर्ष नेता

शोक संतप्त परिवार के प्रति उदासीनता शहर में चर्चा का विषय

मेदक, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के दौरे पर आए कांग्रेस के शीर्ष नेताओं, एक मंत्री और विधायकों ने पार्टी नेता मारेल्ली अनिल के शोक संतप्त परिवार से मिलने की उपेक्षा की, जिनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। शोक संतप्त परिवार के प्रति उदासीनता शहर में चर्चा का विषय बन गई है और पार्टी कार्यकर्ताओं में निराशा और असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है। अनिल की मेदक जिले के वरीगुंथम में कुछ अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। सोमवार रात को जब उन पर

हमला हुआ तो वह गांधी भवन में पार्टी की बैठक में भाग लेने के बाद पीठ के बल लेटे हुए थे। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, श्रम मंत्री जी विवेकानंद, वरिष्ठ नेता म्यनमपल्ली हनुमंत राव, मेदक जिले से एकमात्र कांग्रेस विधायक म्यनमपल्ली रोहित गुरुवार को मेदक जिले के दौरे पर थे।

हालाँकि, इनमें से किसी ने भी कुछ किलोमीटर दूर स्थित अनिल के गांव का दौरा नहीं किया। इन प्रमुख कांग्रेस नेताओं ने पूरा दिन ज़िले में कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेने में बिताया। हालाँकि, उन्होंने अपनी बैठकों के दौरान हमले की निंदा तक नहीं की। अनुसूचित जाति विंग के नेता और कार्यकर्ता इन नेताओं से किसी प्रतिक्रिया की उम्मीद कर रहे थे, लेकिन उन्होंने उनकी उम्मीदों को गलत साबित कर दिया। इस बीच, जिला मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा और एक अन्य मंत्री पोन्नम प्रभाकर, जिन्हें पूर्ववर्ती मेदक के स्थानीय निकाय चुनावों के लिए प्रभारी नियुक्त किया गया था, भी आज तक अनिल के आवास पर नहीं आए।

डीसीसी अध्यक्ष अंजनेयुलु और पार्टी नरसापुर निर्वाचन क्षेत्र प्रभारी अवुला राजी रेड्डी दो महत्वपूर्ण कांग्रेस नेता थे जो अनिल के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। अनिल की गोली मारकर हत्या से सदमे में आए परिजनों ने कहा कि उन्हें पार्टी नेतृत्व से मज़बूत सहयोग की उम्मीद थी, लेकिन ऐसा लग रहा है कि वे पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं के परिवारों के प्रति कोई चिंता व्यक्त करने के मूड में नहीं हैं। उनका मानना है कि पार्टी नेतृत्व की इस तरह की अनदेखी से कार्यकर्ता पार्टी की गतिविधियों से दूर हो जाएँगे।

आत्महत्या और खाद्य विषाक्तता की रोकथाम में नए मानक स्थापित

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना समाज कल्याण आवासीय शैक्षणिक संस्थान सोसाइटी (टीजीएसडब्ल्यूआरईआईएस) के सचिव डॉ.वी.एस. अलगु वर्सिनी ने एक अभूतपूर्व पहल की शुरूआत की है जो देश भर के सभी आवासीय सरकारी संस्थानों के लिए एक आदर्श बन सकती है। उन्होंने छात्रों की आत्महत्या और खाद्य विषाक्तता की बढ़ती घटनाओं से निपटने के लिए मानसिक स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा हस्तक्षेपों का एक व्यापक सेट शुरू किया है। यह पहल राज्य भर में, विशेष रूप से विभिन्न सरकारी सोसाइटियों द्वारा संचालित छात्रावासों में, छात्रों में खाद्य संदूषण और भावनात्मक संकट से संबंधित कई परेशान करने वाली रिपोर्टों के बाद शुरू की गई है। टीजीएसडब्ल्यूआरईआईएस के सक्रिय उपायों को अब छात्र सुरक्षा और कल्याण के लिए एक स्वर्ण मानक के रूप में सराहा जा रहा है, जिससे आदिवासी, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक कल्याण और अन्य आवासीय संस्थानों में भी इसे लागू करने की मांग उठ रही है। राष्ट्रीय स्तर पर किशोरों की आत्महत्याओं में वृद्धि और हाल ही में तेलंगाना के सरकारी छात्रावासों से सामने आए मामलों को देखते हुए, टीजीएसडब्ल्यूआरईआईएस ने सहानुभूति, शीघ्र पहचान और साथियों के सहयोग पर आधारित एक संस्थान-व्यापी मानसिक स्वास्थ्य रणनीति तैयार की है।

लड़कियों को मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण देने के लिए शुरू किया ऑपरेशन ज्वाला

आदिलाबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एक अनूठी पहल के तहत, पुलिस ने छात्राओं को साहस, आत्मविश्वास और आत्मरक्षा कौशल से सशक्त बनाने के लिए 'ऑपरेशन ज्वाला' शुरू किया है। छात्राओं को मार्शल आर्ट और कराटे का प्रशिक्षण दिया जाएगा ताकि वे अपनी सुरक्षा स्वयं कर सकें। पुलिस अधीक्षक अखिल महाजन ने शुक्रवार को यहां महात्मा ज्योतिबा फुले आवासीय महाविद्यालय परिसर में ऑपरेशन ज्वाला का औपचारिक उद्घाटन किया। महाजन ने छात्राओं के लिए आत्मरक्षा के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग संकट के समय में हमेशा लड़कियों के साथ खड़ा रहेगा। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन ज्वाला उन्हें आत्मरक्षा की शक्ति विकसित करने में मदद करने के लिए एक सक्रिय कदम था।

उन्होंने बताया कि ऑपरेशन ज्वाला के तहत प्रशिक्षण से महात्मा ज्योतिबा फुले संस्थान के लगभग 500 छात्रों को लाभ मिलने की उम्मीद है। उन्होंने बताया, 'इस पहल का उद्देश्य छोटी उम्र से ही लड़कियों में भावनात्मक मजबूती और आत्मनिर्भरता का निर्माण करना है। इस प्रशिक्षण से छात्राओं और युवतियों में विकट परिस्थितियों में आत्मरक्षा का आत्मविश्वास पैदा होगा। यह भी उम्मीद है कि इस तरह के कार्यक्रम महिलाओं को विपरीत परिस्थितियों का साहसपूर्वक सामना करने के लिए तैयार करके उनके खिलाफ अपराधों को कम करने में योगदान देंगे।'

आईपीएस अधिकारी ने आगे बताया कि कराटे प्रशिक्षण सत्र जिले के सभी स्कूलों में शुरू किए जाएँगे। यह कार्यक्रम सरकारी और निजी दोनों तरह के प्रशिक्षित कराटे प्रशिक्षकों के सहयोग से संचालित किया जाएगा। छात्राओं के लिए हर शाम एक घंटे की विशेष प्रशिक्षण कक्षाएं आयोजित की जाएँगी। उन्होंने सभी छात्राओं से इस अवसर का भरपूर लाभ उठाने का आग्रह किया और उन्हें आश्वस्त किया कि ज़िला शिक्षा विभाग की टीमें हमेशा सहायता के लिए उपलब्ध हैं। उन्होंने छात्राओं को सलाह दी कि किसी भी आपात स्थिति में डायल 100 पर कॉल करने या आदिलाबाद शिक्षा विभाग की टीम से सीधे संपर्क करने में संकोच न करें। उन्होंने कार्यक्रम के क्रियान्वयन में सहयोग के लिए ज़िला शिक्षा विभाग की टीम का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने की अमरावती में 'हाइड्रोजन वैली' की घोषणा

स्थिरता और प्रकृति की सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करना है उद्देश्य

अमरावती, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायुडू ने शुक्रवार को घोषणा की कि अमरावती में स्थिरता और प्रकृति की सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करने के लिए एक 'हाइड्रोजन वैली' स्थापित की जाएगी। ग्रीनफील्ड राजधानी शहर के एक निजी कॉलेज में 'ग्रीन हाइड्रोजन समिट-2025' को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि अमरावती में दो घाटियां विकसित हो रही हैं- 'क्वांटम वैली' और 'हाइड्रोजन वैली'। नायुडू ने कहा, मैं बहुत खुश हूं। हम यहां (अमरावती) से हाइड्रोजन वैली पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। यहां दो वैली आ रही हैं। एक कंप्यूटिंग और तकनीक के लिए क्वांटम वैली है, और दूसरी प्रकृति की सुरक्षा और स्थायित्व के लिए ग्रीन हाइड्रोजन वैली है। यह बहुत महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री के अनुसार, प्रकृति की रक्षा और उसमें तकनीक का समावेश असीम विकास की ओर ले जाएगा। उन्होंने कहा कि हरित ऊर्जा, डाउनस्ट्रीम उद्योगों और समग्र पारिस्थितिकी तंत्र की आवश्यकता है। इसके अलावा, टीडीपी सुप्रीमो ने इस बात पर प्रकाश डाला कि दक्षिणी राज्य का लक्ष्य केंद्र द्वारा निर्धारित 2030 तक 500 गीगावाट उत्पादन के राष्ट्रीय लक्ष्य में से निकट भविष्य में लगभग 160 गीगावाट हरित ऊर्जा का योगदान करना है। उन्होंने कहा कि टीडीपी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने हरित ऊर्जा में 10 लाख करोड़ रुपये के निवेश को आकर्षित करने के लिए नीतियों की घोषणा की है, जिससे 7.5 लाख नौकरियां पैदा हो सकती हैं। आंध्र प्रदेश द्वारा निर्धारित कुछ हरित ऊर्जा लक्ष्यों को सूचीबद्ध करते हुए उन्होंने कहा कि इसका लक्ष्य 3 गीगावाट की इलेक्ट्रोलाइजर विनिर्माण क्षमता, सौर ऊर्जा परियोजनाएं (78.5 गीगावाट), पवन ऊर्जा परियोजनाएं (35 गीगावाट), पंप भंडारण परियोजनाएं (22 गीगावाट) और अन्य हासिल करना है।

अमराबाद टाइगर रिजर्व के लिए रिक्तियां और समर्थन की कमी एक चुनौती

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अमराबाद टाइगर रिजर्व (एटीआर) द्वारा बाघ संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों से वांछित परिणाम मिल रहे हैं, लेकिन कई रिक्तियों और विभाग से समर्थन की कमी के कारण कर्मचारियों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। एटीआर में बाघों की संख्या इस साल 33 से बढ़कर 36 हो गई है और अधिकारियों को उम्मीद है कि अगले दो सालों में यह संख्या और बढ़ेगी। हालाँकि, एटीआर कर्मचारियों को सीमित संसाधनों के साथ शिकार-रोधी उपायों को प्रभावी ढंग से लागू करने में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

एटीआर के लिए स्वीकृत कर्मचारियों की संख्या 315 से ज़्यादा है, लेकिन वर्तमान में रिज़र्व में केवल 148 कर्मचारी ही कार्यरत हैं। एटीआर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 50 प्रतिशत से ज़्यादा रिक्तियों के कारण, मौजूदा कर्मचारियों पर नियमित प्रशासन, क्षेत्रीय निरीक्षण, शिकार-रोधी उपायों, जागरूकता कार्यक्रमों और सफारी का भार है। इसके अलावा, रिजर्व में घायल पशुओं के उपचार तथा वन्यजीव स्वास्थ्य की निगरानी के लिए पशुचिकित्सक दल का भी अभाव है।

2600 वर्ग किलोमीटर में फैले एक बाघ अभयारण्य के लिए कम से कम 50 बेस कैंप स्थापित करने होते हैं। इसके विपरीत, अभयारण्य में केवल 29 कैंप ही कार्यरत हैं। दिलचस्प बात यह है कि 2015 वर्ग किलोमीटर में फैले कवाल बाघ अभयारण्य में लगभग 50 बेस कैंप स्थापित किए गए हैं। फिर भी, अभयारण्य में बाघों की मौत और उनके शिकार होने के कई मामले सामने आए हैं। वन क्षेत्रों में रणनीतिक स्थानों पर आधार शिविर स्थापित किए जाते हैं ताकि अवैध शिकार की गतिविधियों पर नज़र रखी जा सके और उसके अनुसार कार्रवाई की जा सके। इसके अलावा, शिविरों में कार्यरत कर्मचारियों को वन संरक्षण, वन्यजीव प्रबंधन, क्षेत्रीय निरीक्षण और अन्य गतिविधियों का कार्यभार भी सौंपा जाता है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.